गुवाहाटी व जोरहाट से एक साथ प्रकाशित

सच से समझौता नहीं

प्रातः खबर

www.pratahkhabar.com

RNI NO. ASSHIN/2005/15049 PRATAH KHABAR, Guwahati, Tuesday, 21 July, 2026 वर्ष 23 अंक 81, गुवाहाटी, मंगलवार 21 जुलाई, 2026, आषाढ़ मास, शुक्ल पक्ष-7 मूल्य : दस रुपये पेज-12

स्पेन बना विश्व विजेता-10

बेटे वी के लिए कोई शॉर्टकट नहीं रखा : राजकुमार हिरानी-12

सुप्रभातम्

मान और सम्मान पैसों से नहीं संस्कारों से मिलता है।

असम में बाढ़ की स्थिति भयावह

■ सेना ने संभाला मोर्चा ■ रेल सेवा बाधित ■ मैदान में उतरे कैबिनेट मंत्री

गुवाहाटी, 20 जुलाई (भा)। ऊपरी असम में लगातार हो रही बारिश के कारण आज बाढ़ की स्थिति और बिगड़ गयी, जिसके बाद राहत एवं बचाव कार्यों में राज्य की एजेंसियों की मदद के लिए सेना के जवानों को तैनात करना पड़ा। वहीं क्षेत्र में रेल यातायात भी प्रभावित हुआ है और कई ट्रेनों के मार्ग बदले गये हैं, जबकि कुछ ट्रेनें अस्थायी रूप से स्थगित किया गया है या गंतव्य से पहले रोका गया है। लगातार हो रही बारिश के कारण विभिन्न नदियों का जलस्तर एक बार फिर बढ़ने से 16 जिलों में 3.62 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के अनुसार बाढ़ से प्रभावित लोगों की संख्या कल सात जिलों में 57,100 से अधिक थी, जो आज बढ़कर 16 जिलों के 45 राजस्व मंडल बाढ़ के चपेट में है। बुलेटिन के मुताबिक इस साल आयी बाढ़ में जान गंवाने वाले लोगों की संख्या पांच है। वर्तमान में कुल 794 गांव पानी में डूबे हुए हैं, जबकि 19099.59 हेक्टेयर फसल क्षेत्र को नुकसान पहुंचा है। कई जिलों में बाढ़ के पानी से तटबंध, सड़कें, पुल और अन्य सार्वजनिक अवसंरचनाएं क्षतिग्रस्त हो गयी हैं। ब्रह्मपुत्र नदी निमाटीघाट में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है, जबकि उसकी सहायक नदियां खोवांग में बूढ़ीदिहिंग, शिवसागर में दिखौ, नांगलामुराघाट में दिसांग और नुमालीगढ़ में धनसिरी भी खतरे के स्तर से ऊपर बह रही हैं। इस बीच मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने बताया कि ऊपरी असम के कई जिलों में फंसे हुए लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए भारतीय सेना को तैनात किया गया है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने शिवसागर, चराईदेव, जोरहाट, गोलाघाट जिले के बाढ़ प्रभावितों की मदद के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किया है। शिवसागर जिले के लिए 84718 64355, जोरहाट जिले के लिए 0376-2300124, चराईदेव जिले के लिए 90854 12180 और गोलाघाट जिले के लिए 93949 85421 नंबर पर फोन कर मदद मांग सकते है। इसके अलावा प्रभावित 1077 नंबर पर भी फोन कर मदद मांग सकते हैं। आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार बूढ़ीदिहिंग चेनीमारी में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। राज्य के आठ जिले धेमाजी, डिब्रूगढ़, चराईदेव, तिनसुकिया, लखीमपुर, शिवसागर, उदालगुड़ी और जोरहाट जिले के 22 राजस्व चक्र के 298 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। कुल 57,199 लोग बाढ़ से प्रभावित हुए है, जिसमें 22,682 पुरुष, 20,893 महिला और 13,624 बच्चे शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि राहत और बचाव कार्यों की निगरानी के लिए चार मंत्रियों को प्रभावित इलाकों में भेजा गया है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के अनुसार इस साल आयी बाढ़ में अब तक पांच लोगों की मौत हो चुकी है। प्राधिकरण ने शेष पृष्ठ आठ पर

सिक्किम में भूस्खलन के बाद निर्माणाधीन सुरंग में फंसे 12 मजदूर

गंगटोक, 20 जुलाई (भा)। सिक्किम के नामची जिले में आज दोपहर को भूस्खलन के कारण एक निर्माणाधीन सड़क सुरंग का प्रवेश द्वार बंद हो गया, जिससे उसके भीतर कम से कम 12 मजदूर फंस गये। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि भूस्खलन के कारण समरदुंग सुरंग के अंदर संदिग्ध गैस रिसाव भी हुआ है। इसने बताया कि ऐसा माना जा रहा है कि भूस्खलन के कारण भूमिगत परतों या चट्टानों की संरचना में हलचल होने से यह गैस प्राकृतिक रूप से निकल रही है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), एसडीआरएफ, पुलिस और अग्निशमन तथा आपातकालीन सेवाओं की टीम बचाव अभियान संचालित कर रही हैं। अधिकारी ने कहा कि बचाव अभियान जारी है, लेकिन सुरंग के भीतर गैस की मौजूदगी के शेष पृष्ठ आठ पर

त्रिपुरा पुलिस प्रमुख अनुराग धनखड़ अपने दफ्तर में मृत मिले

अगरतला, 20 जुलाई (भा)। त्रिपुरा के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग धनखड़ आज यहां पुलिस मुख्यालय स्थित अपने कार्यालय में मृत मिले। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। गोविंद बल्लभ पंत अस्पताल के मेडिसिन विभाग के प्रमुख डॉ. प्रदीप भौमिक ने बताया कि पुलिस महानिदेशक को दोपहर करीब 12 बजे अस्पताल लाया गया। भौमिक ने कहा कि उन्हें 12.48 बजे मृत घोषित कर दिया गया। उन्होंने कहा कि मृत्यु का कारण पोस्टमॉर्टम के बाद ही पता चलेगा। धनखड़ 1994 बैच के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी थे। उनके परिवार में पत्नी और एक बेटी हैं। मुख्य सचिव जेके सिन्हा, स्वास्थ्य सचिव किरण गित्ते और सरकार के अन्य शीर्ष अधिकारी शेष पृष्ठ आठ पर

डब्ल्यूटीओ में भारत की व्यापार नीति समीक्षा बैठक में भाग लेंगे वाणिज्य सचिव

नयी दिल्ली, 20 जुलाई (भा)। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल के नेतृत्व में एक आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में भारत की आठवीं व्यापार नीति समीक्षा बैठक में भाग लेगा। यह बैठक 21 और 23 जुलाई को जिनेवा में आयोजित होगी। वाणिज्य मंत्रालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा कि व्यापार नीति समीक्षा (टीपीआर) डब्ल्यूटीओ के तहत एक महत्वपूर्ण पारदर्शिता तंत्र है। इसके तहत किसी सदस्य देश की व्यापार नीतियों की व्यापक समीक्षा की जाती है, जिसमें सीमा संबंधी और आंतरिक उपायों सहित विभिन्न पहलुओं का मूल्यांकन शेष पृष्ठ आठ पर

नेपाल सरकार ने नये डिजाइन के एक रुपये के सिक्के को दी मंजूरी

काठमांडू, 20 जुलाई (भा)। नेपाल सरकार ने एक रुपये के नये डिजाइन वाले सिक्के की मंजूरी दे दी है। इस नये सिक्के पर नेपाल के उस विवादित मानचित्र की जगह एक मठ की तस्वीर होगी, जिसमें लिम्पियाधुरा, लिपुलेख और कालापानी को नेपाल का हिस्सा दिखाया गया था। नेपाल का दावा है कि लिपुलेख और कालापानी उसके क्षेत्र हैं, जबकि भारत का कहना है कि ये इलाके उसके हैं। नेपाल में तत्कालीन केपी ओली सरकार ने मई 2020 में कालापानी शेष पृष्ठ आठ पर

अरुणाचल के पूर्वी सियांग में एक व्यक्ति लापता

ईटानगर, 20 जुलाई (भा)। अरुणाचल प्रदेश के चार जिलों में भारी बारिश के कारण आज बाढ़ और भूस्खलन की हालिया घटनाएं हुईं। पूर्वी सियांग जिले में एक दिन पहले बाढ़ में बहे व्यक्ति की तलाश जारी है। बाढ़ और भूस्खलन से अब तक राज्य में सात लोगों की मौत, 29 लोग घायल और 25 जिलों के 1,49,378 लोग प्रभावित हुए हैं। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसईओसी) की आज शाम जारी रिपोर्ट के अनुसार पूर्वी सियांग, शेष पृष्ठ आठ पर

गुवाहाटी में बारिश की आशंका के बीच लोगों को सतर्क रहने की सलाह

गुवाहाटी, 20 जुलाई (भा)। गुवाहाटी में आज कई स्थानों पर भूस्खलन की घटनाएं हुईं। इस बीच प्राधिकारियों ने अगले 24 घंटों में शहर में और बारिश होने की चेतावनी जारी की है, जिससे स्थिति और बिगड़ने की आशंका है। कामरूप महानगर के जिला आयुक्त स्वप्निल पॉल ने बताया कि कम से कम पांच स्थानों पर भूस्खलन की सूचना मिली है। उन्होंने कहा कि हालांकि इसमें किसी के हताहत होने की अब तक कोई जानकारी नहीं है। शेष पृष्ठ आठ पर

जून 2026 तक यूपीआई से जुड़े 55.49 करोड़ उपयोगकर्ता

नयी दिल्ली, 20 जुलाई (भा)। सरकार ने आज संसद को बताया कि जून 2026 तक यूपीआई से करीब 55.49 करोड़ उपयोगकर्ता जुड़ चुके हैं। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) द्वारा संचालित भुगतान प्रणाली है, जिसे भुगतान और निपटान प्रणाली अधिनियम, 2007 के तहत अधिकृत किया गया है। उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 में यूपीआई के जरिए कुल 314 लाख करोड़ रुपये मूल्य के कुल 24,162 करोड़ लेन-देन हुए। मंत्री ने कहा कि एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (एनआईपीएल), एनपीसीआई की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है, जिसकी स्थापना अप्रैल 2020 में की गयी थी। इसका उद्देश्य विदेशी इकाइयों के साथ साझेदारी कर यूपीआई और रुपे कार्ड जैसी भुगतान प्रणालियों को अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि इससे भारतीय पर्यटकों और प्रवासी भारतीयों को अन्य देशों में भुगतान करने में आसानी होती है। साथ ही यह साझेदार देशों और कंपनियों को यूपीआई जैसी रियल-टाइम भुगतान प्रणालियां तथा रुपे जैसी घरेलू कार्ड सुविधाएं उपलब्ध करने में मदद करता है। चौधरी ने बताया कि यूपीआई लेन-देन को सुरक्षित और पारदर्शी बनाने के लिए सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और एनपीसीआई शेष पृष्ठ आठ पर

मुर्मू ने मोल्दोवा के कारोबारियों को भारत में निवेश के लिए किया आमंत्रित

किशनॉउ (मोल्दोवा), 20 जुलाई (भा)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को मोल्दोवा के कारोबारियों को भारत में व्यापार और निवेश के अवसर तलाशने के लिए आमंत्रित करते हुए कहा कि देश निवेश के लिए अनुकूल माहौल और व्यापक कारोबारी संभावनाएं उपलब्ध कराता है। यहां भारत-मोल्दोवा व्यापार मंच को संबोधित करते हुए मुर्मू ने कहा कि डिजिटल प्रौद्योगिकी, कृत्रिम मेधा (एआई), साइबर सुरक्षा, वित्तीय प्रौद्योगिकी, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, आधारभूत ढांचा, नवीकरणीय ऊर्जा, उन्नत विनिर्माण, लॉजिस्टिक, कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, औषधि, जैव प्रौद्योगिकी और स्वास्थ्य सेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच सहयोग की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय कंपनियां सौर ऊर्जा, बैटरी भंडारण, स्मार्ट ग्रिड, हरित हाइड्रोजन और अन्य स्वच्छ प्रौद्योगिकियों सहित नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में मोल्दोवा की विकास परियोजनाओं शेष पृष्ठ आठ पर

पेपर लीक-चढ़ावा चोरी पर लोस में हंगामा

रास में बोले खड़गे-जंतर मंतर पर लाठीचार्ज, छात्रों को मारने की कोशिश

नयी दिल्ली, 20 जुलाई (एजें)। संसद के मानसून सत्र में आज लोकसभा में नीट पेपर लीक और राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मुद्दों पर विपक्षी सांसदों ने जमकर हंगामा किया। विपक्षी सांसद स्पीकर ओम बिरला के आसन तक पहुंच गये। इस दौरान नारेबाजी भी की गई. इसके बाद सदन की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गयी। स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि नारेबाजी से सदन की मर्यादा नहीं बढ़ती। बिरला ने कहा कि सदन के अंदर सार्थक चर्चा होनी चाहिए। विपक्षी सांसद राम मंदिर चढ़ावा चोरी और नीट पेपर लीक पर चर्चा की मांग कर रहे थे। ओम बिरला ने कहा कि सभी को उचित नियमों के तहत मौका मिलेगा। सदन की मर्यादा बनाये रखें। नारेबाजी, तख्तियां लहराना उचित नहीं। विपक्षी सांसद स्पीकर आसन के पास जाकर नारेबाजी कर रहे थे। हंगामा सदन की कार्यवाही शुरू होते ही होने लगा। वहीं, राज्यसभा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जंतर मंतर पर लाठीचार्ज का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि ये स्टूडेंट्स के भविष्य का मामला है। हजारों बच्चे वहां पर आये हैं, वहां लाठीचार्ज हो गया है। सरकार छात्रों को मारने कोशिश कर रही है। सरकार उसे दबाने और कुचलने की कोशिश कर रही है। उनके इस बयान के बाद सदन में हंगामा होने लगा। सदन की कार्यवाही 12 बजे तक स्थगित कर दी गयी। खड़गे ने पहले ही कह दिया था कि मानसून सत्र में कांग्रेस पार्टी किन मुद्दों को उठाएगी। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस पार्टी और साझा विपक्ष जनता की आवाज बनकर मोदी सरकार से हर सवाल का जवाब मांगेगी। राम मंदिर में चंदा चोरी हो या फिर पेपर लीक हर मुद्दे पर हम सरकार से सवाल करेंगे। 2014 से अब तक 152 पेपर लीक हुए हैं, 25 बच्चों ने जान दी है। धर्मेंद्र प्रधान को बर्खास्त करना पड़ेगा। संसद के मानसून सत्र में सरकार कई अहम बिल पेश करने वाली है। परिसीमन से संबंधित बिल भी सरकार इस सेशन के दौरान ला सकती है। संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से 13 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान कई बिल पेश किये जाने हैं।

संसद सत्र से पहले बोले मोदी मैं नहीं कर रहा 56 साल के नौजवान की बात

नयी दिल्ली, 20 जुलाई (एजें)। संसद के मानसून सत्र शुरू होने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पिछले कुछ समय में देश ने अनेक सिद्धियां हासिल की हैं। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के इतर अंतरिक्ष के क्षेत्र में मिली कामयाबी भी अहम है। उन्होंने कहा कि शुभांशु शुक्ला अंतरिक्ष में एक नये सफर पर निकल पड़े हैं। स्काईरूट स्टार्टअप में काम करने वाली पूरी टीम की औसत उम्र सिर्फ 28 साल है। युवाओं ने शेष पृष्ठ आठ पर

15 वर्ष से कम आयु वाले बच्चों को सोशल मीडिया इस्तेमाल पर प्रतिबंध की तैयारी में फ्रांस

पेरिस, 20 जुलाई (एपी)। फ्रांस के सांसद 15 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने संबंधी विधेयक पर सहमति बनाने के प्रयास में जुटे हैं, ताकि इसे सितंबर में नये शैक्षणिक सत्र की शुरुआत से लागू किया जा सके। संसद के ग्रीष्मकालीन अवकाश से पहले इसके लिए समय तेजी से निकलता जा रहा है। नेशनल असेंबली के सात सदस्यों और सीनेट के सात सदस्यों की आज संयुक्त समिति की एक बैठक होनी है, जिसमें ऐसे समझौते पर पहुंचने का प्रयास किया जाएगा, जिस पर इस सप्ताह के अंत तक मतदान कराया जा सके। यूरोपीय आयोग ने पाया है कि विधेयक का नवीनतम मसौदा यूरोपीय संघ (ईयू) के कानून के पूरी तरह अनुरूप नहीं है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों इस प्रतिबंध के प्रबल समर्थक हैं। ऐसा माना जा रहा है कि अगले वर्ष उनके पद छोड़ने से पहले यह उनके कार्यकाल के अंतिम प्रमुख विधायी कदमों में से एक हो सकता है। नेशनल असेंबली और सीनेट के बीच प्रमुख मतभेद इस बात को लेकर है कि प्रतिबंध किन मंचों पर लागू होगा। नेशनल असेंबली ने सभी ऑनलाइन सोशल नेटवर्किंग सेवाओं पर प्रतिबंध लगाने के पक्ष में मतदान किया है, जबकि सीनेट केवल प्रतिबंधित मंचों की एक काली सूची तैयार करने के पक्ष में है। यह प्रतिबंध ऑनलाइन विश्वकोशों, शैक्षणिक या वैज्ञानिक निर्देशिकाओं तथा मुक्त स्रोत (ओपन-सोर्स) सॉफ्टवेयर के विकास और साझा करने वाले मंचों पर लागू नहीं होगा। इस विधेयक में उच्च माध्यमिक विद्यालयों में मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने का भी प्रावधान है। इसे यूरोपीय संघ के डिजिटल सर्विसेज एक्ट के शेष पृष्ठ आठ पर

पायलट संगठन ने की खाड़ी देशों के लिए उड़ानें निलंबन की मांग

मुंबई, 20 जुलाई (भा)। पायलट संगठन एएलपीए इंडिया ने पश्चिम एशिया में बिगड़ते सुरक्षा हालात के बीच आज सरकार से भारतीय एयरलाइन कंपनियों की दुबई एवं अबू धाबी सहित खाड़ी क्षेत्र के लिए उड़ानों को अस्थायी रूप से निलंबित करने की मांग की। इसके साथ ही भारतीय एयरलाइन पायलट संघ (एएलपीए इंडिया) ने कहा कि व्यापक सुरक्षा आकलन पूरा नहीं होने तक उड़ानों का यह निलंबन जारी रखा जाए। पायलट संगठन ने नागर विमानन मंत्रालय और नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) को लिखे पत्र में कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच हाल में फिर से शुरू हुए संघर्ष के बाद क्षेत्र में सुरक्षा स्थिति और बिगड़ गयी है। संगठन के अनुसार संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों में उड़ान भरने वाले नागरिक विमानों के कई जोखिमों का सामना करने की आशंका है, लिहाजा स्वतंत्र और व्यापक जोखिम आकलन किये जाने तक भारतीय एयरलाइंस की सभी वाणिज्यिक उड़ानों को प्रभावित खाड़ी गंतव्यों के लिए तत्काल प्रभाव से रोक दिया जाए। इसके साथ ही संगठन ने जोखिम कम करने के उपायों, एयरलाइंस शेष पृष्ठ आठ पर

कुछ राज्य एआईए की विशेष अदालतें स्थापन की दिशा में नहीं उठाये ठोस कदम

नयी दिल्ली, 20 जुलाई (भा)। उच्चतम न्यायालय ने आज इस बात पर नाखुशी जाहिर की कि कुछ राज्यों ने गंभीर अपराधों की सुनवाई के लिए राष्ट्रीय अभिकरण (एनआईए) की विशेष अदालतें स्थापित करने की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाये हैं। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी मोहना की पीठ ने कहा कि न्यायिक बुनियादी ढांचे को लेकर प्रगति के आधिकारिक दावों के बावजूद जमीनी हकीकत निराशाजनक बनी हुई है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि हमने पाया है कि कुछ राज्यों में विशेष एनआईए अदालतें की शेष पृष्ठ आठ पर

कौन बनेगा करोड़पति का 18वां सीजन 10 से होगा प्रसारित

नयी दिल्ली, 20 जुलाई (भा)। अभिनेता अमिताभ बच्चन द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले लोकप्रिय शो कौन बनेगा करोड़पति (केबीसी) का 18वां सीजन 10 अगस्त से सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव पर प्रसारित होगा। अमिताभ बच्चन ने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा कर इसकी घोषणा की। उन्होंने बताया कि इस बार शो की थीम सोचना पड़ेगा होगी। उन्होंने वीडियो पोस्ट के साथ लिखा कि कौन बनेगा करोड़पति 10 अगस्त से, रात नौ बजे, सिर्फ सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव पर। एक बयान के अनुसार सोचना पड़ेगा थीम इस बात पर जोर देती है कि आज के दौर में केवल जानकारी होना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसका सही ढंग से उपयोग करना अधिक महत्वपूर्ण है। बयान में कहा गया है कि रोजमर्रा की परिस्थितियों पर आधारित प्रचार फिल्मों के माध्यम से यह संदेश दिया गया है कि भले ही आज जानकारी तुरंत उपलब्ध हो और प्रौद्योगिकी ने सीखने के तरीके को बदल दिया हो, लेकिन वास्तव में महत्वपूर्ण यह है कि व्यक्ति आलोचनात्मक ढंग से सोच सके, जानकारी का विश्लेषण कर सके और बदलते समय के अनुरूप सार्थक ढंग से स्वयं को ढाल सके। अमिताभ बच्चन वर्ष 2000 से कौन बनेगा करोड़पति शो के प्रस्तोता रहे हैं। हालांकि वर्ष 2007 में प्रसारित शो के तीसरे सीजन को अभिनेता शेष पृष्ठ आठ पर

भारत को मिली पहली डेंगू वैक्सीन

4 से 60 साल तक के लोगों के लिए मंजूरी

नयी दिल्ली, 20 जुलाई (एजें)। भारत ने डेंगू की रोकथाम की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए अपनी पहली डेंगू वैक्सीन को मंजूरी दे दी है। ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया ने टाकेडा बायोफार्मास्यूटिकल्स इंडिया की इस वैक्सीन को बाजार में उतारने की अनुमति दी है। यह वैक्सीन 4 से 60 वर्ष की आयु के लोगों के लिए स्वीकृत की गयी है। इसकी खास बात यह है कि इसे लगवाने से पहले यह जांच कराने की जरूरत नहीं होगी कि व्यक्ति पहले कभी डेंगू से संक्रमित हुआ है या नहीं। यानी पहले डेंगू हो चुका हो या नहीं, दोनों ही स्थिति में पात्र लोग यह वैक्सीन लगवा सकते हैं। कंपनी के अनुसार वर्ष 2022 से अब तक 43 देशों में मंजूरी मिल चुकी है और दुनिया भर में इसकी 3.2 करोड़ (32 मिलियन) से अधिक खुराकें वितरित की जा चुकी शेष पृष्ठ आठ पर

पेज : 6 भारत-यूके सीईटीए : वादों को साकार करने का कदम

पेज : 8 चिराग पासवान ने पंजाब को बताया अपना ननिहाल

पेज : 9 निवेश प्रोत्साहन प्रयासों पर लगी राष्ट्रीय मुहर

प्रातः खबर
गुवाहाटी, मंगलवार, 21 जुलाई, 2026

सनातन पर अगर खतरा आएगा तो कोई बच नहीं पाएगा : योगी

बाराबंकी, 20 जुलाई (भा)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस की आलोचना करते हुए कहा कि अगर सनातन पर खतरा आएगा तो कोई बच नहीं पाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाराबंकी जिले में दरियाबाद और रामनगर विधानसभा क्षेत्रों की 542 करोड़ रुपये से अधिक की 82 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास करने के बाद आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा उज्ज्वल भविष्य सनानत की सुढ़ नींव पर निर्भर करेगा। सनातन सुरक्षित है तो हम सब सुरक्षित है। उन्होंने आगाह किया कि अगर सनातन पर कोई खतरा आएगा तो कोई बच नहीं पाएगा। ये जो बांटने वाले लोग हैं, सपा और कांग्रेस के नाम पर जितने भी नमूने हैं, याद करना जब आप पर संकट आता है तो इन सबकी बोलती बंद हो जाती है। योगी ने आरोप लगाया है कि ये लोग भले कुछ भी बोलें, लेकिन इनका वास्तविक चरित्र सनातन विरोधी है, इनके कार्य जनता के हक और विकास की परियोजनाओं पर डाका डालने जैसे हैं। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकारों पर जनता के पैसों के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए कहा कि याद करना पैसा आपका था, लेकिन वह पैसा कब्रिस्तान की चहारदीवारी पर खर्च होता था तथा महादेवा और अयोध्या समेत विरासत एवं आस्था के स्थानों के लिए पैसा नहीं मिलता था। उसको वे सांप्रदायिक कहते थे। उन्होंने सीधे सीधे आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस और सपा विरासत विरोधी और विकास की धुर विरोधी हैं। इनसे सतर्क रहेंगे तो हमेशा सुरक्षित रहेंगे। योगी ने आरोप लगाते हुए कहा कि कब्रिस्तान की चहारदीवारी बनाना उनके लिए धर्मनिरपेक्षता का एक मानक बन गया था, लेकिन कांवड़ यात्रा पर रोक, जन्माष्टमी के आयोजन को प्रतिबंधित करना, राम नवमी की शोभायात्रा को रोकना, दुर्गा पूजा के पंडालों को प्रतिबंधित करना, वे धर्मनिरपेक्षता का मानक मानते थे। मुख्यमंत्री ने चेतावनी देते हुए कहा कि हमें ऐसी धर्मनिरपेक्षता को उखाड़ फेंक कर सनातन की सुढ़ भूमि पर एक सुरक्षित भारत के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ना होगा। एक सुरक्षित भारत के लिए कार्य करना होगा। उन्होंने दावा किया कि जो लोग धर्मनिरपेक्षता के नाम पर सनातन को अपमानित करते थे, ये वही लोग थे जो एक ओर आपको पर्व और त्योहार पर अराजकता फैला कर अपमानित करते थे और दूसरी तरफ अपने गुर्गों से अवैध वसूली करवाते थे। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उन्होंने (विपक्षी दलों ने) कोई निवेश तो किया नहीं, क्योंकि अराजकता, कर्फ्यू और दंगे का माहौल बनाया। इसलिए उन्होंने गांव-गांव, शहर-शहर में कट्टा और बम बनाना शुरू कर दिया, जिससे व्यापारियों को लूटा जाता था और बहन-बेटी की इज्जत से खिलवाड़ किया जाता था। उन्होंने अपनी सरकार की उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि आज लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल बन रही है और उसे एक बार दागा जाता है तो पाकिस्तान और उसके आका की नींद उड़ जाती है। उन्होंने कहा कि आज ब्रह्मोस मिसाइल भी बन रही है और अब बेटियां भी सुरक्षित हैं तथा व्यापारी भी सुरक्षित हैं, बड़े-बड़े निवेश भी आ रहे हैं। योगी ने कहा कि मैंने पहले ही दिन कहा था कि सरकार भेदभाव नहीं करेगी और हर तबके के लिए बिना भेदभाव कार्य करेगी। लेकिन मैंने यह भी कहा था कि कोई उपद्रव करेगा, बेटियों और व्यापारियों की इज्जत से खिलवाड़ करेगा तो उसके लिए दो ही जगह होगी- जेल या जहन्नुम, तीसरी कोई जगह नहीं होगी। उन्होंने कहा कि उप्र के नौजवानों के सामने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने पहचान का संकट खड़ा किया था, लेकिन आज ऐसा कोई संकट नहीं है। पहचान का संकट खड़ा करने वाली यही समाजवादी पार्टी है, जो जाति को जाति से लड़वा रही थी और बेटी की सुरक्षा के लिए यही सपाई खतरा बने हुए थे। उस समय यह कहावत भी थी कि देख सपाई-बिटिया घबराई। मुख्यमंत्री ने बुजुर्गों युवाओं को सपा के लोगों की गुंडागर्दी, उपद्रव, डकैती, अराजकता, लूट के बारे में बताने की अपील की। योगी ने समाजवादी परिवार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि सैफई घराने ने जनता के पैसे पर लूट मचाई थी। उन्होंने कहा कि सपा जिस जय प्रकाश नारायण अंतर्राष्ट्रीय केंद्र को बना रही थी, उसकी कीमत 200 करोड़ थी, लेकिन 864 करोड़ रुपये खर्च होने के बावजूद भी वह इमारत अधूरी है।

गौरव गोगोई करेंगे बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा

गुवाहाटी, 21 जुलाई (ख.सं.)। प्रदेश कांग्रेस ने राज्य के विभिन्न शहरों, नगर निगमों और नगरपालिकाओं में पैदा हुई भीषण कृत्रिम बाढ़ व जलभराव की स्थिति का जायजा लेने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। प्रदेश अध्यक्ष और लोकसभा में विपक्ष के उपनेता गौरव गोगोई के निर्देश पर राज्य की सभी जिला समिति को अपने-अपने क्षेत्रों के प्रभावित शहरों का दौरा कर जमीनी जांच करने का आदेश जारी किया गया है। पार्टी के संगठन महासचिव रामन्ना बरुआ की ओर से जारी किये गये एक आधिकारिक बयान में सभी जिला अध्यक्षों को यह जरूरी निर्देश भेजा गया है। निर्देश के अनुसार, जिला समितियों को ब्लॉक कांग्रेस, युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस, एनएसयूआई, सेवा दल और पार्टी के अन्य प्रभागों के प्रतिनिधियों को शामिल कर संयुक्त रूप से यह सर्वेक्षण करना होगा। पार्टी के सदस्य हर वार्ड में जाकर स्थानीय वरिष्ठ नागरिकों, व्यापारियों, धार्मिक स्थलों की प्रबंधन समितियों और पीड़ित जनता से बातचीत कर जलभराव के मुख्य कारणों, दैनिक जीवन पर पड़े प्रभाव और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का व्यापक ब्योरा जुटाएंगे। केवल समस्या की जानकारी जुटाने तक ही सीमित न रहकर, बाढ़ और जलभराव से प्रभावित पीड़ित परिवारों के बीच आवश्यक राहत सामग्री वितरित करने की जिम्मेदारी भी जिला कांग्रेस अध्यक्षों को सौंपी गयी है। इस पूरे दौरे और राहत अभियान के बाद तस्वीरों सहित एक विस्तृत रिपोर्ट पार्टी मुख्यालय राजीव भवन को जल्द से जल्द भेजने के निर्देश दिये गये हैं। इस बीच, ऊपरी असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर होने के मद्देनजर गौरव गोगोई 21 जुलाई को दिल्ली से सीधे जोरहाट पहुंचेंगे। संसद के मानसून सत्र के व्यस्त कार्यक्रमों के बीच विपक्ष के उपनेता 21 और 22 जुलाई को जोरहाट तथा शिवसागर जिलों के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा कर स्थिति का जायजा लेंगे और इसके बाद 22 जुलाई की शाम को वापस नयी दिल्ली लौट जाएंगे।

पंचांग

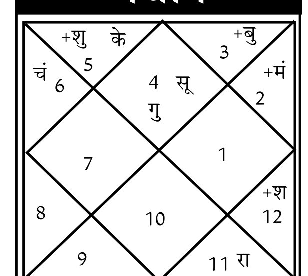

तिथि संवतः आषाढ़ शुक्ल पक्ष अष्टमी।

विक्रम संवत 2083 शाके 1948, सूर्य दक्षिणायन, ऋतु वर्षा, नव सवंत्सर (रौद्र) तारीख 21 जुलाई मंगलवार ।

सूर्योदयकालीन नक्षत्र : चित्रा रात्रि 8.24 तक रहेगा तदुपरांत स्वाति नक्षत्र रहेगा।

योग :- सिद्ध। करण :- विष्टि सायंकाल 4.34 तक तदुपरांत बव करण रहेगा।

ग्रह विचार : (प्रातः 4.39) सूर्य-कर्क, चंद्र-कन्या प्रातः 7.53 तक इसके बाद तुला राशि में प्रवेश, मंगल-वृष, बुध-मिथुन, गुरु-कर्क, शुक्र-सिंह, शनि-मीन, राहु-कुंभ, केतु-सिंह राशि में स्थित है।

राहुकाल : अपराह्न 3.00 बजे से 4.30 बजे तक रहेगा।

सूर्योदय: 4.39 बजे सूर्यास्त 6.18 बजे।

ज्योतिर्विद विकास तिवाड़ी
गुवाहाटी मो.9529781915।

बिहार : विधानसभा के पटल पर रखे गये 10 संशोधन विधेयक

पटना, 20 जुलाई (भा)। बिहार विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन आज राज्य सरकार ने उच्च शिक्षा, स्वास्थ्य, भूमि, कराधान, शहरी विकास और कारोबार सुगमता से जुड़े 10 महत्वपूर्ण संशोधन विधेयकों को सदन के पटल पर रखा। इन विधेयकों में विभिन्न कानूनों में संशोधन के साथ कुछ नये प्रावधान भी प्रस्तावित किये गये हैं। सदन में पेश किये गये विधेयकों में बिहार निजी विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2026, बिहार नर्सेज पंजीकरण (संशोधन) विधेयक, 2026, बिहार चिकित्सा (संशोधन) विधेयक, 2026, बिहार कृषि भूमि (गैर-कृषि प्रयोजनों के लिए सम्परिवर्तन) (निरसन) विधेयक, 2026 शामिल हैं। इनके अलावा बिहार भूमि दाखिल-खारिज (संशोधन) विधेयक, 2026, निबंधन अधिनियम, 1908 (बिहार संशोधन) विधेयक, 2026, भारतीय स्टाम्प (बिहार संशोधन) विधेयक, 2026, बिहार जुआ (प्रतिषेध) विधेयक, 2026, बिहार माल और सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2026, बिहार नगर विकास विधेयक, 2026 तथा बिहार ईज ऑफ डूइंग बिजनेस विधेयक, 2026 भी सदन के पटल पर रखे गये। सदन में इन विधेयकों पर चर्चा के बाद आगे की विधायी प्रक्रिया पूरी की जाएगी। सरकार का कहना है कि प्रस्तावित संशोधनों का उद्देश्य शिक्षा, स्वास्थ्य, भूमि प्रशासन, राजस्व व्यवस्था, शहरी विकास तथा निवेश-अनुकूल वातावरण को मजबूत बनाना है। बिहार भूमि दाखिल-खारिज (संशोधन) विधेयक, 2026 में भूमि के दाखिल-खारिज से संबंधित प्रत्येक याचिका, अपील के ज्ञापन और पुनरीक्षण आवेदन पर 200 रुपये शुल्क लगाने का प्रावधान किया गया है। विधेयक के अनुसार, वर्तमान में बिहार भूमि दाखिल-खारिज अधिनियम के तहत दाखिल-खारिज से संबंधित याचिका, अपील अथवा पुनरीक्षण आवेदन पर न्यायालय शुल्क स्टाम्प लगाने का प्रावधान है, लेकिन अलग से कोई निर्धारित शुल्क नहीं है। सरकार का कहना है कि लोक कल्याणकारी राज्य की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए राजस्व बढ़ाना आवश्यक है। विधेयक के कानून बनने के बाद भूमि अथवा भू-खंड के दाखिल-खारिज से संबंधित प्रत्येक याचिका, अपील के ज्ञापन और पुनरीक्षण आवेदन पर 200 रुपये शुल्क लिया जाएगा। राज्य सरकार विशेष अथवा सामान्य आदेश के माध्यम से समय-समय पर इस शुल्क में संशोधन भी कर सकेगी। सरकार ने बिहार कृषि भूमि (गैर-कृषि प्रयोजनों के लिए सम्परिवर्तन) (निरसन) विधेयक, 2026 भी सदन में पेश किया, जिसके माध्यम से बिहार कृषि भूमि (गैर-कृषि प्रयोजनों के लिए सम्परिवर्तन) अधिनियम, 2010 को निरस्त करने का प्रस्ताव किया गया है। सरकार ने निबंधन अधिनियम, 1908 (बिहार संशोधन) विधेयक, 2026 भी पेश किया, जिसके तहत भूमि के उपयोग, प्रकृति अथवा श्रेणी में परिवर्तन से संबंधित रूपांतरण (सम्परिवर्तन) दस्तावेज को निबंधन अधिनियम की धारा 17 के तहत अनिवार्य रूप से पंजीकरण योग्य दस्तावेजों में शामिल करने का प्रस्ताव किया गया है। सरकार ने इसके अलावा भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (बिहार संशोधन) विधेयक, 2026 भी सदन में पेश किया।

दिलीप सैकिया के निर्देश पर मैदान में उतरे भाजपा कार्यकर्ता

गुवाहाटी, 21 जुलाई (ख.सं.)। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और सांसद दिलीप सैकिया के आदेश पर अमल करते हुए तीन बाढ़ प्रभावित जिलों में पार्टी कार्यकर्ता अपने-अपने जिलाध्यक्षों और जिला प्रभारियों के नेतृत्व में राहत सामग्री बांटने और प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में प्रशासन की सक्रियता से मदद कर रहे हैं। संसद के मानसून सत्र में व्यस्तता के बावजूद दिलीप सैकिया नयी दिल्ली से ही बाढ़ प्रभावित जिलों के लिए तैनात मंत्रियों और वरिष्ठ जिला अधिकारियों से लगातार संपर्क में हैं और बचाव कार्यों तथा राहत वितरण की निगरानी कर रहे हैं। शिवसागर जिले के नजीरा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत बाढ़ से सबसे ज्यादा प्रभावित चांतक और गरमुड़ इलाकों में जिला प्रभारी लक्ष्य कुंवर और जिलाध्यक्ष बितोपन रायडोंगिया की देखरेख में भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के सौ से अधिक कार्यकर्ताओं ने चौबीसों घंटे चलने वाले राहत शिविर लगाये हैं। ये कार्यकर्ता प्रशासन के साथ तालमेल बिठाकर पीड़ितों तक जरूरी सामान पहुंचाने और हर संभव सहायता देने में दिन-रात जुटे हैं। इसी तरह चराईदेव और जोरहाट जिलों में भी सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता लगातार प्रभावित क्षेत्रों में डटे हैं और प्रशासन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रहे हैं, ताकि हर पीड़ित परिवार तक समय पर सहायता पहुंच सके।

पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन ने बाढ़ प्रभावितों की मदद की अपील की

गुवाहाटी, 20 जुलाई (ख.सं.)। पूर्वोत्तर के अनेक राज्य वर्तमान में भीषण बाढ़ की चपेट में हैं। विशेष रूप से ऊपरी असम में आई बाढ़ ने जनजीवन को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। हजारों परिवार अपने घरों से विस्थापित हो चुके हैं तथा अनेक स्थानों पर भोजन, पेयजल, दवा एवं सुरक्षित आश्रय जैसी मूलभूत आवश्यकताओं का भी अभाव है। ऐसी विषम परिस्थितियों में पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन समाज के सभी बंधुओं, सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं, शाखाओं तथा सेवा संगठनों से मानवीय संवेदनाओं के साथ आगे आकर राहत एवं सेवा कार्यों में सक्रिय सहभागिता निभाने की भावपूर्ण अपील करता है। सम्मेलन ने विशेष रूप से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के समीप स्थित समाज के सार्वजनिक भवनों, धर्मशालाओं, ठाकुरबाड़ियों, सामुदायिक भवनों एवं अन्य उपलब्ध परिसरों को अस्थायी आश्रय के रूप में खोलने का आग्रह किया है, ताकि संकटग्रस्त परिवारों को सुरक्षित ठहरने का स्थान उपलब्ध कराया जा सके। साथ ही सक्षम समाजबंधुओं से खाद्य सामग्री, पेयजल, दवाइयां, वस्त्र, स्वच्छता सामग्री तथा अन्य आवश्यक राहत सामग्री उपलब्ध कराने एवं आर्थिक सहयोग के लिए भी आगे आने का अनुरोध किया गया है। पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन ने आश्वस्त किया है कि गुवाहाटी सहित विभिन्न नगरों के समाजबंधु तन, मन एवं धन से हरसंभव सहयोग के लिए तैयार हैं। जहां कहीं भी सहायता की आवश्यकता होगी, सम्मेलन पूरी प्रतिबद्धता के साथ सहयोग हेतु उपस्थित रहेगा।

ईएसआईसी अस्पताल प्रबंधन ने मरीज व परिजन से मारपीट पर जताया दुख

गुवाहाटी, 21 जुलाई (ख.सं.)। महानगर के बेलतला स्थित ईएसआईसी चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल प्रबंधन ने परिसर के भीतर सुरक्षाकर्मियों द्वारा एक मरीज और उनके परिजन के साथ की गयी मारपीट की दुर्भाग्यपूर्ण घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। अस्पताल प्रशासन ने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए उन्हें हर संभव मदद का भरोसा दिया है। घटना के तुरंत बाद कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपी सुरक्षा गार्डों को पुलिस को सौंप दिया गया है। मामले की निष्पक्ष जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया गया है, जबकि संबंधित निजी सुरक्षा एजेंसी के खिलाफ भी सख्त कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गयी है। अस्पताल अधिकारियों ने घटना की सीसीटीवी फुटेज पुलिस को सौंपकर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है और यह स्पष्ट किया है कि घायलों के इलाज का सारा खर्च अस्पताल प्रशासन खुद उठाएगा। भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए परिसर में सुरक्षा नियमों को कड़ा कर निगरानी बढ़ा दी गयी है। इसके साथ ही अस्पताल प्रशासन ने आम लोगों और लाभार्थियों से अपील की है कि किसी भी समस्या या शिकायत की स्थिति में वे सीधे संबंधित अधिकारियों से संपर्क करें।

पूर्वोत्तर के 471 केंद्रों पर आज से होंगी असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति की परीक्षाएं

गुवाहाटी, 21 जुलाई (ख.सं.)। असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति द्वारा संचालित परिचय से लेकर प्रवीण तक की राष्ट्रभाषा परीक्षाएं घोषित कार्यक्रम के अनुसार कल से आयोजित की जाएंगी। समिति के मंत्री डॉ. क्षीरदा कुमार सैकिया ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि ये परीक्षाएं सुबह 9 बजे से असम सहित पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र के लगभग 471 परीक्षा केंद्रों पर एक साथ शुरू होंगी।

कठुआ में दो मादक पदार्थ तस्करों के मकान किये गये ध्वस्त

जम्मू, 20 जुलाई (भा)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में आज नागरिक प्रशासन और पुलिस के एक संयुक्त अभियान में ड्रग तस्कर होने के आरोपी दो भाइयों के दो आवासीय मकानों और एक गौशाला को ध्वस्त कर दिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 3.5 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की ये इमारतें गुलजार उर्फ दाऊ और उसके भाई फरमान अली ने मरहीन तहसील के सपराल पैन गांव में सरकारी भूमि पर अवैध रूप से निर्मित की थीं। उन्होंने कहा कि दोनों आरोपी कथित तौर पर मादक पदार्थों की तस्करी और अन्य आपराधिक गतिविधियों से संबंधित कई प्राथमिकी में नामजद हैं। प्रवक्ता ने बताया कि प्रशासन द्वारा मादक पदार्थों के खतरे के खिलाफ चलाए जा रहे निरंतर अभियान के तहत नागरिक और पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में यह ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गयी। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई स्पष्ट संदेश देती है कि मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त किसी भी व्यक्ति को स्वापक औषधि और मन:प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) से जुड़े अपराधों से अर्जित धन का इस्तेमाल कर अतिक्रमित सरकारी भूमि पर अवैध निर्माण करने और उससे लाभ उठाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। प्रवक्ता ने कहा कि जिला प्रशासन और कठुआ पुलिस ने जिले को नशा मुक्त बनाने की अपनी ढ़ प्रतिबद्धता दोहराई है।

गुवाहाटी में सोमवार को माधव देव नगर में भूस्खलन के बाद का दृश्य।

मनेर में पासपोर्ट कार्यालय व डाकघर को बम से उड़ाने की धमकी फर्जी निकली

पटना, 20 जुलाई (भा)। बिहार के पटना जिले में मनेर स्थित पासपोर्ट कार्यालय और डाकघर भवन को बम से उड़ाने की धमकी भरा ईमेल मिलने के बाद आज सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गयी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (पश्चिम) संकेत कुमार ने भाषा को बताया कि पटना के मनेर स्थित पासपोर्ट कार्यालय को सोमवार दोपहर करीब एक बजे ईमेल के माध्यम से परिसर में बम रखे होने की धमकी मिली। अधिकारियों ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। ईमेल में कार्यालय परिसर में बम लगाये जाने का दावा किया गया था, जिसके बाद तत्काल सुरक्षा उपाय किये गये। उन्होंने बताया कि पूरे भवन को खाली करा लिया गया और परिसर की गहन तलाशी ली गयी, लेकिन अब तक कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। संकेत कुमार ने बताया कि प्रथम द्दष्टया धमकी भरा ईमेल फर्जी प्रतीत होता है हालांकि सुरक्षा जांच अब भी जारी है। उन्होंने बताया कि ईमेल भेजने वाले का पता लगाने के लिए उसके स्रोत और आईपी एड्रेस की जांच की जा रही है। इस

प्रीमियम फोन की मांग बढ़ने से घरेलू मोबाइल विनिर्माण को मिलेगी तेजी : आईटी सचिव

नयी दिल्ली, 20 जुलाई (भा)। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सचिव एस. कृष्णन ने सोमवार को कहा कि प्रीमियम स्मार्टफोन की बढ़ती मांग देश में मोबाइल फोन के उत्पादन और निर्यात को गति देगी जो कि उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के लक्ष्यों के अनुरूप होगा। कृष्णन ने भाषा के साथ बातचीत में कहा कि आने वाले समय में प्रीमियम मोबाइल फोन की तरफ रुझान बढ़ेगा, जिससे न केवल उच्च श्रेणी के फोन की मांग बढ़ेगी, बल्कि इनके निर्यात में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उद्योग विशेषज्ञों द्वारा मोबाइल फोन की बिक्री मात्रा में गिरावट की आशंका जताने के बावजूद सरकार ने 62,500 करोड़ रुपये की मोबाइल फोन विनिर्माण योजना (एमपीएमएस) के तहत घरेलू स्मार्टफोन उत्पादन को लगभग 11.5 लाख करोड़ रुपये से बढ़ाकर 39 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। इसके साथ ही, पीएलआई योजना के तहत निर्यात को 7.5 लाख करोड़ रुपये से दोगुना कर 15 लाख करोड़ रुपये करने का अनुमान है। कृष्णन ने कहा कि भारत में उत्पादन केवल मूल्य के आधार पर ही नहीं, बल्कि विनिर्माण के वैश्विक केंद्रों में बदलाव के कारण मात्रा के लिहाज से भी बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि कई कंपनियां अपने उत्पादन ठिकानों में बदलाव कर सकती हैं, जिससे भारत को लाभ होगा। वर्तमान में एप्पल, सैमसंग, वीवो, ओप्पो और गूगल जैसे प्रमुख ब्रांड भारत में मोबाइल फोन का निर्माण कर रहे हैं। सरकार इस योजना के तहत एक घरेलू मोबाइल ब्रांड विकसित करने पर भी काम कर रही है और कंपनियों के अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रमों पर तीन प्रतिशत तक प्रोत्साहन दे रही है।

जौहर विवि भवनों के ध्वस्तीकरण से हजारों छात्रों का भविष्य प्रभावित होगा, सरकार पुनर्विचार करे : मदनी

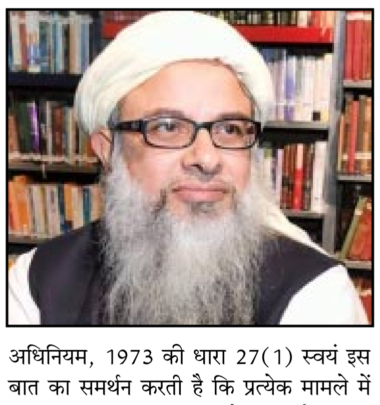

नयी दिल्ली, 20 जुलाई (भा)। जमीयत उलेमा-ए-हिन्द (एमएम) के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी ने रामपुर स्थित मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय की 38 इमारतों को ध्वस्त किये जाने संबंधी आदेश पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए आज कहा कि इस कार्रवाई से हजारों छात्रों के शैक्षिक भविष्य, उनके मौलिक अधिकारों तथा देश की शैक्षिक एवं बौद्धिक पूंजी को अपूरणीय क्षति पहुंचेगी। संगठन की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक, मदनी ने कहा कि यह मामला कानून के शासन, प्राकृतिक न्याय और संवैधानिक दायित्व से सीधे जुड़ा है। राज्यसभा के पूर्व सदस्य ने कहा कि यदि किसी निर्माण में नियमों का उल्लंघन सिद्ध भी हो जाए, तब भी ध्वस्तीकरण हमेशा एकमात्र या अनिवार्य विकल्प नहीं होता है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश शहरी नियोजन एवं विकास अधिनियम, 1973 की धारा 27(1) स्वयं इस बात का समर्थन करती है कि प्रत्येक मामले में ध्वस्तीकरण आवश्यक नहीं है। यदि कोई भवन मूल भूमि उपयोग अथवा मास्टर प्लान के प्रतिकूल नहीं है, तो विकास प्राधिकरण संशोधित नक्शे की स्वीकृति, नियमितीकरण, विकास शुल्क, आर्थिक दंड के माध्यम से मामले का विधिसम्मत समाधान कर सकता है। मदनी ने उत्तर प्रदेश सरकार से फैसले पर पुनर्विचार करने की गुजारिश करते हुए कहा कि देश के विभिन्न विकास प्राधिकरण वर्षों से इस तरह के मामलों में वैकल्पिक कानूनी उपाय अपनाते रहे हैं और किसी भी शैक्षणिक संस्थान के मामले में ध्वस्तीकरण से पहले इन सभी विकल्पों पर गंभीरतापूर्वक विचार करना न्याय, कानून और जनहित की मूल आवश्यकता है। बयान के मुताबिक, मदनी ने कई न्यायिक मिसालों का भी हवाला दिया, जिनमें कानपुर के रूमा औद्योगिक क्षेत्र में एक इंजीनियरिंग कॉलेज और वाराणसी, झांसी और इलाहाबाद विकास प्राधिकरणों से जुड़े मामले शामिल हैं। इनमें अदालतों ने तत्काल विध्वंस के बजाय नियमितीकरण, जुर्माना और अन्य वैधानिक सुधारात्मक उपायों का समर्थन किया था। मदनी ने उत्तर प्रदेश सरकार से मांग की कि वह इस संवेदनशील मामले में अपने संवैधानिक दायित्व और कानूनी विवेक का परिचय दे ताकि एक ओर कानून का पालन सुनिश्चित हो और दूसरी ओर हज़ारों छात्रों का शैक्षिक भविष्य तथा देश की यह महत्वपूर्ण शैक्षिक धरोहर सुरक्षित रह सके। रामपुर विकास प्राधिकरण (आरडीए) ने समाजवादी पार्टी के नेता आजम खान द्वारा स्थापित मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय की 38 इमारतों को यह कहते हुए ध्वस्त करने का आदेश दिया है कि इनका निर्माण भवन योजना की मंजूरी के बिना किया गया था। विश्वविद्यालय ने तर्क दिया कि जब इमारतों का निर्माण किया गया था तब यह क्षेत्र आरडीए के अधिकार क्षेत्र से बाहर था, लेकिन प्राधिकरण ने इस तर्क को खारिज कर दिया।

प्यार, इंतजार और जज्बातों की संगीतमय यात्रा की हुई शुरुआत

दिल्ली, 20 जुलाई। मुंबई की इंडी-पॉप जोड़ी खोसला-रघु ने अपनी बहुप्रतीक्षित पांच गीतों वाली एल्बम आरजू का पहला गीत बेवजह रिलीज कर दिया है। यह गीत प्यार की शुरुआती भावनाओं, बेचैनी और किसी के ख्यालों में खो जाने के एहसास को खूबसूरती से बयां करता है। कंटेम्पररी पॉप और हल्के रॉक के मेल से तैयार यह गीत एल्बम आरजू की शुरुआत है, जिसमें प्यार, इंतजार, दिल टूटने, उम्मीद और नये रिश्तों की भावनाओं को समेटे कुल पांच गीत शामिल हैं। एल्बम के अन्य गीत मिले जो सुकून, हौसले, नैना सावन और तेरी आदतें भी प्रेम के अलग-अलग रंगों को दर्शाते हैं। खोसला-रघु ने कहा कि बेवजह उस एहसास की कहानी है, जब कोई बिना कहे आपकी पूरी दुनिया बन जाता है। उन्होंने बताया कि गीत में दिल्ली के सुहैल द्वारा बजायी गयी सितार की धुन ने इसकी भावनात्मक गहराई को और बढ़ाया है। ऋषभ रघुवंशी और संचित खौसला की जोड़ी खोसला-रघु अपने लोकप्रिय गीत बरसे मोरे नैना, दूरियां और नाकाबिल के लिए जानी जाती है। उनका कहना है कि आरजू केवल एक संगीत एल्बम नहीं, बल्कि उन यादों और एहसासों का संग्रह है, जो लंबे समय तक श्रोताओं के दिलों में बसे रहेंगे।

CLASSIFIED
NAME CHANGE
I, Vinita Singh, wife of Daya Shankar Singh resident of Vill: Newada Teh: Chandauli Dist: Chandauli State: Uttar Pradesh PIN: 232110 have changed my name from Vinita Singh to Vineeta Singh vide affidavit dated 4/7/2026 before Notary Amingaon, Assam.

स्वत्वाधिकारी प्रातः खबर मीडिया प्राइवेट लिमिटेड, खबर बिल्डिंग, दूसरा तल्ला, साइकिल फैक्ट्री, कालापहाड़, गुवाहाटी- 781016 के लिए **श्याम सुंदर लाटा** द्वारा प्रकाशित तथा उनके लिए पीजी इंडिया लिमिटेड, मिनी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 (असम) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
E-mail : pratahkhabar5@gmail.com, pratah_khabar@yahoo.com, **दूरभाष+फैक्स** : 0361-2492131, **मो. :** 091270-70355, **जोरहाट कार्यालय** : 0376-2370042, **फैक्स :** 0376-2370043, **E-mail :** pkhabarjrt@gmail.com
एडिटर इन चीफ : चंद्रप्रकाश शर्मा
*प्रकाशन से उत्पन्न सभी विवाद गुवाहाटी न्यायालय के अधीन।
संपादक : परमेश्वर सिंह

नमस्कार गुवाहाटी

मंगलवाणी

हर दुख किसी बड़े सुख की ओर जाने का मार्ग होता है।

- श्री कृष्ण

प्रातः खबर

मंगलवार, 21 जुलाई, 2026

मौसम

अधिकतम 29
न्यूनतम 25

Ph. : 2548109, 2730431
L. GOPAL JEWELLERS
9-11-14, Kuber A.C. Market Guwahati - 781001
शुद्ध चांदी के बर्तनों एवं शुद्ध चांदी की सिल्ली व चांदी के सिक्कों का एकमात्र विश्वसनीय प्रतिष्ठान
22/22 KDM Gold Jewellery, Hallmark Gold Jewellery Branded Diamond Jewellery.

0361-2601385
9678211156
D. M. Jeweller's
(As You Like We are)
7/8 (L) Akram's Business Fancy Bazar, Guwahati-1
शुद्ध सील चांदी के बर्तन एवं असली सिक्कों का प्रतिष्ठित स्थान
We also deal in 22/22 KDM hallmark Jewelleries

कृत्रिम बाढ़ ने थामी गुवाहाटी की रफ्तार

मालीगांव में भूस्खल से एक ही परिवार के 4 सदस्य घायल

गुवाहाटी, 20 जुलाई (ख.सं.)। राज्य के साथ-साथ गुवाहाटी में भी प्रकृति ने कहर बरपाया है। मुसलाधार बारिश के बाद कृत्रिम बाढ़ और लैंडस्लाइड ने लोगों को डरा किया है। शहर का ऐसा एक भी इलाका नहीं हो जो जलजमाव से प्रभावित नहीं है। चाहे वह रुक्मिणीगांव हो या फिर हातीगांव, मालिगांव, बोरागांव, लोखरा, जालुकबाड़ी, अनिल नगर, नवीन नगर, ज्योतिकुची, काहिलीपाड़ा, डाउनटाउन, जुरीपार, जोराबाट, वीआईपी रोड, नूनमाटी, चांदमारी सहित शहर के अधिकांश इलाकों में जलजमाव की स्थिति थी। सुबह तक सभी इलाकों में बारिश का पानी सड़कों और लोगों के घरों में घुसा हुआ था। इस बार बारिश ने तो भगवान को भी नहीं छोड़ा। वशिष्ठ मंदिर और भीमाशंकर ज्योतिर्लींग को भारी बारिश के बाद आ कुछ घंटों के लिए भक्तों के लिए बंद कर दिया गया। अनुमन सोमवार को भीमाशंकर ज्योतिर्लींग में भारी भीड़ होती है, लेकिन आज बारिश के वजह से कुछ घंटों के लिए भक्तों को बाबा भोले नाथ के दर्शन और पूजा नहीं करने दिया गया। मंदिर परिसर के चारों तरफ बारिश का पानी आ रहा था। इधर मालिगांव सहित शहर के कई पहाड़ी इलाकों में लैंडस्लाइड की सूचना है। लोगों ने कृत्रिम बाढ़ के लिए राज्य सरकार को जमकर कोशा। लोगों ने कहा कि भाजपा सरकार के 10 साल हो चुके है, लेकिन बाढ़ मुक्त गुवाहाटी के उनके वादे आज भी वादे ही है। बल्कि कृत्रिम बाढ़ ने पहले से अधिक भंयकर रुप ले लिया है। वहीं आपदा प्रबंधन विभाग ने गुवाहाटीवासियों को अगले 24 घंटे के लिए सावधान रहने की कहा है। क्षेत्रीय मौसम विभाग के चेतावनी का हवाला देते हुए विभाग ने कहा कि 19 जुलाई (कल) 6-12 सीएम बारिश हुई थी और अगले 24 घंटे में भी भारी बारिश होने की संभावना है। कई इलाकों में जलजमाव और लैंडस्लाइड होने की आशंका है, इसलिए लोग सावधान रहे।

वहीं दूसरी ओर महानगर के मालीगांव स्थित गोशाला के माधवदेव नगर में मुसलाधार बारिश के कारण एक भयानक भूस्खलन की घटना सामने आई है। पहाड़ से अचानक गिरे मलबे और मिट्टी ने एक पूरे परिवार को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में परिवार के चार सदस्य घायल हो गए हैं, जिन्हें तुरंत इलाज के लिए मालीगांव के रेलवे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गौरतलब है कि इससे पहले कल भी खारगुली इलाके में भूस्खलन की घटना घटी थी। गुवाहाटी में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के चलते महानगर के विभिन्न हिस्सों में भूस्खलन का खतरा बना हुआ है और कई जगहों पर ऐसी घटनाएं देखने को मिल रही हैं।

कामरूप प्रशासन का आपात स्थिति के लिए हेल्पलाइन नंबर घोषित

गुवाहाटी, 20 जुलाई (ख.सं.)। कामरूप महानगर जिले के गुवाहाटी राजस्व चक्र के अंतर्गत आने वाले कई पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन की घटनाओं को देखते हुए जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) द्वारा एक सार्वजनिक सूचना जारी की गयी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रशांत लॉज से आगे कामाख्या मुख्य मार्ग, गणेश मंदिर के पास कामाख्या कॉलोनी, पानी के टैंकर के पास पश्चिम कामाख्या गांव, पांडु मंदिर घाट और मालीगांव के माधवदेवनगर में भूस्खलन की सूचना मिली है। इन्हीं स्थितियों के मद्देनजर जिला प्रशासन ने आम जनता से जिले के पहाड़ी क्षेत्रों, खासकर मालीगांव और पांडु के आसपास के इलाकों में अनावश्यक यात्रा करने से बचने की अपील की है। इसके साथ ही कामाख्या मंदिर के मुख्य मार्ग पर बार-बार हो रहे भूस्खलन के कारण मंदिर की ओर जाने वाले यातायात को नियंत्रित किया जा सकता है, जिससे श्रद्धालुओं के दर्शन में देरी होने की संभावना है। जिला आयुक्त एवं डीडीएमए के अध्यक्ष स्वप्निल पॉल द्वारा जारी इस सूचना में बताया गया है कि बाढ़ या भूस्खलन के दौरान किसी भी आपात सहायता के लिए लोग डीडीएमए नियंत्रण कक्ष के नंबर 9365429314 पर संपर्क कर सकते हैं।

कछारी समाज का सरकार पर तीखा हमला

गुवाहाटी, 20 जुलाई (ख.सं.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के इस्तीफे की मांग को लेकर अखिल असम भूमिपुत्र आदिवासी कछारी समाज ने तीखा रुख अख्तियार किया है। कछारी समाज ने मुख्यमंत्री पर राज्य की जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के नाम पर झूठे आश्वासन देने और असम की भाषा, संस्कृति व भूमि की रक्षा करने में पूरी तरह विफल रहने का आरोप लगाया है। कछारी समाज के नेतृत्व का कहना है कि मुख्यमंत्री अब अपने पद पर बने रहने का नैतिक अधिकार खो चुके हैं, इसलिए उन्हें असम की जनता के हितों का सम्मान करते हुए तुरंत मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। संगठन के नेताओं ने एक बयान जारी कर आरोप लगाया कि विकास के खोखले दावों के बीच मुख्यमंत्री असम की भूमि को गिरवी रखकर हजारों करोड़ रुपये का कर्ज ले रहे हैं, जिसके कारण राज्य पर कर्ज का बोझ लगभग तीन लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। कछारी समाज ने चेतावनी दी कि आदिवासी कछारी समुदाय की इस मातृभूमि को मुख्यमंत्री की पैतृक संपत्ति नहीं बनने दिया जाएगा और कर्ज लेने का यह सिलसिला तुरंत बंद होना चाहिए। संगठन ने यह भी दावा किया कि आगामी 21 जुलाई को सरकार फिर से एक हजार करोड़ रुपये का कर्ज लेने जा रही है, जिसका इस्तेमाल अगले चुनावों में महिलाओं के वोट हासिल करने के लिए ओरुनोदोई योजना के नाम पर लाखों रुपये बांटने में किया जाएगा। उन्होंने असम की वर्तमान आर्थिक स्थिति को ऊपर से रंग-बिरंगा और अंदर से खोखला करार दिया। इसके अलावा कछारी समाज ने सरकार पर असम के प्राकृतिक संसाधनों, जंगलों और जनजातीय क्षेत्रों को सुरक्षा देने के बजाय उन्हें नष्ट करने का आरोप लगाया है। संगठन ने राज्य में बढ़ती महंगाई का मुद्दा उठाते हुए कहा कि पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा और सरकार ने विभिन्न कंपनियों व व्यापारिक प्रतिष्ठानों से कथित तौर पर भारी चंदा वसूला, जिसके कारण आज बाजार में जरूरी चीजों के दाम आसमान छू रहे हैं। बढ़ती महंगाई को काबू करने में नाकाम रहने पर भी मुख्यमंत्री के पद पर बने रहने पर सवाल उठाए गए हैं। कछारी समाज ने साफ तौर पर चेतावनी दी है कि असम की जनता को संकट में डालने का अधिकार किसी को नहीं है। अगर मुख्यमंत्री स्वेच्छा से इस्तीफा नहीं देते हैं, तो कछारी समाज अपनी मातृभूमि की सुरक्षा और अधिकारों की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जाकर तीव्र आंदोलन करने को मजबूर होगा।

टैक्सी संघ ने चलाया विशेष स्वच्छता अभियान

गुवाहाटी, 20 जुलाई (ख.सं.)। गुवाहाटी के लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल 2 के अराइवल पिकअप पॉइंट पर गुवाहाटी एयरपोर्ट टैक्सी संघ द्वारा एक विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान संघ की टीम ने अराइवल रैंप और पूरे पिकअप क्षेत्र की गहन सफाई की, जिससे यहां आने वाले यात्रियों और आगंतुकों के लिए एक स्वच्छ, सुंदर और स्वागत योग्य वातावरण तैयार करने में बड़ी मदद मिली है। यह साझा और सहयोगात्मक प्रयास यात्रियों को आगमन का एक सुखद अनुभव प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है, साथ ही यह एक विश्वस्तरीय हवाई अड्डे के रखरखाव में सामुदायिक भागीदारी के महत्व को भी मजबूत करता है। इस तरह की हर छोटी पहल हवाई अड्डे के माहौल को बेहतर बनाने में एक सार्थक बदलाव लाती है। स्वच्छ और अधिक यात्री-अनुकूल हवाई अड्डे की इस यात्रा में एक मूल्यवान भागीदार बनने और इस सराहनीय कार्य के लिए गुवाहाटी एयरपोर्ट टैक्सी संघ का तहे दिल से धन्यवाद व्यक्त किया गया है।

अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों की वैज्ञानिक सिफारिशों से ही थमेगा गुवाहाटी का जलभराव: एरिडा

गुवाहाटी, 20 जुलाई (ख.सं.)। असम रियल एस्टेट और आधारभूत संरचना डेवलपर्स संघ (एरिडा) के अध्यक्ष अभियंता पी. के. शर्मा ने कहा है कि गुवाहाटी की जलभराव और अचानक आने वाली बाढ़ की समस्या का समाधान सरकार द्वारा पूर्व में नियुक्त अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों की वैज्ञानिक सिफारिशों को धरातल पर उतारने में निहित है। उन्होंने स्पष्ट किया कि शहर के पास इस समस्या से निपटने के लिए पर्याप्त वैज्ञानिक ज्ञान पहले से मौजूद है। अब केवल मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति, संस्थागत समन्वय और इन सिफारिशों को तय समय सीमा के भीतर लागू करने की आवश्यकता है। शर्मा ने प्राकृतिक जल निकासी तंत्र को समझाते हुए कहा कि बारिश का पानी तीन तरीकों से संचित और प्रवाहित होता है भूमिगत जल को पुनर्भरण करने के लिए मिट्टी में रिसकर, प्राकृतिक नालों के जरिए नदियों में बहकर और आर्द्रभूमि में जमा होकर।हालांकि अतीत की त्रुटिपूर्ण मुख्य योजना और अनियंत्रित शहरीकरण ने इस प्राकृतिक संतुलन को बिगाड़ दिया है। आर्द्रभूमि और जल निकासी मार्गों पर अतिक्रमण, अत्यधिक पक्की सड़कों के कारण घटता भूजल रिसाव, गुवाहाटी व पड़ोसी राज्य मेघालय की पहाड़ियों पर अवैध निर्माण तथा नालों में प्लास्टिक कचरा फेंकने जैसी प्रथाओं ने शहर की जल निकासी क्षमता को बेहद कमजोर कर दिया है। 1965 की पहली मुख्य योजना 1986 तक बिना किसी संशोधन के चलती रही, जिससे अव्यवस्थित विकास को बढ़ावा मिला। बाद में अरेडा द्वारा कमियों को उजागर करने पर 2001 में नए सिरे से अध्ययन कराया गया और 2009 में एक वैज्ञानिक मुख्य योजना अधिसूचित की गयी। अरेडा अध्यक्ष ने रेखांकित किया कि समस्या केवल योजनाओं के कार्यान्वयन की है। वर्ष 2008 में इस्राइल के अंतरराष्ट्रीय टहाल समूह ने भरलु और बाहिनी जलग्रहण क्षेत्रों के पुनरुद्धार तथा नालों के पुनर्गठन की विस्तृत योजना दी थी। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) ने भी अपनी रिपोर्ट में इस पर गहराई से विचार किया है। वहीं वर्ष 2024 में नीदरलैंड की रॉयल हासकोनिंगडीएचवी को आधुनिक भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) पर आधारित जल निकासी योजना तैयार करने का जिम्मा सौंपा गया था। इसके अतिरिक्त भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) गुवाहाटी और आईआईटी रुड़की ने मेघालय की पहाड़ियों से आने वाले पानी को शहर में घुसने से पहले सिलसाको और दीपोर बील की ओर मोड़ने का वैज्ञानिक खाका खींचा है। एशियाई विकास बैंक (एडीबी), जर्मन विकास एजेंसी (जीआईजेड) और विज्ञान एवं पर्यावरण केंद्र (सीएसई) जैसी वैश्विक संस्थाओं के अध्ययन भी इन्हीं समाधानों की पुष्टि करते हैं। ऐसे में अब किसी नए अध्ययन की आवश्यकता नहीं है, बल्कि उपलब्ध वैज्ञानिक सुझावों पर कड़ाई से अमल करने की जरूरत है।

संयुक्त स्थापना समारोह का आयोजन

गुवाहाटी, 20 जुलाई (ख.सं.)। लियो क्लब ऑफ गुवाहाटी एवं लियो क्लब ऑफ गुवाहाटी गर्ल्स द्वारा संयुक्त रूप से संयुक्त स्थापना समारोह का आयोजन किया गया। लायनिस्टिक वर्ष 2026-27 के निदेशक मंडल का शपथ ग्रहण पूर्व जिला अध्यक्ष लायन संजय जैन द्वारा कराया गया। इस अवसर पर लियो प्रस्तुति बोरो एवं लियो अरमान सरावगी ने अपने-अपने क्लबों के अध्यक्ष पद की शपथ ग्रहण की। समारोह के मुख्य अतिथि जिला गवर्नर लायन मनोज भजनका थे। कार्यक्रम में कैबिनेट सचिव लायन प्रकाश सिकरिया, लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी के अध्यक्ष लायन दीपक मित्तल, जिला उपाध्यक्ष लियो लायन ऋषित केजरीवाल, तथा लियो क्लब ऑफ गुवाहाटी गर्ल्स की चार्टर अध्यक्ष लायन संगीता अग्रवाल सहित जिले के अनेक लायंस एवं लियो सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता लियो ख्याति जैन ने की।

केकेएचएसओयू में 12वां कृष्णकांत हैंडिक स्मारक व्याख्यान आयोजित

शिक्षा का मकसद सिर्फ रोजगार नहीं : पटनायक

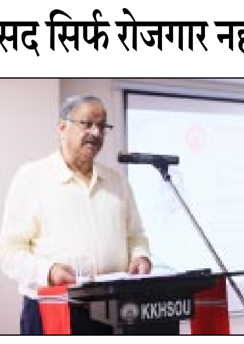

गुवाहाटी, 20 जुलाई (ख.सं.)। कृष्णकांत हंडिक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय (केकेएचएसओयू) ने खानपारा स्थित अपने सिटी कैंपस में प्रसिद्ध विद्वान, शिक्षाविद और भाषाविद दिवंगत कृष्णकांत हंडिक की 128वीं जयंती के अवसर पर 12वें कृष्ण कांत हंडिक स्मारक व्याख्यान का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत में प्रो. जॉयदीप बरुआ ने स्वागत भाषण देते हुए उच्च शिक्षा और असम की बौद्धिक परंपराओं में हंडिक के अमूल्य योगदान को याद किया। इसके बाद मुख्य वक्ता, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. सौमेंद्र मोहन पटनायक ने भारत के पूर्वोत्तर में शैक्षिक परिदृश्य के भविष्य की कल्पना विषय पर अपना स्मारक व्याख्यान दिया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में बोलते हुए उन्होंने स्थानीय ज्ञान प्रणालियों को वैश्विक दृष्टिकोण के साथ जोड़ने पर जोर दिया और कहा कि शिक्षा का असली मकसद सिर्फ रोजगार पाना नहीं, बल्कि नैतिक मूल्यों और व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करना है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विवि के कुलपति ने गुणवत्तापूर्ण और समावेशी शिक्षा के जरिए हंडिक के आदर्शों को आगे बढ़ाने की बात दोहराई। कुलसचिव प्रो. प्रणब सैकिया ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का धन्यवाद किया। डॉ. तृषा दोवरा बरुआ के संचालन में आयोजित इस कार्यक्रम में विवि के प्रोफेसर, शोधार्थी, छात्र और कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। यह व्याख्यान पूर्वोत्तर भारत में शिक्षा के उज्ज्वल भविष्य पर सार्थक चर्चा करने का एक बेहतरीन मंच साबित हुआ।

लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी ग्रेटर की नयी कार्यकारिणी ने संभाला कार्यभार

लायन रवि हरलालका बने अध्यक्ष

गुवाहाटी, 20 जुलाई (ख.सं.)। लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी ग्रेटर द्वारा नए लायनिस्टिक वर्ष 2026-27 के शुभारंभ पर आयोजित भव्य पदस्थापना समारोह उल्लास-2026 उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर, पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर्स, विभिन्न लायंस क्लबों के पदाधिकारी, सदस्य एवं शहर के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ क्लब के निवर्तमान अध्यक्ष लायन प्रकाश काबरा द्वारा किया गया। लायन मंजू धूत ने लायन प्रार्थना प्रस्तुत की तथा आयोजन अध्यक्ष लायन नीरू काबरा ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का सफल संचालन लायन सुधा शर्मा एवं लायन रीता हरलालका ने किया। लायन महेश हेडा एवं लायन सुरेन्द्र चोरडीया के नेतृत्व मे क्लब के सदस्यों द्वारा सांस्कृतिक एवं संगीत प्रस्तुतियों ने समारोह को और भी आकर्षक बना दिया। निवर्तमान अध्यक्ष लायन प्रकाश काबरा ने अपने कार्यकाल की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए क्लब के सहयोग के लिए सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। क्लब के सचिव लायन रमेश जैन ने एक आकर्षक फिल्म द्वारा वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, जिसमें वर्षभर की सेवा गतिविधियों और उपलब्धियों की जानकारी दी गयी। समारोह के पदस्थापना अधिकारी लायन के. के. झुनझुनवाला ने पहले लियो क्लब और तत्पश्चात लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी ग्रेटर की वर्ष 2026-27 की नयी कार्यकारिणी को विधिवत शपथ दिलाई। इसके बाद निवर्तमान अध्यक्ष लायन प्रकाश काबरा ने अधिकार के प्रतीक गैवल को नवनिर्वाचित अध्यक्ष लायन रवि हरलालका को सौंपकर नेतृत्व का औपचारिक हस्तांतरण किया। अपने अध्यक्षीय स्वीकार भाषण में लायन रवि हरलालका ने कहा कि क्लब आने वाले वर्ष में शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण,युवा सशक्तिकरण एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्रों में और अधिक प्रभावी कार्य करेगा। उन्होंने सभी सदस्यों से एकजुट होकर सेवा कार्यों को नयी ऊंचाइयों तक पहुंचाने का आह्वान किया। इस अवसर पर लायन पंकज पोद्दार ने नए सदस्यों का दिक्षांत कराया तथा सेवा, नेतृत्व और संगठन की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया। मुख्य अतिथि एवं डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन मनोज भजनका ने अपने संबोधन में लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी ग्रेटर की समाजसेवा संबंधी गतिविधियों की सराहना करते हुए नयी टीम को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि लायंस क्लब का उद्देश्य केवल सेवा करना ही नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना भी है। क्लब के जनसंपर्क अधिकारी लायन रतन खाखोलिया ने बताया कि समारोह में डॉ. एस. एस. हरलालका सहित अनेक वरिष्ठ लायन पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के समापन पर क्लब सचिव लायन अजय कुमार मोर ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा कि क्लब का ध्येय वाक्य आने वाले पूरे वर्ष सेवा कार्यों की प्रेरणा बना रहेगा। तत्पश्चात कार्यक्रम का समापन केक कटिंग एवं स्नेहभोज के साथ हुआ। कार्यक्रम के अंत में नवनिर्वाचित अध्यक्ष लायन रवि हरलालका ने समारोह की सफलता के लिए आयोजन अध्यक्ष लायन नीरू काबरा, सचिव लायन अजय कुमार मोर,कोषाध्यक्ष लायन मीनाक्षी माथुर, मंच संचालकों लायन सुधा शर्मा एवं लायन रीता हरलालका, एंकर लायन अरविंद केजरीवाल और सभी अतिथियों तथा क्लब के प्रत्येक सदस्य के प्रति आभार व्यक्त किया।

Our other products Special Quality
TRISHUL BRAND BESAN
&
ROASTED CHANA
A quality product from
SHIV SHAKTI ENTERPRISE
R.B. Lane, Jorhat (ASSAM)
Customer Care E-mail : shivshaktijrt@gmail.com
Contact.: 0376-2300030, 94350-92761

लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी प्राइड का भव्य शपथ ग्रहण एवं चार्टर वर्ष सम्मान समारोह संपन्न

गुवाहाटी, 20 जुलाई (ख.सं.)। लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी प्राइड का शपथ ग्रहण एवं चार्टर वर्ष सम्मान समारोह कल गुवाहाटी में अत्यंत गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। समारोह की अध्यक्षता क्लब के संस्थापक अध्यक्ष अनुप कुमार जाजोदिया ने की। समारोह के मुख्य अतिथि लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 322-जी के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर मनोज भजनका थे, जबकि रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3240 के पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन प्रभात केड़िया विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 322-जी के पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर डॉ. एम. एल. अग्रवाला ने लायनिस्टिक वर्ष 2026-2027 के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं निदेशक मंडल को शपथ दिलाते हुए पदस्थापित किया। लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 322-जी के तत्कालीन पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर पंकज पोद्दार विशेष अतिथि के रूप में समारोह में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारम्भ ममता बंसल के स्वागत उद्बोधन से हुआ। सुनीधि अग्रवाल ने सचिव प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए क्लब के ऐतिहासिक चार्टर वर्ष की उपलब्धियों एवं सेवा कार्यों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। इस अवसर पर क्लब की आधिकारिक समाचार पत्रिका प्राइड संवाद के चौथे एवं अंतिम अंक का भी लोकार्पण किया गया, जिसमें पूरे वर्ष की गतिविधियों एवं उपलब्धियों का समग्र विवरण प्रकाशित है। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि मनोज भजनका ने संस्थापक अध्यक्ष अनुप कुमार जाजोदिया तथा गुवाहाटी प्राइड के सभी सदस्यों को क्लब के प्रथम वर्ष के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी। उन्होंने क्लब को प्राप्त व्यापक मीडिया कवरेज तथा प्राइड संवाद के चार अंकों के नियमित प्रकाशन की विशेष सराहना करते हुए इसे नवगठित क्लब के लिए एक उल्लेखनीय उपलब्धि बताया। उन्होंने क्लब की सार्थक सेवा गतिविधियों, सुदृढ़ फेलोशिप तथा अनुशासित प्रशासन की भी मुक्तकंठ से प्रशंसा की। विशेष अतिथि पंकज पोद्दार ने विश्वास व्यक्त किया कि गुवाहाटी प्राइड शीघ्र ही जिले के अग्रणी एवं सर्वश्रेष्ठ क्लबों में अपना विशिष्ट स्थान बनाएगा। बीएस. राठौड़, डॉ. नीलम गोस्वामी एवं संजय जैन ने संस्थापक अध्यक्ष अनुप कुमार जाजोदिया के नेतृत्व में सम्पन्न उल्लेखनीय सेवा परियोजनाओं एवं नवाचारी कार्यक्रमों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। संपत मिश्रा एवं कंचन केजरीवाल ने भी क्लब के उज्ज्वल एवं सफल भविष्य के लिए अपनी हार्दिक शुभकामनाएं व्यक्त कीं। चार्टर वर्ष सम्मान समारोह के दौरान शिल्पा नाहटा, सोनिया अग्रवाल, ममता बंसल, पुष्प बंसल, बिजय भीमसरिया, सुनीधि अग्रवाल, ज्योति जाजोदिया, चित्रा भार्तिया एवं नटवर नागौरी को चार्टर वर्ष के दौरान उनके उत्कृष्ट सहयोग, समर्पण एवं अमूल्य योगदान के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। अनिल अग्रवाल को उनके उत्कृष्ट समर्पण एवं सेवाभाव के लिए प्रतिष्ठित प्राइड ऑफ द चार्टर ईयर सम्मान से अलंकृत किया गया। क्लब के अन्य सभी चार्टर सदस्यों को क्लब की प्रगति एवं सेवा गतिविधियों में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रेसिडेंट्स एप्रिसिएशन अवॉर्ड प्रदान किए गए। वरिष्ठ लायंस सदस्यों का सम्मान तथा सहयोगियों एवं शुभचिंतकों को कृतज्ञता-स्वरूप स्मृति-चिह्न भेंट करना भी समारोह के प्रमुख आकर्षणों में शामिल रहा। समारोह का मुख्य आकर्षण लायनिस्टिक वर्ष 2026-2027 के लिए चित्रा भार्तिया एवं उनकी पूरी कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण एवं पदस्थापन रहा। नेतृत्व हस्तांतरण की गरिमामयी परम्परा का निर्वहन करते हुए संस्थापक अध्यक्ष अनुप कुमार जाजोदिया ने सचिव सुनीधि अग्रवाल तथा उपाध्यक्ष प्रतिभा लूनिया की उपस्थिति में औपचारिक रूप से अध्यक्षीय गैवल चित्रा भार्तिया को सौंपा। अपने विदाई संबोधन में संस्थापक अध्यक्ष अनुप कुमार जाजोदिया ने क्लब के सभी सदस्यों, जिला पदाधिकारियों, प्रायोजकों, सहयोगियों एवं शुभचिंतकों के प्रति चार्टर वर्ष को ऐतिहासिक सफलता बनाने में दिए गए उनके निरंतर सहयोग एवं प्रोत्साहन के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नवनिर्वाचित टीम लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी प्राइड को नए आयामों तक पहुंचाएगी। धन्यवाद ज्ञापन अनिल अग्रवाल ने प्रस्तुत किया। समारोह में प्रीति भजनका, अजय पोद्दार, प्रकाश सिकरिया, मधु खाखोलिया, प्रतिभा चौधरी, नेहा अग्रवाल, मोहित दुग्गड़, डॉ. नीलाक्षी गोस्वामी, पायल भार्तिया, पुरुषोत्तम अग्रवाल, बबीता चौधरी एवं लेखा राठौड़ सहित अनेक गणमान्य अतिथि, शुभचिंतक एवं लायंस परिवार के सदस्य उपस्थित थे। अपने प्रथम वर्ष में लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी प्राइड ने अनेक प्रभावशाली सेवा परियोजनाओं, सामुदायिक कल्याण कार्यक्रमों एवं फेलोशिप गतिविधियों का सफल आयोजन कर पूरे जिले में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है।

मुख्यमंत्री महिला उद्यमिता अभियान

मंत्री पीयूष ने 22,818 लाभार्थियों को दिये चेक

धिंग, 20 जुलाई (ख.सं)। कृषि, सिंचाई और संसदीय कार्य विभाग के मंत्री तथा नगांव जिले के प्रभारी मंत्री पीयूष हजारिका ने आज नगांव के धिंग में आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री महिला उद्यमिता अभियान के तहत 22,818 लाभार्थियों को औपचारिक रूप से चेक वितरित किये। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि योजना के तहत महिलाओं को दिए जा रहे 10,000 रुपये आजीविका कमाने और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने का एक महत्वपूर्ण माध्यम हैं। उन्होंने लाभार्थियों से इस प्रारंभिक पूंजी का सही उपयोग कर अपना व्यवसाय शुरू करने का आग्रह किया। इससे वे योजना के अगले चरण में 25,000 और 50,000 रुपये की सहायता प्राप्त करने के लिए पात्र बन सकती हैं। मंत्री हजारिका ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास, बेहतर सड़क अवसंरचना, गरीब परिवारों को मुफ्त राशन तथा स्कूल-कॉलेजों में विद्यार्थियों के मुफ्त

नामांकन जैसी विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार समग्र विकास की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने घोषणा की कि अगले महीने से फिर से मुफ्त राशन वितरण की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। मंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार भाषाई और धार्मिक भेदभाव से ऊपर उठकर लोगों को निष्पक्ष रूप से सरकारी सुविधाएं प्रदान कर रही है और कोई भी क्षेत्र विकास योजनाओं से वंचित नहीं है। धिंग में बाढ़ सुरक्षा और रोजगार पर जोर मंत्री ने कहा कि तटबंध निर्माण और बाढ़ सुरक्षा उपायों ने धिंग विधानसभा क्षेत्र के लोगों को साल में दो या उससे अधिक फसलें उगाने में मदद की है। उन्होंने दावा किया कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में गरीब, लेकिन मेधावी विद्यार्थियों को सरकारी नौकरी मिल रही है और पिछली सरकारों के समय नियुक्ति प्रक्रिया में व्याप्त भ्रष्टाचार को पूरी तरह समाप्त कर दिया गया है। कृषि विभाग से जुड़ी अपनी योजनाओं का उल्लेख करते हुए मंत्री ने लोगों से राज्य के आर्थिक विकास में योगदान देने के लिए कृषि को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने किसानों को कृषि और सिंचाई विभागों की ओर से हरसंभव सहायता देने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में विधायक मेहबूब मुक्तार और रूपक शर्मा, नगांव के उपायुक्त सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। 81 परिवारों को भूमि पट्टा वितरित इसके बाद मंत्री ने भोमोरागुड़ी में आयोजित एक अन्य कार्यक्रम में नगांव-बटद्रवा विधानसभा क्षेत्र के 81 परिवारों को भूमि पट्टा वितरित किया।

मंत्री कौशिक राय ने सार्वजनिक सेवा गतिविधियों की समीक्षा की

सिलचर, 20 जुलाई (ख.सं)। मंत्री कौशिक राय ने आज सिलचर होलसेल कोऑपरेटिव स्टोर्स लिमिटेड के कार्यालय का दौरा कर उसकी सार्वजनिक सेवा गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा की। इस यात्रा के दौरान उन्होंने संगठन की समग्र गतिविधियों, बुनियादी ढांचे और विभिन्न जन कल्याणकारी पहलों की प्रगति की समीक्षा की। इसके अलावा उन्होंने संगठन के पदाधिकारियों और कर्मचारियों से विचार-विमर्श किया और विभिन्न सुविधाओं, समस्याओं और मौजूदा चुनौतियों के बारे में जानकारी प्राप्त की। सहकारी प्रणाली को अधिक मजबूत, प्रभावी और जनहितैषी बनाने के लिए आवश्यक कदमों पर भी विस्तृत चर्चा हुई। इस अवसर पर मंत्री कौशिक राय ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत

विश्व शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार सहकारी प्रणाली को अधिक गतिशील, आत्मनिर्भर और जनहितैषी बनाने के लिए अथक प्रयास कर रही है। इस लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए सहकारी संस्थाओं को आधुनिक, पारदर्शी और जनविश्वास के केंद्र के रूप में विकसित करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान सिलचर होलसेल कोऑपरेटिव स्टोर्स लिमिटेड के अध्यक्ष विनय भूषण शर्मा, उपाध्यक्ष बसुदेव शर्मा, विधायक किशोर नाथ, अमियाकांति दास और भाजपा जिला अध्यक्ष रूपम साहा उपस्थित थे।

लामडिंग-हाफलांग हाईवे पर भीषण सड़क हादसा दो युवकों की मौत

लमडिंग, 20 जुलाई (ख.सं)। डिमा हसाओ जिले के हाथीखुली थाना क्षेत्र अंतर्गत लामडिंग हाफलांग राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर रविवार को हुए एक भीषण सड़क हादसे में दो युवकों की जान चली गयी। दुर्घटना हाथीखुली के एस-टर्निंग नामक खतरनाक मोड़ पर हुई, जहां तेज रफ्तार मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर सड़क के डिवाइडर से टकरा गयी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। पुलिस और स्थानीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मृतक मोहित वारिसा और विशाल लांगथासा हाथीखुली से लामडिंग की ओर मोटरसाइकिल से जा रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक एस-टर्निंग के घुमावदार हिस्से में पहुंची, चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका।

अपनी समस्याओं को लेकर बिजली मंत्रालय के प्रभारी को सौंपा ज्ञापन

सिलचर, 20 जुलाई (ख.सं)। ऑल असम इलेक्ट्रिसिटी कंज्यूमर्स एसोसिएशन की कछार डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेशन कमेटी ने आज राज्य के बिजली मंत्रालय के इंचार्ज मुख्यमंत्री को एक मेमोरेंडम दिया। मेमोरेंडम देते हुए संगठन के जनरल सेक्रेटरी में से एक संजीव रॉय ने कहा कि जब लोगों को तेज गर्मी में बिजली की ज़्यादा ज़रूरत होती है, तो आम कंज्यूमर को घंटों लोड शेडिंग से परेशान होना पड़ता है। इसी तरह थोड़ी सी बारिश या हल्की हवा चलने पर भी बिजली सप्लाई बंद हो जाती है। कंज्यूमर्स की इस रोज़ाना की परेशानी का पक्का हल निकालने, राज्य के रेजिडेंशियल कंज्यूमर्स को कम से कम 200 यूनिट बिजली फ्री देने, प्रीपेड स्मार्ट मीटर जरूरी न करने, बिजली सेक्टर का प्राइवेटाइजेशन रोकने वगैरह समेत चार

मांगों को लेकर ऑल असम इलेक्ट्रिसिटी कंज्यूमर्स एसोसिएशन की कछार डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेशन कमेटी के बुलावे पर 21 जून को सिलचर में कंज्यूमर कन्वर्जन मूवमेंट जारी रखने का फैसला लिया गया। शुरुआती कदम के तौर पर, 14 जून को पानपट्टी में ऑफिस में एक प्रोटेस्ट और एक मेमोरेंडम दिया गया। आज मेमोरेंडम देने के दौरान ग्रेटर मलूग्राम इलाके के जागरूक नागरिक और कंज्यूमर्स एसोसिएशन के सदस्य, जिनमें प्रोफ़ेसर अजय रॉय, सिमंता भट्टाचार्य, नकुल रंजन पाल, बंदिता त्रिवेदी, रंजीत चौधरी, प्रशांत भट्टाचार्य, और संगठन के एक सदस्य, लेबर लीडर मृणाल कांति सोम शामिल थे।

डीसी ने केंद्रीय विद्यालय का किया दौरा

कोकराझाड़ 20 जुलाई (ख.सं)। कोकराझाड़ के जिला आयुक्त पंकज चक्रवर्ती ने आज कोकराझाड़ स्थित केंद्रीय विद्यालय का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने छात्रों, शिक्षकों, अभिभावकों और विद्यालय के कर्मचारियों के साथ संवाद कर शिक्षा के स्तर को और बेहतर बनाने की दिशा में जिला प्रशासन की प्रतिबद्धता दोहराई। अभिभावकों की सराहना और रचनात्मकता का प्रदर्शन जिला आयुक्त ने अभिभावक-शिक्षक संघ के सदस्यों के साथ चर्चा की और विद्यालय समुदाय को मजबूत बनाने में उनकी भूमिका की सराहना की। इसके बाद उन्होंने विद्यालय के को-करिकुलर एक्टिविटीज कार्यक्रम के तहत आयोजित वेस्ट टू बेस्ट प्रदर्शनी का अवलोकन किया। कक्षा 1 से 5 तक के छात्रों द्वारा बेकार पड़ी वस्तुओं से बनायी गयी पर्यावरण-अनुकूल कलाकृतियों को देखकर डीसी ने उनकी रचनात्मकता और पर्यावरण के प्रति जागरूकता की जमकर प्रशंसा की। जीवन के स्वर्णिम काल पर दिया जोर विद्यालय के कक्षा 10, 11 और 12 के छात्रों को संबोधित करते हुए चक्रवर्ती ने एक प्रेरक लाइफ ग्राफ साझा किया। उन्होंने छात्रों को समझाया कि 1 से 20 वर्ष की आयु का समय

भविष्य की नींव होता है। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे अपने इस महत्वपूर्ण समय को सीखने, कौशल विकास, अनुशासन और कड़ी मेहनत में लगाएं, क्योंकि आज की गई मेहनत ही एक सफल और उज्ज्वल भविष्य का आधार बनती है। उन्होंने सफलता के 3 मंत्र अपने ज्ञान और कौशल का विकास, सही मानसिकता और अच्छे मूल्यों को अपनाने और दृढ़ संकल्प और निरंतरता के साथ सफलता के उच्च शिखर तक पहुंचने दिया।

मोरिगांव में सैकड़ों बीघा कृषि भूमि नदी में समाई

मोरिगांव, 20 जुलाई (ख.सं)। लगातार हो रही मानसूनी बारिश के कारण ब्रह्मपुत्र नदी ने मोरिगांव जिले में भारी तबाही मचा रखी है। पोकड़िया मौजा क्षेत्र में नदी के कटाव से सैकड़ों बीघा उपजाऊ जमीन बह गयी है। स्थानीय किसानों की आजीविका का प्रमुख आधार जूट की फसल भी पूरी तरह नष्ट हो गयी है। कटाव के कारण कई गांवों पर अस्तित्व का संकट मंडरा रहा है। कई घर एक-एक कर नदी में समा रहे हैं और बड़ी संख्या में परिवार विस्थापन के खतरे का सामना कर रहे हैं। करीब 10 किलोमीटर लंबे क्षेत्र में कटाव की स्थिति बेहद गंभीर बताई जा रही है। बरबरी बाजार, 100 से अधिक आवासीय घर और कई स्कूल भी अब नदी के कटाव की चपेट में आने के खतरे में हैं।

बजट को लेकर विधायक नारायण डेका ने की प्रेस कांफ्रेस, गिनाये फायदे

नलबाड़ी, 20 जुलाई (ख.सं)। वित्त मंत्री जयंतमल्ल बरुवा द्वारा पेश किये गये बजट को लेकर बरखेत्री के विधायक नारायण डेका ने आज नलबाड़ी जिला भाजपा कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान विधायक नारायण डेका ने कहा कि राज्य सरकार का बजट जनहित, विकास और समग्र कल्याण को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि बजट में कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे, युवाओं, महिलाओं तथा सामाजिक सुरक्षा से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों को विशेष प्राथमिकता दी गयी है। विशेष कर वहु विवाह कठोर कानून याद दिलाते हुए जनसंख्या नियंत्रित करने के लिए वही तीन संतान वाले को सरकारी सुविधाओं से वंचित करने का प्रावधान भी बजट में है। वित्त मंत्री जयंतमल्ल बरुवा जैसे मंत्री हमारे नलबाड़ी का होने के लिए गौरव की बात बताया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में असम सरकार राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है और यह बजट उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। विधायक ने विश्वास जताया कि बजट में घोषित योजनाओं से आम जनता को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा तथा राज्य के विकास को नयी गति मिलेगी। अपने भाषण में नारायण डेका सरकार के नीति का हर फैमिली को लाभ प्राप्त हो गरीब से लेकर मध्य, अमीर परिवार तक को भी सरकार कानूनी दायरे में जनमानस की सेवा करने का प्रयास कर रही है हमारे आगंतुक पीढ़ी को सुरक्षित करने का प्रयास है।

मंत्री अशोक सिंघल ने किया भगवान शिव का जलाभिषेक

ढेकियाजुली, 20 जुलाई (ख.सं)। पवित्र सावन महीना के प्रथम सोमवार के दिन ढेकियाजुली बिधानसभा के पानबाड़ी स्थित हिंदू वैदिक क्षेत्र में स्थित शिव मंदिर में स्थानीय बिधायक तथा असम सरकार के स्वास्थ्य, परिवार कल्याण, शिक्षा व अनुसंधान मंत्री अशोक सिंघल ने देवो के देव महादेव की पूजा-अर्चना कर राज्यवासियों के लिए शांति समृद्धि की कामना की। सावन महीना को ध्यान मे रखते हूए ऐतिहासिक प्रसिद्ध सिंगरी स्थित श्रीश्री गुप्तेश्वर मंदिर को भी सजाने के साथ साथ मंदिर संचालन समिति के तरफ से कॉवरियों के लिए जरुरत कि सारी सुविधा की गयी है ताकि जलभिषेक के समय किसी भी प्रकार की दिक्कत न हो, इसका भी ध्यान रखा गया है।

हैलाकांदी चोरीकांड में पुलिस की बड़ी सफलता, पांच गिरफ्तार

हैलाकांदी, 20 जुलाई (ख.सं)। हैलाकांदी शहर के नतुनपाड़ा के प्रतिष्ठित व्यवसायी स्वपन दास के घर में हुई चोरी की घटना में पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता मिली है। घटना के तुरंत बाद पुलिस ने विशेष जांच शुरू की और जिले के विभिन्न इलाकों में लगातार अभियान चलाकर पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया। साथ ही सोने के आभूषण तथा भारी मात्रा में चांदी के गहने बरामद किये गये हैं। हालांकि चोरी की गयी नकदी तथा कुछ अन्य कीमती आभूषण अभी तक बरामद नहीं हो सके हैं। पुलिस ने बताया कि उनकी बरामदगी के लिए अभियान लगातार जारी है। यह अभियान हैलाकांदी सदर थाना प्रभारी (ओसी) पॉल लालहिमसांग की

मौजूदगी में तथा टाउन दरोगा निशिरंजन देव के नेतृत्व में सदर थाना पुलिस की एक विशेष टीम द्वारा चलाया गया। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपियों पर चोरी की वारदात में प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से संलिप्त रहने मुख्य आरोपियों को फरार होने में सहायता देने चोरी का माल बेचने तथा चोरी का सामान खरीदने बेचने के आरोप हैं। जांच के दौरान इस गिरोह की गतिविधियों से संबंधित कई महत्वपूर्ण जानकारियां भी प्राप्त हुई हैं।

ग्वालपाड़ा जिले में अवैध बर्मीज सुपारी की हो रही तस्करी

ग्वालपाड़ा, 20 जुलाई (ख.सं)। ग्वालपाड़ा जिले से होकर मवेशियों, लकड़ी और खाद्य सुरक्षा योजना के चावल की कथित अवैध आवाजाही के साथ-साथ लाखों रुपये की अवैध सुपारी की तस्करी भी तेजी से जारी होने का आरोप है। बताया जा रहा है कि सुपारी सिंडिकेट तस्करी के लिए नए-नए तरीके अपना रहा है। जानकारी के अनुसार हाल के दिनों में रात की बसों के जरिये अवैध बर्मी सुपारी जिले में लाई जा रही है। एक अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क कथित रूप से म्यांमार से बर्मी सुपारी मेघालय भेजता है। इसके बाद मेघालय से इसे अवैध नेटवर्क के जरिए गोलपाड़ा तक पहुंचाया जाता है। बताया गया है कि इस अवैध कारोबार के लिए यात्री बसों का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। पहले सिलचर से गुवाहाटी और फिर गुवाहाटी से निचले असम के विभिन्न इलाकों के रास्ते लाखों रुपये की सुपारी की खेप भेजी जाती है। गुवाहाटी से आने वाली रात की बसें कृष्णाई में राष्ट्रीय राजमार्ग-17 के किनारे रुककर बर्मी सुपारी की बोरियां उतारती हैं। वहीं मानकाचर और धुबरी से आने वाली कुछ यात्री बसों के जरिये भी बड़ी मात्रा में सुपारी कृष्णाई पहुंचाए जाने की बात सामने आयी है। दावा है कि मेघालय से आने वाली अवैध बर्मी सुपारी का करीब 90 प्रतिशत हिस्सा कृष्णाई के व्यापारियों तक पहुंचता है। रिपोर्ट के अनुसार मेघालय से चारपहिया वाहनों के जरिए दिन-रात बर्मी सुपारी लायी जा रही है।

राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में ढेकियाजुली का श्रेष्ठ प्रदर्शन

ढेकियाजुली, 20 जुलाई (ख.सं)। गुवाहाटी के ज्योति चित्रवन में आयोजित संस्कृति संगम प्रतियोगिता महोत्सव में शोणितपुर के नटराज नृत्ययांगन के शिक्षार्थियों ने सत्रिया नृत्य, भारत नाट्यम, बरगीत, स्लोडांस और स्लोसॉन्ग शाखा में पुरस्कार लाभ किया है। साथ ही मुंबई में आयोजित होने वाले प्रतियोगिता के लिए भी चयन किया गया है। इस सफलता को लेकर 19 जुलाई को नटराज नृत्यंगना के तत्वाधान में शिक्षार्थियों को विशेष रूप से अभिनंदन करते हुए उत्साहित किया गया। उक्त अवसर पर नटराज नृत्यागंना के प्रमुख नूपुर बोरा भुइयां, अभिभावक और उपस्थित विशिष्ट लोगों ने शिक्षार्थियों के सफलता को लेकर संतुष्टि प्रकाश की है। उल्लेखनीय है कि उक्त प्रतियोगिता में कंकना बोरा ने बरगीत शाखा मे श्रेष्ठ पुरस्कार प्राप्त की है तो वहीं काब्यांगना बोरा ने सत्रिया नृत्य के गोपी नृत्य शाखा मे श्रेष्ठ पुरस्कार प्राप्त कि है। उक्त कार्यक्रम में विचारक के रूप में जनप्रिय हिंदी धारावाहिक तारक मेहता के उल्टा चश्मा के चित्र नाटयकार उमेश मेहता उपस्थित थे।

नगांव में युवक की मौत को लेकर रहस्य, शव पर मिले चोट के निशान

नगांव, 20 जुलाई (ख.सं)। नगांव में एक सनसनीखेज घटना सामने आयी है। महा मृत्युंजय मंदिर के पास एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद इलाके में रहस्य गहरा गया है। मंदिर के सामने दुकान लगाने वाले हिरण्य शर्मा नामक युवक की रात में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गयी। उनका शव नगांव के डिमरुगुड़ी मुख्य मार्ग के पास बरामद किया गया। स्थानीय लोगों के अनुसार हिरण्य शर्मा की पीठ पर चोट के निशान दिखाई दिये हैं, जिसके बाद हत्या की आशंका जतायी जा रही है। बताया गया है कि हिरण्य शर्मा रात में अपनी दुकान बंद करने के बाद नगांव शहर में खरीदारी करने गये थे। इसके बाद उनका शव सड़क के पास बरामद हुआ।

कोकराझाड़ में उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था के प्रबंधन पर एक दिवसीय कार्यक्रम

कोकराझाड़, 20 जुलाई (ख.सं)। मातृत्व स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने और उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था के प्रबंधन में स्वास्थ्य पेशेवरों की क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से कोकराझाड़ के प्रशासनिक स्टाफ कॉलेज में एक दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विशेष रूप से सेक्टर मेडिकल ऑफिसर्स और एक साल की अनिवार्य ग्रामीण पोस्टिंग कर रहे मेडिकल ऑफिसर्स के लिए आयोजित किया गया था। मुख्य अतिथियों की उपस्थिति कार्यक्रम में कोकराझार के आयुक्त पंकज चक्रवर्ती विशेष रूप से उपस्थित रहे। उनके साथ अतिरिक्त जिला आयुक्त (स्वास्थ्य) बंटी तालुकदार और जिला कार्यक्रम प्रबंधन इकाई के अधिकारियों ने भी शिरकत की। इन अधिकारियों ने जिले भर में गुणवत्तापूर्ण मातृत्व स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए फ्रंटलाइन मेडिकल ऑफिसर्स के निरंतर क्षमता निर्माण पर जोर दिया। विशेषज्ञों द्वारा तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम का तकनीकी सत्र आरएनबी सिविल अस्पताल, कोकराझार के उप-अधीक्षक और कंसल्टेंट गायनेकोलॉजिस्ट डॉ. जुनीकर अली द्वारा संचालित किया गया। इस दौरान चिकित्सकों को उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था की प्रारंभिक पहचान, जोखिम के वर्गीकरण, समय पर रेफरल तंत्र और साक्ष्य-आधारित नैदानिक प्रबंधन के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इसका मुख्य उद्देश्य मातृ एवं नवजात शिशु स्वास्थ्य के परिणामों में सुधार लाना है।

शहीद मंगल पाण्डेय की 199वीं जयंती मनायी गयी

सिलचर, 20 जुलाई (ख.सं)। भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के अग्रदूत और अमर शहीद मंगल पांडेय की 199वीं जयंती के अवसर पर कल सिलचर के घुंघूर स्थित मंगल पांडेय चौक में श्रद्धा, सम्मान और राष्ट्रभक्ति के वातावरण के बीच भव्य श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों, समाजसेवियों तथा विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर अमर शहीद की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का आयोजन शहीद मंगल पांडेय स्थापना समिति द्वारा किया गया। उपस्थित लोगों ने देश की स्वतंत्रता के लिए मंगल पांडेय के अद्वितीय बलिदान को याद करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। समिति के सचिव प्रदीप कुर्मी ने कहा कि आज अमर शहीद मंगल पांडेय की 199वीं जयंती मनायी जा रही है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025 में घुंघूर में मंगल पांडेय की प्रतिमा स्थापित होने के बाद से समिति प्रत्येक वर्ष चार प्रमुख कार्यक्रम आयोजित करती है, जिनमें उनकी जयंती, शहादत दिवस, 26 जनवरी और 15 अगस्त शामिल हैं। उन्होंने सभी अतिथियों, मार्गदर्शक मंडल के सदस्यों तथा स्थानीय लोगों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समिति का उद्देश्य नई पीढ़ी को मंगल पांडेय के जीवन, संघर्ष और बलिदान से परिचित कराना है।

लमडिंग में वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट परिसर में मिला युवक का शव

लमडिंग, 20 जुलाई (ख.सं)। लमडिंग शहर में आज सुबह एक बेहद सनसनीखेज घटना सामने आने के बाद पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। रेलवे के ऑफिसर्स कॉलोनी स्थित वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट परिसर के भीतर एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद हुआ। इस घटना ने न केवल युवक की मौत को रहस्य के घेरे में ला दिया है, बल्कि रेलवे के सुरक्षित परिसर की सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिये हैं। मृतक की पहचान कौशिक डे के रूप में हुई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार वह अपने परिवार के साथ जल शोधन संयंत्र कार्यालय परिसर की पिछली सीमा दीवार के बाहर रहता था। सोमवार सुबह नियमित ड्यूटी पर पहुंचे एक कर्मचारी ने परिसर के भीतर युवक का शव देखा, जिसके बाद तत्काल रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों और लामडिंग पुलिस को सूचना दी गयी।

कछार में जनगणना 2027 की फील्ड-लेवल ट्रेनिंग शुरू

सिलचर, 20 जुलाई (ख.सं)। जनगणना 2027 की तैयारियां कछार में तेज हो गयी। जिले के पांच रेवेन्यू सर्कल, सिलचर, लखीपुर, उदारबंद, कटिगोरा और सोनाई में एन्यूमरेटर्स और सुपरवाइजर्स के लिए ट्रेनिंग का पहला फेज शुरू हुआ। कछार डिस्ट्रिक्ट सेंसस सेल द्वारा ऑर्गेनाइज किया गया यह प्रोग्राम देश के सबसे बड़े स्टैटिस्टिकल एक्सरसाइज में से एक के लिए जिले की फील्ड-लेवल तैयारियों की शुरुआत है। सिलचर रेवेन्यू सर्कल के लिए पहला ट्रेनिंग प्रोग्राम कछार कॉलेज में हुआ, जहां इस एक्सरसाइज़ के लिए सात ट्रेनिंग हॉल अरेंज किए गए हैं। इस प्रोग्राम के दौरान सिलचर रेवेन्यू सर्कल से जुड़े कुल 1,171 एन्यूमरेटर और 187 सुपरवाइज़र ट्रेनिंग लेंगे। सभी फील्ड कर्मचारियों की सिस्टमैटिक तैयारी पक्का करने के लिए डिस्ट्रिक्ट लेवल ट्रेनिंग

प्रोग्राम को चार फेज़ में प्लान किया गया है। पहला फेज 20 जुलाई से 22 जुलाई तक, दूसरा फेज़ 24 जुलाई से 27 जुलाई तक चलेगा। तीसरा फेज़ 29 जुलाई से 31 जुलाई तक चलेगा, जबकि चौथा और आखिरी फेज़ 3 अगस्त से 5 अगस्त तक चलेगा। ट्रेनिंग सेशन रोज़ सुबह 9.30 बजे से शाम 5.30 बजे तक होंगे, जिसमें क्लासरूम में पढ़ाई के साथ सेंसस शेड्यूल, डिजिटल एन्यूमरेशन प्रोसेस, हाउसहोल्ड लिस्टिंग, डेटा वेरिफिकेशन, रिपोर्टिंग फॉर्मेट और फील्ड प्रोटोकॉल पर प्रैक्टिकल डेमोंस्ट्रेशन भी होंगे। ट्रेनिंग प्रोग्राम का ऑफिशियल उद्घाटन डिस्ट्रिक्ट सेंसस ऑफिसर और एडिशनल डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर, कछार, रोक्तिम बरुआ, ने सेंसस ऑर्गनाइजेशन से जुड़े सीनियर अधिकारियों की मौजूदगी में किया। अपने कीनोट एड्रेस में, डिस्ट्रिक्ट सेंसस ऑफिसर, रोक्तिम बरुवा ने कहा कि सेंसस 2027 एक ऐतिहासिक बदलाव का प्रतीक है क्योंकि यह देश में पहली बार डिजिटल प्लेटफॉर्म के ज़रिए किया जाएगा। उन्होंने ज़ोर दिया कि सेंसस डेटा की क्वालिटी और भरोसेमंद होना, फील्ड-लेवल पर सही डेटा कलेक्शन पर निर्भर करता है और एन्यूमरेटर्स और सुपरवाइजर्स को डिजिटल एप्लीकेशन और ऑपरेशनल गाइडलाइन्स से अच्छी तरह परिचित होने की सलाह दी।

त्रिपुरा के डीजीपी अनुराग धनखड़ का शव शौचालय में फंदे से लटका मिला : मुख्यमंत्री

त्रिपुरा में सत्ता पक्ष और विपक्ष ने दिवंगत डीजीपी अनुराग धनखड़ को दी श्रद्धांजलि

अगरतला, 20 जुलाई (भाषा) त्रिपुरा के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग धनखड़ का शव सोमवार को पुलिस मुख्यालय स्थित उनके आधिकारिक कक्ष के शौचालय में फंदे से लटका हुआ मिला। मुख्यमंत्री माणिक साहा ने यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद वह मुख्य सचिव और गृह सचिव समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ पुलिस मुख्यालय पहुंचे। साहा ने सोशल मीडिया मंच फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा कि मैं त्रिपुरा के पुलिस महानिदेशक अनुराग धनखड़ के दुखद निधन से बेहद स्तब्ध और दुखी हूं। उनका शव आज आधिकारिक कक्ष के शौचालय में फंदे से लटका हुआ मिला। उन्होंने बताया कि 1994 बैच के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी को तुरंत अगरतला स्थित जीबीपी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें 'अस्पताल पहुंचने से पहले ही मृत' घोषित कर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा ..इस अत्यंत दुख की घड़ी में मैं शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। दिवंगत आत्मा को शांति मिले और ईश्वर परिवार को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति और साहस प्रदान करें। इस बीच, त्रिपुरा विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष जितेंद्र चौधरी ने इस घटना की निष्पक्ष जांच के लिए त्रिपुरा उच्च न्यायालय की निगरानी में विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने की मांग की। चौधरी ने यहां एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि डीजीपी कई कारणों से दबाव में थे। हम मांग करते हैं कि इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना की जांच के लिए त्रिपुरा उच्च न्यायालय की निगरानी में एसआईटी गठित की जाए और इसके लिए कैबिनेट की विशेष बैठक बुलाई जाए। धनखड़ (60) अपने पद से 11 महीने बाद सेवानिवृत्त होने वाले थे। धनखड़ को पिछले वर्ष मई में राज्य का पुलिस प्रमुख नियुक्त किया गया था। वहीं दूसरी ओर त्रिपुरा में सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों ने दिवंगत पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग धनखड़ को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनकी निष्ठा, ईमानदारी, पेशेवर प्रतिबद्धता और निष्पक्ष कार्यशैली की सराहना की है। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के 1994 बैच के अधिकारी धनखड़ सोमवार को यहां पुलिस मुख्यालय स्थित अपने कार्यालय में मृत पाए गए थे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की त्रिपुरा इकाई के अध्यक्ष अभिषेक देवरॉय ने कहा कि हमारे पुलिस बल के प्रमुख के रूप में अनुराग धनखड़ ने सर्वोच्च स्तर की निष्ठा, समर्पण और ईमानदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन किया। हमने कभी नहीं सोचा था कि उनका इस तरह निधन होगा। यह हम सभी के लिए बेहद दुखद है। त्रिपुरा विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष जितेंद्र चौधरी ने उन्हें पुलिस बल के सर्वश्रेष्ठ अधिकारियों में से एक बताया। उन्होंने कहा कि श्री धनखड़ ने उप मंडलीय पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) से लेकर डीजीपी के पद तक का सफर तय किया, जो उनकी क्षमता, ईमानदारी और अपने दायित्वों के प्रति समर्पण का प्रमाण है। उन्होंने अपने पूरे कार्यकाल में अनेक चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया। मुझे नहीं लगता कि इतना ईमानदार और अनुभवी अधिकारी किसी गंभीर कारण के बिना ऐसा कदम उठा सकता है। हमने एक अच्छे पुलिस अधिकारी को खो दिया है। चौधरी ने कहा कि मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) उनकी मौत के कारणों का पता लगाने के लिए निष्पक्ष न्यायिक जांच की मांग करती है।

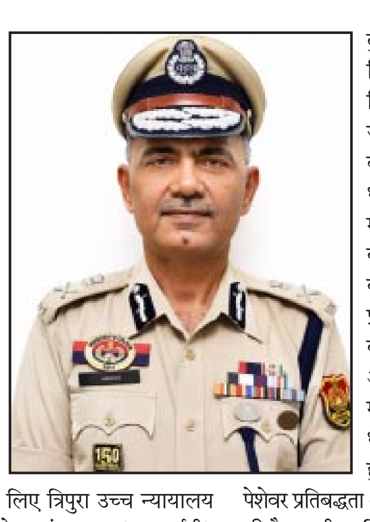

सिक्किम के मुख्यमंत्री ने 2026-27 के लिए 19,215 करोड़ रुपये का बजट पेश किया

गंगटोक, 20 जुलाई (भा)। सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने सोमवार को विधानसभा में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 19,215 करोड़ रुपये का बजट पेश किया। बजट में बुनियादी ढांचे के विकास और सामाजिक कल्याण योजनाओं को प्राथमिकता दी गई है। वित्त विभाग का भी प्रभार संभाल रहे तमांग ने कहा कि उनकी सरकार ने राज्य के राजस्व में वृद्धि, विवेकपूर्ण वित्तीय प्रबंधन तथा केंद्र सरकार और बाहरी सहायता प्राप्त परियोजनाओं से अतिरिक्त संसाधन जुटाकर सार्वजनिक निवेश में उल्लेखनीय विस्तार किया है। विधानसभा के चार दिवसीय सत्र के पहले दिन बजट पेश करते हुए मुख्यमंत्री ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 19,215 करोड़ रुपये के सकल व्यय का प्रस्ताव रखा। वसूली को समायोजित करने के बाद शुद्ध व्यय 18,455 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। तमांग ने कहा कि बजट का वित्तपोषण सिक्किम के अपने राजस्व, केंद्र सरकार से प्राप्त हस्तांतरण और विवेकपूर्ण उधारी के माध्यम से किया जाएगा। इसमें सुशासन, बुनियादी ढांचा विकास और सामाजिक कल्याण को प्राथमिकता दी गई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि राजस्व व्यय का अनुमान 11,733 करोड़ रुपये है, जबकि ऋण और अग्रिम को छोड़कर पूंजीगत व्यय के लिए 5,896 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों में विकास को गति देने के लिए केंद्र प्रायोजित योजनाओं में अपने हिस्से के रूप में 2,460 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है।

दिल्ली में भाजपा की बैठक में जनसंपर्क बढ़ाने, संगठन को मजबूत करने पर जोर : मणिपुर के मुख्यमंत्री

इंफाल, 20 जुलाई (भाषा) मणिपुर के मुख्यमंत्री वाई. खेमचंद सिंह ने कहा कि दिल्ली में आयोजित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की बैठक में जनसंपर्क बढ़ाने और पार्टी के जमीनी संगठन को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया। मणिपुर में 60 सदस्यीय विधानसभा के चुनाव अगले वर्ष की शुरुआत में होने की संभावना है। मुख्यमंत्री ने रविवार देर रात सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि नयी दिल्ली में आयोजित भाजपा की संगठनात्मक बैठक में शामिल होना मेरे लिए सम्मान की बात रही। इस बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बी. एल. संतोष और पार्टी के अन्य वरिष्ठ राष्ट्रीय नेता उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि बैठक में पार्टी के जमीनी संगठन को मजबूत करने और जनसंपर्क बढ़ाने पर जोर दिया गया। साथ ही लोगों और राष्ट्र की सेवा के लिए समर्पित एक मजबूत संगठन के निर्माण की हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता दोहराई गई। मुख्यमंत्री सिंह ने शुक्रवार को थौबल जिले के लिलोंग विधानसभा क्षेत्र में आयोजित मंडल स्तरीय राजनीतिक कार्यकर्ता सम्मेलन में हिस्सा लिया। इस सम्मेलन में विधायक, पार्टी के वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता भी मौजूद थे।

पारीक महिला परिषद की द्वितीय कार्यकारिणी बैठक संपन्न

सिंजारा महोत्सव की तैयारियों पर हुआ विस्तृत मंथन

गुवाहाटी, 20 जुलाई (ख.सं.)। पारीक महिला परिषद, गुवाहाटी की द्वितीय कार्यकारिणी बैठक सायं 4 बजे ऑनलाइन के माध्यम से सफलतापूर्वक आयोजित की गयी। बैठक की अध्यक्षता परिषद की अध्यक्षा निशा पारीक ने की तथा संचालन परिषद की सचिव जया पारीक ने किया। सभा का मुख्य विषय आगामी सिंजारा महोत्सव की रूपरेखा, आयोजन, तिथि एवं विभिन्न व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देना रहा। इस दौरान सभी उपस्थित सदस्याओं ने अपने-अपने महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए तथा कार्यक्रम को भव्य, सुव्यवस्थित एवं सफल बनाने के लिए विस्तृत विचार-विमर्श किया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी सिंजारा महोत्सव में पारीक समाज की समस्त महिलाओं को स्नेहपूर्वक आमंत्रित किया जाएगा, ताकि समाज की अधिकाधिक महिलाएं इस सांस्कृतिक उत्सव में सहभागिता निभाते हुए समाज में आपसी प्रेम, एकता, पारिवारिक सौहार्द एवं सामाजिक जुड़ाव को और अधिक सशक्त बना सकें। इसके अतिरिक्त परिषद के आगामी सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रूपरेखा पर भी विस्तार से चर्चा की गयी। सभा में कोषाध्यक्ष पूजा जोशी, संस्थापक अध्यक्षा सुषमा शर्मा, पूर्व अध्यक्षा विनीता पारीक, उपाध्यक्ष निशा परेश शर्मा,सुंदर पारीक, ज्योति पुरोहित, पुष्पा पारीक, मधु शर्मा, उषा पारीक,प्रीति पारीक, नेहा जोशी, वंदना जोशी, शेफाली पारीक सहित अन्य कार्यकारिणी सदस्याओं ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। अध्यक्षा निशा पारीक ने सभी सदस्याओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि परिषद की सफलता सभी के सहयोग, समर्पण एवं सक्रिय सहभागिता का परिणाम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आगामी सिंजारा महोत्सव समाज की महिलाओं के लिए एक यादगार, सांस्कृतिक एवं पारिवारिक मिलन का अवसर सिद्ध होगा।अंत में परिषद की सचिव जया पारीक ने सभी सदस्याओं का धन्यवाद ज्ञापन करते हुए सभा के सफल आयोजन हेतु आभार व्यक्त किया। बैठक का समापन सौहार्दपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ।

युवा कांग्रेस नेता ने पूर्वोत्तर में महंगे हवाई किरायों, सीमित प्रतिस्पर्द्धा का मुद्दा उठाया

ईटानगर, 20 जुलाई (भा)। पूर्वोत्तर क्षेत्र में हवाई किरायों में भारी बढ़ोतरी और सीमित प्रतिस्पर्धा पर चिंता जताते हुए भारतीय युवा कांग्रेस (आईवाईसी) के राष्ट्रीय महासचिव तारा जॉनी ने लोकसभा में विपक्ष के उपनेता गौरव गोगोई को पत्र लिखकर संसद में यह मुद्दा उठाने का आग्रह किया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू को भी इस पत्र की प्रतिलिपि भेजी गई है। जॉनी ने कहा कि कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और सीमित रेल संपर्क के कारण पूर्वोत्तर में हवाई यात्रा विलासिता नहीं, बल्कि आवश्यकता है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि 18 जुलाई को इंफाल-गुवाहाटी की 50 मिनट की उड़ान का किराया 11,687 रुपये था, जबकि इंफाल-दिल्ली की दो घंटे 40 मिनट की उड़ान 10,525 रुपये में उपलब्ध थी। युवा कांग्रेस नेता ने कहा कि यह समस्या अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मिजोरम, नगालैंड, मेघालय, त्रिपुरा, सिक्किम और असम के नागरिकों को प्रभावित कर रही है। उन्होंने गोगोई से आग्रह किया कि वह संसद के मानसून सत्र के दौरान यह मुद्दा उठाएं। उन्होंने केंद्र से किरायों की समीक्षा, नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) से जांच, एयरलाइंसों में प्रतिस्पर्धा बढ़ाने, पारदर्शी निगरानी व्यवस्था और क्षेत्रीय हवाई संपर्क के लिए दीर्घकालिक नीति बनाने की मांग की।

रंगिया में ड्रग्स के आदी युवक के हमले में घायल विषु दास की मौत

रंगिया, 20 जुलाई (ख.सं.)। रंगिया के इंडिया गेट इलाके में ड्रग्स के आदी युवक के हमले में गंभीर रूप से घायल विषु दास की आज अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गयी। वह पिछले पांच दिनों से जीवन-मृत्यु के बीच संघर्ष कर रहे थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार गत 13 जुलाई की रात विषु दास अस्पताल में भर्ती अपनी बीमार मां के लिए घर से भोजन लेकर साइकिल से जा रहे थे। इसी दौरान स्कूटी सवार भबेन दास ने बिना किसी उकसावे के उन्हें रोककर बेरहमी से हमला कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के सामने विषु दास को सड़क पर गिराकर पीटा गया, जबकि घटनास्थल पर मौजूद कुछ लोग तमाशबीन बने रहे। घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी भबेन दास को गिरफ्तार कर लिया था लेकिन गंभीर रूप से घायल विषु दास ने आज अस्पताल में अंतिम सांस ली। इस घटना के बाद रंगिया में भारी आक्रोश है और कानून-व्यवस्था को लेकर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं।

शेयर बाज़ार जागरूकता एवं निवेश शिक्षा पर संगोष्ठी आयोजित

गुवाहाटी, 20 जुलाई (ख.सं.)। नॉर्थ ईस्टर्न इन्वेस्टर्स एसोसिएशन द्वारा होटल राजमहल में शेयर बाज़ार जागरूकता एवं निवेश शिक्षा विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य उत्तर-पूर्व क्षेत्र के निवेशकों में वित्तीय साक्षरता बढ़ाना तथा उन्हें जिम्मेदारीपूर्वक निवेश के प्रति जागरूक करना था। संगोष्ठी के प्रथम सत्र को लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर प्रो. सुधीर शर्मा ने संबोधित किया। उन्होंने ज्योतिष एवं अंक ज्योतिष के आधार पर निफ्टी इंडेक्स के विश्लेषण की अपनी कार्यप्रणाली को विस्तार से समझाया। लगभग चार घंटे तक चले इस सत्र में प्रतिभागियों ने गहरी रुचि दिखाई। दूसरे सत्र में मार्केट विश्लेषक तीर्थंकर दास ने स्मॉल-कैप सेक्टर का विश्लेषण प्रस्तुत किया और शोध-आधारित निवेश के महत्व पर बल दिया। उन्होंने दीर्घकालीन निवेश के लिए मजबूत बुनियादी आधार वाली कंपनियों की पहचान करने के सुझाव भी दिए। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बताया कि संस्था समय-समय पर संगोष्ठियों, कार्यशालाओं और विशेषज्ञ संवाद कार्यक्रमों के माध्यम से निवेशकों को आवश्यक ज्ञान और मार्गदर्शन उपलब्ध कराने का कार्य करती है। प्रतिभागियों ने कार्यक्रम को उपयोगी और ज्ञानवर्धक बताते हुए कहा कि उन्हें ट्रेडिंग, निवेश, बाज़ार विश्लेषण और दीर्घकालीन संपत्ति निर्माण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त हुईं। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर आयोजकों ने सभी वक्ताओं एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

आठ दिवसीय ग्रीष्मकालीन कार्यशाला का समापन

गुवाहाटी, 20 जुलाई (ख.सं.)। कामरूप महानगर जिला साहित्य सभा की युवा संसद उप-समिति के संयोजक जनार्दन शर्मा के व्यक्तिगत प्रयास और गणेशनगर स्वर्णदल शाखा साहित्य सभा के सहयोग से शाखा साहित्य सभा भवन में आयोजित आठ दिवसीय ग्रीष्मकालीन कार्यशाला का आज समापन हो गया। इस कार्यशाला में क्षेत्र के बच्चों और किशोर-किशोरियों को ओ मोर आपुनार देश, चिर चेनेही मोर भाषा जननी, बरगीत, घोषा-नाम और विवाह गीतों के शुद्ध उच्चारण व उनकी प्रस्तुति का गहन प्रशिक्षण दिया गया, जिसका संचालन अनुभवी कलाकार कल्याणी तालुकदार और रीना देउरी ने किया। समापन समारोह के तहत आयोजित उद्घाटन सभा एवं प्रमाण-पत्र वितरण कार्यक्रम का संचालन शाखा साहित्य सभा की अध्यक्ष लक्ष्मीप्रभा कलिता ने किया। जनार्दन शर्मा के संचालन और स्वागत भाषण के साथ शुरू हुए इस कार्यक्रम में कामरूप महानगर जिला साहित्य सभा के अध्यक्ष प्रफुल्ल बर्मन, सचिव अरुण कुमार महंत, प्रचार सचिव दीपक शर्मा और सांस्कृतिक उप-समिति की संयोजक पदुमी पाठक मुख्य व विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। अतिथियों ने अपने संबोधन में जनार्दन शर्मा तथा गणेशनगर साहित्य सभा की इस समयानुकूल और सार्थक पहल की दिल खोलकर प्रशंसा की और कहा कि बचपन में दी जाने वाली शिक्षा को शुद्ध और सही रूप में सिखाना व सीखना बेहद जरूरी है। इस दौरान शाखा साहित्य सभा के सचिव नवकांत मालाकार और कवयित्री नीलिमा काकति रहमान ने भी अपना संक्षिप्त संबोधन प्रस्तुत किया।

नलबाड़ी में आयुक्त ने की बाढ़ तैयारियों की समीक्षा

नलबाड़ी, 20 जुलाई (ख सं) : हाल ही में विभिन्न जिलों में आई बाढ़ को ध्यान में रखते हुए, नलबाड़ी के आयुक्त निवेदन दास पटवारी ने आज जिले में संभावित बाढ़ से निपटने की तैयारियों की समीक्षा की। एकीकृत आयुक्त कार्यालय के सभागार में आयोजित इस समीक्षा बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विवेकानंद दास, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ध्रुव ज्योति हजारिका, अंचल अधिकारी (सर्कल ऑफिसर), जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के परियोजना अधिकारी, संयुक्त स्वास्थ्य निदेशक, लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिशासी अभियंता (कार्यकारी अभियंता), लोक निर्माण (सड़क) विभाग के अधिशासी अभियंता, एपीडीसीएल के अभियंता, महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी, आपदा प्रबंधन के क्षेत्र अधिकारी, जिला कृषि अधिकारी, एसडीआरएफ, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के अधीक्षक और खंड विकास अधिकारी उपस्थित रहे। आयुक्त निवेदन दास पटवारी ने विभागीय अधिकारियों से कहा कि यदि जिले में अचानक बाढ़ आती है, तो संबंधित सभी विभाग प्रभावित लोगों को सुरक्षित बचाने (रेस्क्यू) के लिए तैयार रहें। पटवारी ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान बच्चों, गर्भवती महिलाओं और दिव्यांगजनों को प्राथमिकता दी जाए। इसके अलावा बाढ़ प्रभावित लोगों को सुरक्षित निकालने के तुरंत बाद भोजन की व्यवस्था करने के लिए अंचल अधिकारियों और खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के अधीक्षक को निर्देश दिये गये। आयुक्त ने अंचल अधिकारियों को सलाह दी कि राहत सामग्री कम से कम समय में पहुंचे, इसके लिए प्रत्येक राजस्व अंचल (रेवेन्यू सर्कल) के लिए अलग-अलग वाहनों की व्यवस्था की जाए, ताकि हर प्रभावित व्यक्ति तक समय पर खाद्य सामग्री पहुंच सके।

जीसीसी 1976 बैच ने मनाया स्वर्ण जयंती समारोह

गुवाहाटी, 20 जुलाई (ख.सं.)। गुवाहाटी कॉमर्स कॉलेज (जीसीसी) के 1976 बैच के पूर्व विद्यार्थियों ने बैच के 50 वर्ष पूर्ण होने पर उलुबाड़ी स्थित होटल ऑर्नेट में स्वर्ण जयंती समारोह का आयोजन किया।

समारोह में देश के विभिन्न शहरों से आए 47 पूर्व विद्यार्थियों ने भाग लेकर पुरानी यादों को ताजा किया। कार्यक्रम का शुभारंभ अशोक जैन योगेश के स्वागत भाषण से हुआ। इस अवसर पर दिवंगत 13 साथियों को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गयी। जयपुर से आए दीपक जालान ने सभी प्रतिभागियों का साफा और तिलक से पारंपरिक स्वागत किया। सभी सदस्यों को स्मृति-चिह्न, फूलाम गामोछा और मोतियों की माला भेंट कर सम्मानित किया गया। एक समान लाल टी-शर्ट पहनकर पूर्व विद्यार्थियों ने एकता और मित्रता का संदेश दिया। सुरेंद्र भड़ेच की शायरी तथा गीत-संगीत और नृत्य प्रस्तुतियों ने समारोह में उत्साह का माहौल बना दिया। बैच की महिला सदस्य स्मिता चक्रवर्ती और पूर्णिमा चक्रवर्ती ने भी सभी साथियों को स्वर्ण जयंती की शुभकामनाएं दीं। आयोजन को सफल बनाने में अशोक जैन योगेश, सुभाष सेठी, प्रदीप सरावगी और अनोप चन्द सेठिया का विशेष योगदान रहा। समारोह के अंत में सभी सदस्यों ने भविष्य में भी नियमित रूप से मिलते रहने का संकल्प लिया।

चांदमारी पुलिस ने चोरी के आरोप में दो को पकड़ा

गुवाहाटी, 20 जुलाई (ख.सं.)। चांदमारी थाना पुलिस टीम ने चोरी के एक मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान प्रबीन दास (26), निवासी भास्कर नगर सिराज अली (28), निवासी भास्कर नगर के रुप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए बिजली के तार बरामद कर जब्त किए हैं। मामले में विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

विस्तृत वार्षिक रख-रखाव का ठेका

ई-निविदा सूचना सं. DYCEE-PS-MLG-HQ-1R1-26-27 तारीख: 16-07-2026
भारत के राष्ट्रपति की ओर से और उनके लिए निम्नलिखित कार्यों के लिए "ई-टेंडरिंग" प्रणाली के माध्यम से ई-निविदा आमंत्रित किया गया है। कार्य का नाम: [illegible] एसएसई/[illegible]/मालीगांव के अधीन मालीगांव पर [illegible] के विस्तृत वार्षिक रख-रखाव का ठेका प्रदान करना। निविदा राशि [illegible] धरोहर राशि [illegible]। निविदा बंद होने की तारीख एवं समय: 06-08-2026 को 15:00 बजे [illegible] विस्तृत विवरण www.ireps.gov.in [illegible]
डीवाई.सीईई/पीएस/एमएलजी/एचक्यू,
पूर्वोत्तर सीमा रेलवे
मुस्कान के साथ ग्राहकों की सेवा में

आईसीएआई की गुवाहाटी शाखा (ईआईआरसी) की 49वीं वार्षिक आम सभा सफलतापूर्वक संपन्न

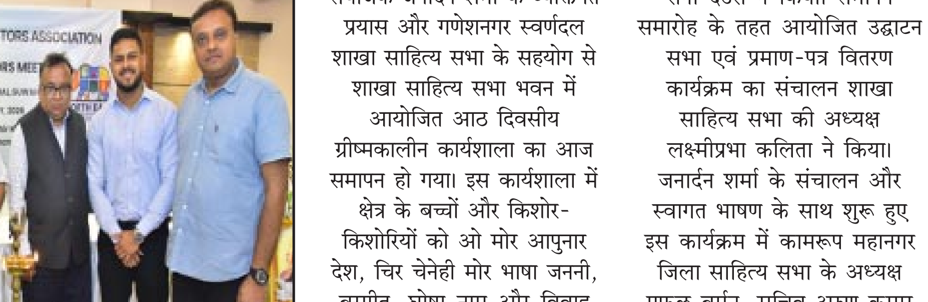

गुवाहाटी, 20 जुलाई (ख.सं.)। भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान (आईसीएआई) के पूर्वी भारत क्षेत्रीय परिषद (ईआईआरसी) की गुवाहाटी शाखा की 49वीं वार्षिक आम सभा (एजीएम) आईसीएआई भवन, गुवाहाटी में सफलतापूर्वक आयोजित की गयी। कार्यवाही का शुभारंभ शाखा सचिव सीए पीयूष बिमरीवाल द्वारा किया गया। तत्पश्चात शाखा अध्यक्ष सीए अंजनी कुमार मुंधड़ा ने सभा की कार्यवाही का संचालन करते हुए उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया तथा शाखा की उपलब्धियों, विभिन्न पहलों और भविष्य की कार्ययोजना पर प्रकाश डाला। शाखा सचिव सीए पीयूष बिमरीवाल ने शाखा कोषाध्यक्ष सीए कुमार विक्टर साहा के साथ वित्तीय वर्ष 2025-26 की वार्षिक रिपोर्ट, लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण तथा लेखापरीक्षा प्रतिवेदन सदन के समक्ष प्रस्तुत किया। विस्तृत विचार-विमर्श के उपरांत इन सभी प्रतिवेदनों को सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया। इस अवसर पर आईसीएआई के केंद्रीय परिषद सदस्य सीए रवि कुमार पटवा ने भी सभा को संबोधित किया। उन्होंने अपने बहुमूल्य विचार साझा करते हुए सदस्यों से व्यवसाय एवं संस्थान के विकास में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम का समापन शाखा के उपाध्यक्ष सीए जय प्रकाश गुप्ता द्वारा प्रस्तुत औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। उन्होंने सभी विशिष्ट अतिथियों, सदस्यों एवं कार्यक्रम की सफलता में योगदान देने वाले सभी व्यक्तियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इसके अतिरिक्त, गुवाहाटी शाखा द्वारा जुलाई 2025 से जून 2026 के मध्य अर्हता प्राप्त करने वाले युवा चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के सशक्तिकरण हेतु एक विशेष कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में इस बात पर विस्तृत चर्चा की गयी कि किस प्रकार चार्टर्ड अकाउंटेंसी व्यवसाय को प्रभावी, उत्तरदायी एवं उत्कृष्ट तरीके से आगे बढ़ाते हुए देश की आर्थिक प्रगति का एक सशक्त आधार बनाया जा सकता है। नव-योग्य सदस्यों ने भी अपने विचार एवं अनुभव साझा किए, तथा आईसीएआई परिवार का हिस्सा बनने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सर्वोच्च व्यावसायिक मानकों एवं नैतिक मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

रंगिया मंडल में बहुउद्देशीय स्टॉलों के लिए ई-नीलामी

5 वर्षों की अवधि के लिए रंगिया मंडल में 09 बहुउद्देशीय स्टॉलों (एमपीएस) के लिए ई-नीलामी। रेट यूनिट: वार्षिक लाइसेंसिंग शुल्क; टिप्पस/दिन: 1826।

ऑक्सन कैटलॉग संख्या. RNY-MPS-10

एसईक्यू संख्या	एलओटी संख्या/श्रेणी	विवरण
[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	05 (पांच) वर्षों के लिए [illegible] नलबाड़ी रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या-1 पर [illegible] बहुउद्देशीय स्टॉल (एमपीएस) का प्रावधान।
[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]

नीलाम प्रारंभ होने की तारीख एवं समय: 29-07-2026 तारीख को 12.30 घंटे में एवं बंद होगी: 14.20 घंटे में। प्रारंभिक कूलिंग ऑफ पीरियड 30 [illegible]
नोट: [illegible] www.ireps.gov.in [illegible]

मंडल रेलवे प्रबंधक (सी), रंगिया
पूर्वोत्तर सीमा रेलवे
मुस्कान के साथ ग्राहकों की सेवा में

पहाड़ी राज्यों में त्रासदी

नगालैंड के मोन जिले में बादल फटने से हुई भीषण त्रासदी ने एक बार फिर पूर्वोत्तर के पहाड़ी राज्यों की संवेदनशील भौगोलिक स्थिति को उजागर कर दिया है। इस हादसे में आठ लोगों की मलबे में दबकर मृत्यु हो गयी, दर्जनों घर धराशायी हो गये और अनेक परिवार बेघर हो गये। राहत एवं बचाव अभियान जारी है, लेकिन पहाड़ों पर आयी ऐसी आपदाएं केवल तत्काल राहत का विषय नहीं हैं, बल्कि हमारी विकास नीति और पर्यावरणीय दृष्टिकोण पर गंभीर प्रश्नचिह्न भी लगाती हैं।

यह दुर्भाग्यपूर्ण संयोग नहीं है कि कुछ ही समय पहले अरुणाचल प्रदेश में भी बादल फटने से व्यापक तबाही हुई थी। वहां आज भी अनेक प्रभावित परिवार पुनर्वास की प्रतीक्षा कर रहे हैं। अब नगालैंड के मोन जिले में वही भयावह तस्वीर सामने है। यह संकेत है कि पूर्वोत्तर के पर्वतीय राज्यों में प्राकृतिक आपदाएं अब अपवाद नहीं, बल्कि लगातार बढ़ती चुनौती बनती जा रही हैं।

पहाड़ केवल पत्थरों का ढेर नहीं होते। वे जल, जंगल, जैव विविधता और लाखों लोगों की जीवनरेखा हैं। उनकी अपनी वहन क्षमता होती है। जब विकास की योजनाएं इस क्षमता की अनदेखी करती हैं, तब प्रकृति अपना संतुलन स्वयं स्थापित करती है और इसकी सबसे बड़ी कीमत आम नागरिकों को चुकानी पड़ती है। अनियोजित सड़क निर्माण, अंधाधुंध कटाई, पहाड़ियों की खुदाई, बिना वैज्ञानिक अध्ययन के भवन निर्माण तथा जल निकासी की प्राकृतिक व्यवस्था में हस्तक्षेप जैसी गतिविधियां आपदाओं की तीव्रता बढ़ा देती हैं।

पूर्वोत्तर देश का सबसे अधिक वर्षा वाला क्षेत्र है। यहां की भौगोलिक संरचना हिमालयी और उप-हिमालयी पर्वतीय क्षेत्र से जुड़ी हुई है, जहां मिट्टी अपेक्षाकृत ढीली होती है। ऐसे क्षेत्रों में भारी वर्षा के दौरान भूस्खलन और बादल फटने जैसी घटनाओं का खतरा स्वाभाविक रूप से अधिक रहता है। जलवायु परिवर्तन ने इस जोखिम को और बढ़ा दिया है। कम समय में अत्यधिक वर्षा अब सामान्य होती जा रही है, जिससे पहाड़ों की स्थिरता प्रभावित हो रही है।

विकास किसी भी राज्य की आवश्यकता है। सड़कें बनें, पुल बनें, अस्पताल और विद्यालय बनें, पर्यटन बढ़े और लोगों को रोजगार मिले। लेकिन विकास का अर्थ प्रकृति को पराजित करना नहीं हो सकता। विशेषकर पूर्वोत्तर जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में विकास की हर परियोजना पर्यावरणीय संतुलन को ध्यान में रखकर बनायी जानी चाहिए। इंजीनियरिंग के साथ भू-वैज्ञानिकों, पर्यावरण विशेषज्ञों और स्थानीय समुदायों की राय को भी समान महत्व देना होगा।

स्थानीय पारंपरिक ज्ञान भी इस दिशा में उपयोगी सिद्ध हो सकता है। पूर्वोत्तर के आदिवासी और स्थानीय समुदाय सदियों से प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर जीवन जीते आए हैं। उनके अनुभव बताते हैं कि कौन-सी पहाड़ियां सुरक्षित हैं, कहां निर्माण नहीं होना चाहिए और जल प्रवाह के प्राकृतिक मार्गों को कैसे सुरक्षित रखा जाए। आधुनिक विकास और पारंपरिक ज्ञान का समन्वय ही भविष्य का रास्ता है।

सरकारों की जिम्मेदारी केवल राहत शिविर लगाने या मुआवजा देने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। आपदा पूर्व चेतावनी प्रणाली को मजबूत करना, संवेदनशील क्षेत्रों का वैज्ञानिक मानचित्रण, निर्माण गतिविधियों पर सख्त निगरानी, भूस्खलन संभावित क्षेत्रों में बसावट पर नियंत्रण तथा प्रभावित परिवारों का शीघ्र और स्थायी पुनर्वास समय की मांग है। अरुणाचल प्रदेश के विस्थापित परिवारों का पुनर्वास अभी तक अधूरा है। नगालैंड के प्रभावित लोगों के साथ भी ऐसी स्थिति नहीं दोहराई जानी चाहिए।

पूर्वोत्तर भारत की प्राकृतिक सुंदरता उसकी सबसे बड़ी पूंजी है। यदि यही प्रकृति असंतुलित हो गयी, तो विकास भी टिकाऊ नहीं रहेगा। इसलिए अब समय आ गया है कि विकास और पर्यावरण को विरोधी नहीं, बल्कि साझेदार माना जाए। पहाड़ों पर बनने वाली हर सड़क, हर भवन और हर परियोजना प्रकृति की अनुमति और वैज्ञानिक विवेक के साथ आगे बढ़े।

नगालैंड और अरुणाचल की त्रासदी केवल दो राज्यों की पीड़ा नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए चेतावनी है। यदि हमने अब भी प्रकृति की भाषा नहीं समझी, तो आने वाले वर्षों में ऐसी आपदाएं और भी भयावह रूप ले सकती हैं। विकास का भविष्य तभी सुरक्षित होगा, जब उसमें प्रकृति की सहभागिता, संवेदनशीलता और सम्मान सुनिश्चित किया जाएगा। यही पहाड़ों के प्रति हमारी सच्ची जिम्मेदारी है।

| संपादकीय |

भारत-यूके सीईटीए : वादों को साकार करने का कदम

राजेश अग्रवाल

यूनाइटेड किंगडम के साथ भारत का व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए) भारत के विदेशी व्यापार संबंधों में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। जहां पिछले कम से कम दो दशकों से भारत का आर्थिक एकीकरण पूर्वी एशियाई देशों के साथ जुड़ा हुआ था, वहीं यूनाइटेड किंगडम 1970 के दशक से ही यूरोपीय आर्थिक एकीकरण का हिस्सा रहा है। दोनों ही अर्थव्यवस्थाओं के लिए, सीईटीएएक बहुत बड़े बदलाव और अपनी बाहरी आर्थिक साझेदारियों में विविधता लाने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। जुलाई 2025 में हस्ताक्षर हो जाने जाने के बाद, सभी घरेलू कानूनी प्रक्रियाओं को पूरा करके सीईटीए 15 जुलाई 2026 को लागू हुआ। यह बातचीत से लेकर इसके लागू होने तक की संपूर्ण यात्रा को दर्शाता है। यह उत्सव मनाने की घड़ी और दोनों देशों के लिए अपने लंबे ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक संबंधों को अगले स्तर पर ले जाने का अवसर भी है।

सीईटीए भारत के मैन्यूफैक्चरिंग आधार, सेवा क्षेत्र की मजबूती और वैश्विक स्तर पर हमारे कुशल श्रमशक्ति की मांग में भरोसे को दर्शाता है। इस समझौते की खूबी यह है कि इसमें श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिए बाजार की सुलभता, सेवाओं की आवाजाही और आर्थिक सहयोग के नये क्षेत्रों को शामिल करने पर जोर दिया गया है। सीईटीए भरसक व्यापक है और यह भारत के नयी पीढ़ी के व्यापार समझौतों के लिए एक आदर्श नमूना है।

इस समझौते का महत्व इसके पैमाने और संतुलन में भी निहित है। भारत और यूनाइटेड किंगडम के बीच आपसी व्यापार पहले ही लगभग 56 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच चुका है और दोनों देशों ने 2030 तक अपने व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। यह समझौता उस लक्ष्य को अपेक्षाकृत अधिक निश्चितता और सटीक पूर्वानुमान के साथ हासिल करने का ढांचा देने के साथ-साथ भारत-यूनाइटेड किंगडम रोडमैप 2030की व्यापक रणनीतिक दिशा को भी दर्शाता है। यह समझौता उस विजन को साकार करने की दिशा में एक अहम कदम है और इसका असर समय के साथ दिखायी देगा।

इस समझौते की एक मुख्य विशेषता भारतीय निर्यातों के लिए बाजार की सुलभता सुनिश्चित करना है। भारतीय सामानों को यूनाइटेड किंगडममें लगभग 99 प्रतिशत टैरिफ लाइनों पर शुल्क-मुक्त पहुंच (ड्यूटी-फ्री एक्सेस) मिलेगा, जिसमें व्यापार मूल्य का लगभग शत-प्रतिशत हिस्सा शामिल होगा। इससे वस्त्र एवं परिधान, चमड़ा एवं फुटवियर, समुद्री उत्पाद, खेल का सामान, रत्न एवं आभूषण, खिलौने और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ (प्रोसेस्ड फूड) जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धात्मकता मजबूत होगी। इन क्षेत्रों का अनुमानित मूल्य लगभग 150 बिलियन अमेरिकी डॉलर है।ये ऐसे क्षेत्र हैं, जिनमें भारत के पास बड़े पैमाने पर काम करने की क्षमता, कौशल तथा निर्यात करने की काबिलियत है और जहां बाजार की सुलभता सीधे तौर पर नौकरियों एवं अधिक आमदनी के अवसरों में बदल सकती है। यूनाइटेड किंगडम के परिधानों एवं घरेलू वस्त्र बाजार में 6.8 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ एक बड़े आपूर्तिकर्ता के तौर पर, सीईटीए से भारत के वस्त्र एवं परिधान उद्योग को उल्लेखनीय प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है। इससे चीन, बांग्लादेश और दूसरे एशियाई आपूर्तिकर्ता देशों के साथ भारत के अंतर को पाटने में भी मदद मिलेगी। इससे भारत को यूनाइटेड किंग्डम के 8.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर के चमड़ा एवं फुटवियर बाजार में निर्यात करने का एक बड़ा मौका भी मिलेगा। यह समझौता सिर्फ टैरिफ में राहत से ही नहीं, बल्कि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई), छोटे व्यवसायों, कारीगरों और महिलाओं के नेतृत्व वाले व्यवसायों के लिए अधिक नौकरियां तथा बाजार के अवसर सृजित करने से भीजुड़ा है।

यह समझौता खेती, मछली पालन (खासकर फ्रोजन झींगे तथा प्रॉन) और खाद्य प्रसंस्करण से जुड़े निर्यात के लिए भी नयी संभावनाएं खोलता है। साथ ही, इस समझौते को भारत के संवेदनशील क्षेत्रों जैसे कि डेयरी, सेब, अनाज और खाद्य तेल की सुरक्षा को ध्यान में रखकरबेहद सावधानी से तैयार किया गया है। इनमें से कुछ संवेदनशील उत्पादों को या तो बाहर रखा गया है या टैरिफ रेट कोटा या फिर चरणबद्ध उदारीकरण के जरिए सुरक्षित किया गया है।

दुनिया की अर्थव्यवस्था तेजी से सेवा-आधारित होती जा रही है और दोनों ही अर्थव्यवस्थाओं को इसमें तुलनात्मक रूप से ठोस फायदे हासिल हैं। सीईटीए में भारत के निर्यात की दृष्टि से अहम सभी बड़े सेवा क्षेत्र और 137 उप-क्षेत्र शामिल हैं। इनमें आईटी एवं आईटी-आधारित सेवाएं, वित्तीय एवं पेशेवर सेवाएं, व्यवसाय संबंधी परामर्श (बिजनेस कंसल्टिंग), शिक्षा, दूरसंचार, आर्किटेक्चर और इंजीनियरिंग शामिल हैं। इस समझौते में नयी वित्तीय सेवाएं देने और फिनटेक, रेगटेक एवं वित्तीय क्षेत्र में विविधता से संबंधित सहयोग से जुड़ी प्रतिबद्धताएं भी शामिल हैं।

भारत और यूनाइटेड किंगडम के बीच यह नया आर्थिक गलियारा मुख्य रूप से पेशेवरों की आवाजाही (प्रोफेशनल मोबिलिटी)से संबंधित है। सीईटीएअनुबंध-आधारित सेवा प्रदाताओं, व्यवसाय के लिए आने वाले लोगों, एक ही कंपनी के भीतर स्थानांतरित होने वाले कर्मचारियों और स्वतंत्र पेशेवरों के लिए आसान रास्तों का प्रावधान करता है। सीईटीए व्यावसायिक योग्यताओं को आपसी सहमति से मान्यता देने का एक ऐसा ढांचा भी तैयार करता है, जिसमें आपसी हित वाली व्यावसायिक सेवाओं की पहचान करने और ऐसे समझौतों को पूरा करने की एक स्पष्ट समय-सीमा निर्धारित की गयी है। सीईटी एभारत के सांस्कृतिक तथा पेशेवर प्रतिभाओं को भी मान्यता देता है और 1,800 भारतीय शेफ, योग प्रशिक्षकों और शास्त्रीय संगीतकारों के लिए हर वर्ष मौके प्रदान करेगा। इससे स्पष्ट होता है कि आवाजाही का मतलब सिर्फ कुछ खास पेशेवरों की ही आवाजाही नहीं है, बल्कि इसका संबंध उन श्रेणी की प्रतिभाओं से भी है जिनमें भारत के पास यूनाइटेड किंगडम को प्रदान करने के लिए कुछ खास है।

भारतीय पेशेवरों के लिए एक और अहम फायदादोहरी अंशदान संधि(डबल कंट्रीब्यूशन कन्वेंशन)है, जो सीईटीए के साथ ही लागू हुई। इससे भारतीय कर्मचारियों और उनके नियोक्ताओं को यूनाइटेड किंगडम में पांच वर्ष तक सामाजिक सुरक्षा अंशदान (सोशल सिक्योरिटी कंट्रीब्यूशन) करने से छूट मिलेगी। वार्षिक रूप से लगभग 600 मिलियन अमेरिकी डॉलर का यह सामाजिक सुरक्षा अंशदान उन भारतीय पेशेवरों के लिए एक तरह का संक कॉस्ट यानी वापस नहीं मिलने वाला खर्च था, जो यूनाइटेड किंगडम में कम समय या अस्थायी काम के लिए तो जाते थे, लेकिन पेंशन या अन्य सामाजिक सुरक्षा लाभों को पाने के लिए जरूरी समय तक वहां नहीं रुक पाते थे। लगभग 75,000 भारतीय पेशेवरों और उनके नियोक्ताओं के लिए यह एक बड़ी राहत है।

कोई भी आधुनिक मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) सामानों एवं सेवाओं तक बाजार की पहुंच के पारंपरिक दायरे से आगे बढ़कर सहयोग के नये क्षेत्रों को शामिल करेगा। सीईटीएने सरकारी खरीद, बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) और व्यापार तथापर्यावरण, श्रम, लैंगिक समानत एवं भ्रष्टाचार-रोधी उपाय जैसे सतत विकास से जुड़े विषयों में संतुलित नियम अपनाए हैं। ये आधुनिक व्यापार समझौतों के नये आयाम हैं। सरकारी खरीद के मामले में, सीईटीए ने सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के लिए सार्वजनिक खरीद नीति आदेश के तहत सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को प्राथमिकता देने की भारत की नीतिगत गुंजाइश को बनाये रखा है। इसके अलावाजहां यूनाइटेड किंगडम के आपूर्तिकर्ता श्रेणी- के स्थानीय आपूर्तिकर्ता के तौर पर हिस्सा लेने के पात्र होंगे, वहीं भारतीय आपूर्तिकर्ताओं को श्रेणी- के स्थानीय आपूर्तिकर्ता के तौर पर प्राथमिकता मिलती रहेगी। इसी तरह, भारत ने आईपीआर से संबंधित अध्याय पर व्यापक बातचीत की है। साथ ही, जरूरत पड़ने पर अनिवार्य लाइसेंस देने या अन्य लचीले प्रावधानों का उपयोग करने का अधिकार भी पूरी तरह अपने पास सुरक्षित रखा है।

इस समझौते का व्यापक महत्व भारत के विकसित भारत 2047 के विजन के साथ पूरी तरह मेल खाता है। दोनों साझेदारों के सामने अब विविध क्षेत्रों में किये गये वादों को लागू करने की चुनौती है। सीईटीए के लागू होने के साथ, भारत और यूनाइटेड किंगडम के पास आने वाले दशकों में एक ठोस, रचनात्मक एवं जन-केंद्रितसाझेदारी बनाने का एक दुर्लभ मौका है।

(लेखक वाणिज्य विभाग के सचिव हैं)

स्काईरूट ने भारत को बना दिया तीसरा स्पेश पावर

प्रवीण कौशल

जुलाई 18, 2026 की सुबह. श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से सात-मंजिले इमारत जितना ऊंचा रॉकेट विक्रम-1 उड़ान भरता है। लगभग पंद्रह मिनट की उड़ान के बाद वह पृथ्वी से लगभग 450 किमी ऊपर कक्षा में छह पेलोड सफलतापूर्वक स्थापित कर देता है। इसे बनाने वाली कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस न तो कोई सरकारी संस्था है, न कोई पुरानी रक्षा कंपनी, और न ही इसकी स्थापना को अभी एक दशक पूरा हुआ है। इस प्रक्षेपण के साथ ही भारत अमेरिका और चीन के बाद दुनिया का तीसरा देश बन गया, जहां एक निजी कंपनी ने अपने दम पर रॉकेट का डिजाइन तैयार किया, उसका निर्माण किया और उसे सफलतापूर्वक पृथ्वी की कक्षा में पहुंचाया।

मई 2020 में भारत सरकार ने घोषणा की थी कि सरकारी एकाधिकार वाले अंतरिक्ष क्षेत्र निजी भागीदारी के लिए खोल दिया जायेगा. केवल छह वर्षों में स्काईरूट एयरोस्पेस ने वह उपलब्धि हासिल कर ली. स्वतंत्र भारत के इतिहास में अंतरिक्ष क्षेत्र पूरी तरह सरकार के अधिकार क्षेत्र में रहा। इसरो ही प्रक्षेपण यानों का निर्माण करता था, उपग्रह बनाता था और प्रक्षेपण स्थलों का संचालन करता था। निजी कंपनियां अधिक-से-अधिक पुर्जे बनाकर इसरो से ठेका मिलने की उम्मीद कर सकती थीं। यह व्यवस्था केवल अंतरिक्ष क्षेत्र तक सीमित नहीं थी. दूरसंचार, कोयला, विमानन और बैंकिंग जैसे अनेक क्षेत्रों में भी दशकों तक यही सोच हावी रही कि कुछ क्षेत्र इतने रणनीतिक या पूंजी-प्रधान हैं कि उन्हें निजी हाथों में नहीं सौंपा जा सकता।

ऐसी सोच की वास्तविक कीमत तुरंत दिखायी नहीं देती. उसकी कीमत अनुपस्थिति के रूप में सामने आती है। उन इंजीनियरों की पूरी पीढ़ी, जो रॉकेट बनाना चाहती थी, जिसके पास सपने देखने के लिए केवल एक ही नियोक्ता था। वह पूंजी, जो दस अलग-अलग नवाचारों को जन्म दे सकती थी, केवल एक ही दिशा में लगती रही और वह प्रतिस्पर्धा, जिससे नवाचार जन्म लेता है, कभी विकसित ही नहीं हो सकी।

स्काईरूट के संस्थापक इंजीनियर पवन कुमार चंदाना और नागा भारथ डाका इस सच्चाई को समझते थे। दोनों इसरो में वैज्ञानिक थे। चंदाना भारत के सबसे शक्तिशाली प्रक्षेपण यान जीएसएलवी मार्क-3 पर काम कर चुके थे, जबकि डाका उन एवियोनिक्स प्रणालियों के विशेषज्ञ थे, जो उड़ान के दौरान रॉकेट को अपनी स्थिति पहचानने और आवश्यकता पड़ने पर मार्ग सुधारने में सक्षम बनाती हैं। जून 2018 में, जब भारत में किसी निजी कंपनी द्वारा अपना स्वयं का रॉकेट बनाना लगभग असंभव कल्पना माना जाता था, तब दोनों ने अपनी सुरक्षित सरकारी नौकरियां छोड़ दीं। उन्होंने केवल दस लोगों की टीम और 15 लाख डॉलर की प्रारंभिक पूंजी के साथ स्काईरूट की शुरुआत की।

आठ वर्षों बाद, 16 करोड़ डॉलर से अधिक निवेश जुटाने के बाद, उसी साहसिक निर्णय का परिणाम आज पृथ्वी की कक्षा में पहुंचा हुआ एक सफल रॉकेट है। चंदाना और डाका की तकनीकी क्षमता इसरो में दशकों से हुए सार्वजनिक निवेश और प्रशिक्षण का परिणाम थी। इसरो द्वारा विकसित सत्तर से अधिक तकनीकों का औपचारिक रूप से निजी उद्योग को हस्तांतरण किया जा चुका है, जिससे स्काईरूट जैसी कंपनियां शून्य से शुरुआत करने के बजाय सरकारी अनुसंधान के आधार पर आगे बढ़ सकीं. सरकारी निवेश ने प्रतिभा तैयार की और नीति सुधारों ने उसे अवसर दिया। विक्रम-1 इसी संगम का परिणाम है। रॉकेट का नाम विक्रम साराभाई के सम्मान में रखा गया है।

इस उपलब्धि का एक रणनीतिक पक्ष भी है। आज भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था का मूल्य लगभग 8.4 अरब डॉलर है, जो वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था का लगभग दो प्रतिशत है। सरकार का अनुमान है कि यह अर्थव्यवस्था 2033 तक लगभग 44 अरब डॉलर और 2040 तक 100 अरब डॉलर तक पहुंच सकती है। जब तक यह क्षेत्र केवल एक सरकारी विभाग तक सीमित था, तब तक यह विकास संभव ही नहीं था। आज भारत में 300 से अधिक निजी अंतरिक्ष स्टार्टअप सक्रिय हैं, जबकि पांच वर्ष पहले इनकी संख्या मुट्ठी भर थी। यह क्षेत्र पहले ही लगभग एक लाख लोगों को रोजगार दे रहा है।

जिन देशों को कृषि, आपदा प्रबंधन और संचार के लिए उपग्रहों की आवश्यकता है, लेकिन वे स्वयं श्रीहरिकोटा जैसा प्रक्षेपण केंद्र नहीं बना सकते, वे इसके जरिये छोटे उपग्रहों को सस्ते और विश्वसनीय ढंग से प्रक्षेपित कर सकते हैं। यह केवल एक व्यावसायिक अवसर नहीं, एक भू-राजनीतिक अवसर भी है और भारत इसे सबसे पहले प्राप्त करने की स्थिति में है। बेशक, इससे भविष्य की सफलता की गारंटी नहीं मिलती। स्काईरूट को अभी यह सिद्ध करना होगा कि वह केवल एक सफल प्रक्षेपण ही नहीं, बल्कि लगातार और विश्वसनीय प्रक्षेपण कर सकती है, स्थापित वैश्विक कंपनियों के साथ लागत के स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकती है और अंतर्राष्ट्रीय ग्राहक तथा बीमा कंपनियां अपने महंगे पेलोड इसे भरोसे के साथ सौंप सकते हैं। ये सभी वास्तविक चुनौतियां हैं। इसे कंपनी भी स्वीकार करती है। बहरहाल, भारत अंतरिक्ष में 1969 में ही पहुंच चुका था, लेकिन 18 जुलाई, 2026 ने यह सिद्ध कर दिया कि भारत ने यह भी सीख लिया है कि अपनी ही संभावनाओं के मार्ग में खड़ी अनावश्यक बाधाओं को कैसे हटाया जाए।

संसद का मानसून सत्र : हंगामे नहीं, समाधान का संकल्प बने

ललित गर्ग

भारतीय लोकतंत्र का सबसे बड़ा बल उसकी संसद है। यही वह मंच है जहां देश की आकांक्षाएं, समस्याएं और भविष्य की दिशा तय होती है। संसद केवल कानून बनाने का स्थान नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विमर्श, जवाबदेही और जनभावनाओं की अभिव्यक्ति का सर्वोच्च मंच है। ऐसे में 20 जुलाई से प्रारंभ हो रहा संसद का मानसून सत्र केवल एक संसदीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि लोकतंत्र की परिपक्वता की नयी परीक्षा भी है। देश की जनता की अपेक्षा है कि यह सत्र शोर-शराबे, आरोप-प्रत्यारोप और गतिरोध का नहीं, बल्कि सार्थक संवाद, गंभीर बहस और ठोस निर्णयों का सत्र बने। दुर्भाग्य से पिछले कुछ वर्षों में संसद के दृश्य लोकतांत्रिक गरिमा की अपेक्षा राजनीतिक टकराव के प्रतीक अधिक दिखायी दिये हैं। सदन में नीति और नीयत पर चर्चा कम तथा नारे, तख्तियां, वेल में प्रदर्शन और कार्यवाही बाधित करने की प्रवृत्ति अधिक दिखायी देती रही है। संसद का प्रत्येक मिनट जनता के कर से चलता है, इसलिए उसका अनुत्पादक होना केवल संसदीय विफलता नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संसाधनों का भी दुरुपयोग है। संसद का उद्देश्य सरकार को घेरना अवश्य है, लेकिन केवल हंगामा खड़ा करना नहीं; उसी प्रकार सरकार का दायित्व केवल बहुमत के बल पर निर्णय लेना नहीं, बल्कि विपक्ष की बात सुनना और संवाद के लिए वातावरण बनाना भी है।

इस बार विपक्ष के पास अनेक ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर वह सरकार को घेरने की तैयारी में है। प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं, शिक्षा व्यवस्था, महंगाई, बेरोजगारी, विदेश नीति, सीमा सुरक्षा, धार्मिक स्थलों से जुड़े विवाद, मन्दिरों में चोरी, कर व्यवस्था और चुनावी प्रक्रिया जैसे विषय निश्चित रूप से राष्ट्रीय महत्व के हैं। इन पर संसद में गंभीर चर्चा होना लोकतंत्र की आवश्यकता भी है और जनता का अधिकार भी। लेकिन यदि ये विषय केवल राजनीतिक नारेबाजी का माध्यम बनकर रह जाएं, तो उनका उद्देश्य समाप्त हो जाएगा। संसद में उठाया गया प्रत्येक मुद्दा समाधान की दिशा में बढ़े, यही लोकतांत्रिक परिपक्वता का प्रमाण होगा। विपक्ष लोकतंत्र का अनिवार्य स्तंभ है। उसका दायित्व केवल सरकार का विरोध करना नहीं, बल्कि सरकार को बेहतर निर्णय लेने के लिए प्रेरित करना भी है। स्वस्थ लोकतंत्र में विपक्ष सरकार की आंख और कान दोनों होता है। यदि वह केवल विरोध की

राजनीति तक सीमित हो जाए, तो उसकी विश्वसनीयता भी प्रभावित होती है। दूसरी ओर सरकार भी यदि विपक्ष के प्रत्येक प्रश्न को राजनीतिक षड्यंत्र मानकर संवाद से बचती है, तो लोकतंत्र का संतुलन कमजोर पड़ता है। इसलिए सत्ता और विपक्ष, दोनों को अपने-अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करना होगा। मानसून सत्र में यदि शिक्षा व्यवस्था पर चर्चा होती है तो उसका केंद्र छात्रों का भविष्य होना चाहिए, न कि केवल राजनीतिक लाभ। यदि महंगाई पर बहस हो तो उसका उद्देश्य आम नागरिक को राहत देने वाली नीतियों पर विचार होना चाहिए। यदि राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेश नीति अथवा सीमा संबंधी विषय उठते हैं तो उनमें दलगत राजनीति के बजाय राष्ट्रीय हित सर्वोपरि होना चाहिए। संसद की बहस तब सार्थक कही जाएगी, जब उससे नीति निर्माण की दिशा निकले और जनता को यह विश्वास हो कि उसकी समस्याओं पर गंभीरता से विचार हो रहा है। लोकतंत्र में बहस और असहमति कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। किंतु जब असहमति का स्थान अवरोध ले लेता है और बहस की जगह बहिष्कार आ जाता है, तब लोकतंत्र की आत्मा आहत होती है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था कि संसद को चलाना ही लोकतंत्र की वास्तविक कसौटी है। यह विचार आज पहले से अधिक प्रासंगिक है। संसद का ठप होना किसी एक दल की नहीं, बल्कि पूरे लोकतंत्र की हार है।

इस समय देश अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है। युवाओं को रोजगार चाहिए, किसानों को बेहतर आय की अपेक्षा है, मध्यम वर्ग महंगाई से परेशान है, शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार की जरूरत है तथा वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों के बीच भारत को अपनी विकास

गति बनाये रखनी है। ऐसे समय संसद से जनता समाधान चाहती है, संघर्ष नहीं। यदि पूरा सत्र केवल राजनीतिक टकराव में बीत गया तो सबसे बड़ा नुकसान आम नागरिक का होगा, जिसकी आवाज संसद तक पहुंचनी चाहिए। संसद की गरिमा केवल अध्यक्ष की कुर्सी या ऐतिहासिक भवन से नहीं बनती, बल्कि वहां बैठने वाले जनप्रतिनिधियों के आचरण से बनती है। सांसदों को यह स्मरण रखना चाहिए कि वे केवल अपने दल के प्रतिनिधि नहीं, बल्कि देश की जनता के प्रतिनिधि हैं। संसद में उनका प्रत्येक शब्द और प्रत्येक व्यवहार लोकतांत्रिक संस्कृति का हिस्सा बनता है। इसलिए व्यक्तिगत आरोपों और कटुता के स्थान पर तथ्यों, तर्कों और नीति आधारित विमर्श को प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

भारतीय जनता पार्टी का यह दावा रहा है कि वह विकास, सुशासन और नीति आधारित राजनीति में विश्वास रखती है। यदि ऐसा है तो उसे विपक्ष द्वारा उठाये गये महत्वपूर्ण प्रश्नों का तथ्यात्मक उत्तर देने में संकोच नहीं होना चाहिए। वहीं विपक्ष को भी यह समझना होगा कि केवल नारे लगाने अथवा कार्यवाही बाधित करने से जनता का विश्वास नहीं जीता जा सकता। उसे वैकल्पिक नीतियां, ठोस सुझाव और रचनात्मक आलोचना प्रस्तुत करनी होगी। लोकतंत्र में सरकार और विपक्ष दोनों की सफलता संसद की सफलता से जुड़ी होती है। आज सूचना क्रांति के युग में जनता सब कुछ देख और समझ रही है। संसद में कौन बहस कर रहा है, कौन केवल राजनीतिक प्रदर्शन कर रहा है और कौन जनहित के प्रश्न उठा रहा है, इसका मूल्यांकन मतदाता स्वयं करता है। इसलिए अब केवल प्रतीकात्मक राजनीति से काम नहीं चलेगा। जनप्रतिनिधियों को अपने दायित्वों का निर्वहन अधिक गंभीरता, संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ करना होगा। दार्शनिक एवं भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने कहा था कि संसद राष्ट्र के विवेक की आवाज होती है। यदि यही विवेक शोर में दब जाए तो लोकतंत्र का मार्ग भी धुंधला पड़ जाता है। इसलिए मानसून सत्र को ऐसे अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए, जहां सत्ता और विपक्ष मिलकर यह संदेश दें कि लोकतंत्र की असली शक्ति संवाद, सहमति और सार्थक बहस में निहित है।

किसी भी आदर्श एवं मजबूत लोकतंत्र की अपेक्षा है विपक्ष का समक्ष एवं सकारात्मक सक्रिय होना। क्योंकि विपक्ष लोकतंत्र की आंख है। लेकिन जब यह आंख केवल अंधविरोध में अंधी हो जाए, तो लोकतंत्र की दृष्टि धुंधली हो जाती है। जनता का दबाव ही विपक्ष को सद्बुद्धि दे सकता है। जब जनता यह स्पष्ट रूप से जताए कि उसे रचनात्मक, नीति आधारित विपक्ष चाहिए न कि नारेबाज नेता, तब विपक्ष को भी सुधरना पड़ेगा। विपक्ष को आत्मचिंतन करना चाहिए कि क्या वह जनता की लड़ाई लड़ रहा है या केवल सत्तालोलुपता की

राजनीति कर रहा है? मीडिया को चाहिए कि वह हंगामे को महिमामंडित करने के बजाय, नीति और तर्क आधारित बहस को आगे बढ़ाये। संसद में विवाद होना लोकतंत्र की शक्ति है, लेकिन वही विवाद अगर दिशा विहीन हो जाए, तो वह कमजोरी बन जाता है। आज जरूरत है कि संसद की गरिमा को पुनर्स्थापित किया जाए, विपक्ष अपनी भूमिका को गंभीरता से निभाये और सरकार भी अहंकार छोड़कर संवाद को अवसर दे। संसद यदि सचमुच लोक का मंदिर है, तो वहां केवल सत्ता की पूजा नहीं, लोकमंगल की बात होनी चाहिए, यही मानसून सत्र से बड़ी अपेक्षा है।

इस सत्र में संसद का समय नीति निर्माण में ही लगे, वहां कार्यवाही स्थगित न हो। जनप्रतिनिधि जिन मुद्दों एवं उद्देश्यों को लेकर चुने जाते हैं, वे उन मुद्दों एवं उद्देश्यों पर खरे साबित हो। देश की जनता चाहती है कि संसद संकल्प का मंच बने, संग्राम का नहीं। सरकार विपक्ष की बात सुने, विपक्ष सरकार को जवाबदेह बनाये, लेकिन दोनों का अंतिम लक्ष्य राष्ट्रहित और जनकल्याण ही रहे। यदि इस मानसून सत्र में राजनीतिक कटुता के स्थान पर नीति आधारित विमर्श, आरोपों के स्थान पर उत्तरदायित्व और गतिरोध के स्थान पर समाधान का वातावरण बनता है, तो यह केवल संसदीय सफलता नहीं होगी, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता का नया अध्याय भी सिद्ध होगा। संसद तब ही वास्तव में लोकतंत्र का मंदिर कहलाएगी, जब उसकी प्रत्येक आवाज देश के अंतिम व्यक्ति की आशाओं और अपेक्षाओं को अभिव्यक्ति दे सके।

संक्षिप्त समाचार

लालपुर में मल्टीपरपज के लिए मिट्टी के नमूनों की जांच

वाराणसी, एजेंसी। लालपुर के डॉ. भीमराव आंबेडकर स्टेडियम में इंडोर खेलों को बढ़ावा देने के लिए मल्टीपरपज हॉल निर्माण की शुरुआत हो गई है। रविवार को कार्यदायी संस्था के कर्मचारियों ने मिट्टी के नमूने एकत्र किए। यहां मल्टीपर्पज हॉल निर्माण के अलावा खेल सुविधाओं का विकास किया जाएगा। जिला क्रीड़ाधिकारी नवीन कुमार सिंह ने बताया कि स्टेडियम के प्रवेश द्वार के दाहिनी तरफ मल्टीपर्पज हॉल का निर्माण कराया जाएगा। यहां 40 गुण 20 मीटर की दो मंजिला हॉल बनाने का काम जल्द शुरू होगा। इस हॉल में बैडमिंटन, कबड्डी और मार्शल आर्ट जैसे खेल खेले जाएंगे।

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार और राज्य अध्यापक पुरस्कार सम्मान समारोह 5 सितंबर को

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार और राज्य अध्यापक पुरस्कार प्राप्त शिक्षकों का सम्मान समारोह 5 सितंबर को सनातन धर्म इंटर कॉलेज वाराणसी में होगा। इससे प्रदेश के लगभग 400 शिक्षकों हिस्सा लेंगे। बैठक में सम्मान समारोह की तैयारियों के संबंध में विचार विमर्श कर अंतिम रूप प्रदान किया गया। इस निर्णय से पुरस्कृत शिक्षक वेलफेयर सोसायटी की प्रांतीय कार्यकारिणी को भी अवगत कराया गया। माध्यमिक शिक्षा चयन आयोग के सदस्य डॉ हरेन्द्र कुमार राय ने कहा कि प्रदेश के पुरस्कृत शिक्षकों का वाराणसी में सम्मान समारोह आयोजित किया जाना हमारे लिए गौरव की बात है। विशिष्ट अतिथि और मुख्य अतिथि के रूप में माध्यमिक और बेसिक के शिक्षा मंत्री और वित्त मंत्री को आमंत्रित करने पर भी विचार हुआ और आम सहमति भी बनी। बैठक में गाजीपुर के जिला अध्यक्ष मुन्नी लाल पांडेय, उपाध्यक्ष सूर्यदेव राय, जौनपुर के अखिलेश चंद्र मिश्र, सोनभद्र के ओमप्रकाश त्रिपाठी व उमाशंकर सिंह आदि मौजूद रहे।

जलभराव पर सख्त नगर आयुक्त, पंप संचालन में लापरवाही पर होगी कार्रवाई

गोरखपुर, एजेंसी। भारी बारिश के दौरान शहर के धर्मशाला पुल, राप्ती कॉम्प्लेक्स, विजय चौक समेत कई स्थानों पर जलभराव की स्थिति बनने के बाद नगर आयुक्त ने स्वास्थ्य और निर्माण विभाग के अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताई है। नगर में संचालित स्थायी और अस्थायी पंपों के संचालन एवं अनुरक्षण में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित फर्मों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। खराब पंपों की समय पर सर्विसिंग न कराने पर संबंधित फर्मों के भुगतान से 25 प्रतिशत कटौती करने के आदेश दिए गए हैं। साथ ही चेतावनी दी गई है कि जलभराव के दौरान यदि कोई पंप बंद मिला तो संबंधित फर्म को काली सूची में डालने के साथ एफआईआर दर्ज कराने की कार्रवाई भी की जाएगी। इसके अलावा संबंधित अभियंताओं और सफाई निरीक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। बारिश के दौरान त्वरित जलनिकासी सुनिश्चित करने के लिए सभी अभियंताओं को क्षेत्र में लगातार भ्रमण करने तथा नगर निगम कंट्रोल रूम में 24 घंटे तीन शिफ्टों में कर्मचारियों और तकनीकी स्टाफ की तैनाती के निर्देश भी दिए गए हैं।

सावन तक मंदिरों के आसपास नहीं होगी खोदाई, निगम करेगा निगरानी

बरेली, एजेंसी। आगामी कांवड़ यात्रा को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के लिए बरेली नगर निगम ने बड़ा फैसला लिया है। नगर निगम ने शहर के सभी प्रमुख मंदिरों की ओर जाने वाली सड़कों व फुटपाथ की खोदाई पर अस्थायी रोक लगा दी है। नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य के निर्देशानुसार, यात्रा के समाप्त होने तक इन मार्गों पर किसी भी प्रकार की खोदाई, कूड़ा फेंकने, निर्माण सामग्री या मलबा डालने पर पूर्ण पाबंदी रहेगी। व्यवस्था को सुचारु बनाने के लिए नगर निगम ने पूरे शहर को चार जोन में विभाजित किया है। इसके साथ ही, छह अधिकारियों की विशेष निगरानी टीमें गठित की गई हैं जो कांवड़ यात्रा के शुरू होने से पहले और यात्रा के दौरान प्रतिदिन इन मार्गों का सघन निरीक्षण करेंगी और अपनी रिपोर्ट मुख्यालय को सौंपेंगी। नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि यदि आपातकालीन स्थिति में पानी की पाइपलाइन, सीवर या गैस लाइन की मरम्मत के लिए खोदाई जरूरी होती है तो संबंधित विभाग को पहले अनुमति लेनी होगी। इसके बाद ही निगम की टीम की मौजूदगी में सीमित क्षेत्र में काम किया जा सकेगा इसके अतिरिक्त, नगर आयुक्त ने प्रकाश विभाग को सभी कांवड़ मार्गों पर खराब स्ट्रीट लाइटों को तत्काल बदलने और प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए हैं। सफाई, जल निकासी और अतिक्रमण हटाने के कार्यों की नियमित समीक्षा की जाएगी। नगर आयुक्त ने बताया कि इस दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नही की जाएगी। सभी विभाग आपसी समन्वय से काम करेंगे, ताकि श्रद्धालुओं को सुरक्षित और स्वच्छ मार्ग मिल सके।

सम्राट चौधरी की बड़ी घोषणा, 551 आदर्श विद्यालयों का उद्घाटन

दिनकर विश्वविद्यालय खोलने का एलान

बेगूसराय, एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रविवार को बेगूसराय दौरे के दौरान पूरे राज्य के 551 सरस्वती विद्या निकेतन आदर्श विद्यालयों का उद्घाटन किया। बेगूसराय से शुरू हुए इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने शिक्षा क्षेत्र को मजबूत बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया। इन विद्यालयों के माध्यम से छात्रों को आधुनिक शिक्षा के साथ भारतीय संस्कार और नैतिक मूल्यों की शिक्षा प्रदान करने का लक्ष्य रखा गया है।

दिनकर विश्वविद्यालय की घोषणा: मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' के नाम पर बेगूसराय में विश्वविद्यालय स्थापित करने की बड़ी घोषणा की। उन्होंने कहा कि दिनकर की कर्मभूमि और जन्मभूमि बेगूसराय में इस विश्वविद्यालय की स्थापना नई पीढ़ी को उनके साहित्य, विचारों और राष्ट्रवाद से जोड़ेगी। यह घोषणा स्थानीय लोगों और शिक्षा जगत के लिए बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

राष्ट्रवाद की मजबूत पहचान वाला क्षेत्र बेगूसराय: बेगूसराय पहुंचते ही मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का कार्यकर्ताओं और स्थानीय जनता ने उत्साहपूर्ण स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने बेगूसराय को केवल औद्योगिक जिला नहीं बल्कि शिक्षा, संस्कृति और राष्ट्रवाद की मजबूत पहचान वाला क्षेत्र बताया। उन्होंने राज्य सरकार की शिक्षा नीति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सरकार लगातार बड़े कदम उठा रही है।

शिक्षा और विकास पर जोर: सम्राट चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि बिहार में शिक्षा, सड़क, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में तेजी से काम हो रहा है। सरकार का उद्देश्य हर जिले में बेहतर शैक्षणिक संस्थान विकसित करना है ताकि छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए दूसरे राज्यों की ओर न जाना पड़े। उन्होंने बेगूसराय के समग्र विकास के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

ऐतिहासिक कदम की सराहना: दिनकर विश्वविद्यालय की घोषणा का कार्यक्रम स्थल पर तालियों की गड़गड़ाहट से स्वागत किया गया। शिक्षा से जुड़े लोगों ने इसे बेगूसराय के लिए ऐतिहासिक पहल बताया। स्थानीय नागरिकों का मानना है कि यदि यह विश्वविद्यालय स्थापित हो गया तो जिले के छात्रों को उच्च शिक्षा के बेहतर अवसर मिलेंगे और बेगूसराय की राष्ट्रीय पहचान और मजबूत होगी।

सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण: मुख्यमंत्री ने दिनकर जी को बिहार के साथ-साथ पूरे देश की पहचान बताया। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को उनके विचारों से जोड़ने के लिए यह विश्वविद्यालय महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। शिक्षा के साथ सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने की दिशा में यह घोषणा एक सकारात्मक प्रयास है।

अब अमलीजामा पहनाने की चुनौती: बेगूसराय दौरे में 551 आदर्श विद्यालयों के उद्घाटन और दिनकर विश्वविद्यालय की घोषणा ने जिले में नई उम्मीद जगा दी है। अब सबकी नजर इस बात पर है कि सरकार इन घोषणाओं को कितनी तेजी से धरातल पर उतारती है। यह कदम बेगूसराय की राजनीति और विकास दोनों में नई चर्चा का केंद्र बन गया है।

शिक्षा से ही विकसित भारत की नींव मजबूत होगी': शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का सपना शिक्षा के माध्यम से ही पूरा होगा और इसकी मजबूत नींव बिहार में रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि एक ही दिन में 551 मॉडल स्कूलों का लोकार्पण केवल भवनों का उद्घाटन नहीं, बल्कि नई पीढ़ी के भविष्य को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इन विद्यालयों में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बच्चों को आधुनिक सुविधाओं के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी।

990 करोड़ की लागत से तैयार हुए मॉडल स्कूल: शिक्षा मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की पहल पर करीब 990 करोड़ रुपये की लागत से इन मॉडल स्कूलों का निर्माण कराया गया है। राज्य के प्रत्येक प्रखंड में आधुनिक सुविधाओं से युक्त विद्यालय विकसित किए गए हैं, ताकि सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को भी निजी विद्यालयों जैसी शैक्षणिक सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने कहा कि सरकार आने वाले समय में अन्य सरकारी विद्यालयों को भी चरणबद्ध तरीके से मॉडल स्कूल के रूप में विकसित करेगी।

चार लाख से अधिक छात्रों का हो चुका है नामांकन: मंत्री ने बताया कि इन मॉडल स्कूलों में अब तक चार लाख से अधिक विद्यार्थियों का नामांकन हो चुका है। इन विद्यालयों का उद्देश्य केवल पाठ्यपुस्तक आधारित शिक्षा देना नहीं, बल्कि बच्चों की प्रतिभा को पहचानना, उन्हें आधुनिक तकनीक से जोड़ना और उनके सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि इन स्कूलों से निकलने वाले विद्यार्थी भविष्य में चिकित्सा, इंजीनियरिंग, सिविल सेवा समेत विभिन्न राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन करेंगे।

स्मार्ट क्लास, लैब और पुस्तकालय जैसी आधुनिक सुविधाएं: शिक्षा मंत्री ने कहा कि सभी सरस्वती विद्या निकेतन विद्यालयों में स्मार्ट क्लासरूम, विज्ञान प्रयोगशाला, कंप्यूटर लैब, पुस्तकालय, खेल सुविधाएं और अन्य आधुनिक शैक्षणिक संसाधन विकसित किए गए हैं। इसके साथ ही विषय विशेषज्ञ शिक्षकों की भी नियुक्ति की गई है, ताकि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षण मिल सके। उनका कहना था कि नई तकनीक और बेहतर संसाधनों के माध्यम से बच्चों की सीखने की क्षमता में और सुधार होगा। मिथिलेश तिवारी ने कहा कि बिहार अभी भी कई राज्यों की तुलना में आधारभूत संरचना के मामले में पीछे है, लेकिन लर्निंग आउटकम में राज्य ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है।

पैतृक जमीन के विवाद में बड़े भाई और भतीजे ने मिलकर की छोटे भाई की हत्या

लखनऊ, एजेंसी। अमेठी जिले के मुसाफिरखाना कोतवाली क्षेत्र के पूरे भदौर गांव में रविवार देर रात पैतृक जमीन के विवाद में किसान रामकरण की धारदार हथियार और लाठी-डंडों से हमला कर हत्या कर दी गई। हत्या का आरोप मृतक के सगे बड़े भाई गयाप्रसाद और भतीजे दीपक पर लगा है। पुलिस ने दोनों नामजद आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है, वहीं शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

मृतक के दूसरे भाई रामचंद्र के अनुसार, परिवार में काफी समय से पैतृक जमीन के बंटवारे को लेकर विवाद चल रहा था और गयाप्रसाद जमीन में हिस्सा देने को तैयार नहीं थे। रविवार को रामकरण ने विवादित खेत की जुताई करवा दी थी, जिससे दोनों पक्षों के बीच तनाव अत्यधिक बढ़ गया।

रविवार रात रामकरण खेत में धान की रोपाई और रखवाली के बाद घर लौट रहे थे। घर से लगभग 500 मीटर पहले रास्ते में पहले से घात लगाए बैठे गयाप्रसाद और उनके बेटे दीपक ने उन पर धारदार हथियार व लाठी-डंडों से हमला बोल दिया। गंभीर चोटें आने के कारण रामकरण की मौके पर ही मौत हो गई।

घटना की जानकारी मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। सूचना पाकर पहुंची मुसाफिरखाना थाना पुलिस ने शव को पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। वारदात के बाद गांव में व्याप्त तनाव को देखते हुए एहतियातन पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

पुलिस के मुताबिक, परिजनों की तहरीर पर दोनों नामजद आरोपियों को हिरासत में लेकर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और साक्ष्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

यूपी में उद्योग लगाना अब और आसान, सरकार का मास्टर प्लान तैयार

जमीन के लिए नहीं काटने पड़ेंगे चक्कर

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में उद्योगों की स्थापना के लिए भूमि उपलब्ध कराने की प्रक्रिया को तेज करने के लिए राज्य सरकार अब उजड़े वन क्षेत्रों और गैर वन राजस्व भूमि का लैंड बैंक तैयार कर रही है। इसके लिए वन एवं राजस्व विभाग की संयुक्त उच्चस्तरीय समिति का गठन किया गया है। बड़े भूभाग का डिजिटल मानचित्रण (डिजिटाइजेशन) किया जा चुका है।

पहले चरण का भूमि संबंधी डाटा राजस्व विभाग से प्राप्त हो गया है। अब वन विभाग उसकी सत्यापन प्रक्रिया पूरी कर रहा है। यह पहल केंद्र सरकार के डीरेगुलेशन-2.0 (अनावश्यक नियमों के सरलीकरण) और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस सुधार कार्यक्रम का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

आधिकारिक कार्ययोजना के अनुसार प्रदेश में उद्योगों, अवसंरचना परियोजनाओं और अन्य विकास कार्यों के लिए उपयुक्त भूमि की पहचान कर उसे परिवेश पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। इससे निवेशकों को पहले से उपलब्ध भूमि की जानकारी मिलेगी। वहीं, परियोजनाओं के लिए भूमि चयन व पर्यावरणीय स्वीकृति की प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और समयबद्ध हो सकेगी।

डीरेगुलेशन-2.0 के तहत इस काम के लिए तीन चरण निर्धारित किए गए हैं। पहले चरण में वन एवं राजस्व विभाग की संयुक्त समिति ने उजड़े वन क्षेत्र और गैर वन राजस्व भूमि की पहचान शुरू की। दूसरे चरण में उपयुक्त भूमि का डिजिटलीकरण और लैंड बैंक तैयार किया जा रहा है। तीसरे चरण में सत्यापित भूमि का विवरण परिवेश पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा, जिससे निवेशकों और संबंधित विभागों को एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म उपलब्ध हो सके। वर्तमान स्थिति के अनुसार राजस्व विभाग ने भूमि का डाटा साझा कर दिया है। हालांकि वन विभाग द्वारा इस डाटा का सत्यापन अभी पूरा किया जाना बाकी है। इनपुट के लिए इन्वेस्ट यूपी और वन विभाग की ओर से कई बैठकें, पत्राचार हो चुका है।

डीरेगुलेशन-2.0 के तहत केवल लैंड बैंक ही नहीं, बल्कि राज्य पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण और राज्य विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठकों की संख्या भी बढ़ाई जा रही है। इसका कैलेंडर पहले जारी होगा और एजेंडा पहले से साझा किया जाएगा। भौतिक व ऑनलाइन दोनों माध्यमों से बैठकें होंगी। इससे पर्यावरणीय स्वीकृतियों में लगने वाला समय कम होगा।

औद्योगिक विकास विभाग के मुताबिक प्रदेश में पहले से उपलब्ध और सत्यापित भूमि का डिजिटल लैंड बैंक तैयार होने से निवेशकों को अलग-अलग विभागों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। परियोजनाओं के लिए उपयुक्त भूमि का चयन तेज होगा, पर्यावरणीय मंजूरियों में देरी कम होगी और निवेश प्रस्तावों के क्रियान्वयन की गति बढ़ेगी।

11 साल की उम्र में महिला बनी मां, मृतक आश्रित के लिए मांगी बेटे के लिए नौकरी, शिकायत के बाद मचा हड़कंप

लखनऊ, एजेंसी। नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग में सफाई कर्मचारी के पद पर मृतक आश्रितों की नियुक्ति में फर्जीवाड़े के मामले तो पहले भी आते रहे हैं लेकिन अब एक ऐसा मामला आया है जो हैरान करने वाला है। इसमें आश्रित के तौर पर जिसे नौकरी दी गई वह अपनी मां से करीब 11 वर्ष ही छोटा है। यानी जब वह पैदा हुआ, उसकी मां की उम्र करीब 11 वर्ष ही थी। अब इतनी कम आयु में बेटे का जन्म सबको चौंका रहा है। एक गोपनीय शिकायत के बाद यह मामला सामने आया है।

मृतक आश्रित कोटे में भर्ती के प्रयास का यह मामला नगर निगम के जोन-एक का है। वर्ष 2024 में एक कर्मचारी की मौत हुई जिसके बाद उसका ग्रेच्युटी और फंड उसकी पत्नी का दावा करने वाली महिला ने लिया। इसके बाद उसने अपने बड़े बेटे को आश्रित के तौर पर नौकरी दिए जाने के लिए नगर निगम में पत्र दिया। प्रमाण के तौर पर अपना आधार लगाया जिसमें महिला की जन्म तिथि 4 मई 1991 दर्ज है। मां की अनापत्ति पर जिस बड़े बेटे को नौकरी देने के लिए फाइल अंतिम चरण में पहुंची है उसकी जन्म तिथि 24 जनवरी 2002 बताई गई। साक्ष्य के तौर पर बेटे ने अपना पैन कार्ड लगाया है। ऐसे में मां-बेटे की आयु में करीब 11 वर्ष का ही अंतर है। नियुक्ति प्रक्रिया के शुरुआती दौर में एक कर्मचारी ने इस सवाल को उठाते हुए फाइल पर आपत्ति भी दर्ज की मगर बड़े अधिकारी इसे नजरअंदाज करते हुए फाइल आगे बढ़ाते गए।

मृतक आश्रित की नियुक्ति के लिए नगर निगम में एक समिति है जो परीक्षण करने के बाद संस्तुति करती है। जरूरत पड़ने पर आश्रित परिवार को भी बुलाती है। इसके बाद भी इस तरह का घालमेल होना बड़ी बात है। जानकारों कहना है कि हो सकता है कि नौकरी के लिए सिर्फ खानापूर्ति वाले दस्तावेज ही लगाए गए हों। उन दस्तावेजों को समिति के समक्ष लाया ही नहीं गया, जिनसे नौकरी के अनुमोदन में बाधा आ सकती हो।

000 दो वर्ष पहले नगर निगम में कोरोना काल में मृत दो कर्मचारियों की जगह फर्जीवाड़ा कर दूसरों का नौकरी दिए जाने के प्रयास का मामला पकड़ा गया था। हुआ यूं कि जब 23 महीने का बकाया वेतन जारी कराने के लिए बाल्दा बाबू ने फाइल तत्कालीन अपर नगर आयुक्त ललित कुमार को भेजी तो उनको शक हुआ। इतने लंबे समय तक कोई कर्मचारी बिना वेतन कैसे काम करता रहा और यदि काम रहा था तो उसे वेतन क्यों नहीं दिया गया, उन्होंने इसकी गोपनीय जांच कराई। पता चला कि जिन दो कर्मचारियों का वेतन जारी कराने के लिए फाइल आई है उनकी सेवा बिना सूचना गायब होने के कारण वर्ष 2020 में समाप्त हो चुकी है। यह भी पता चला था दोनों की कोरोना में मृत्यु भी हो चुकी है।

नगर निगम के जोन-एक में आने वाले गणेशगंज वार्ड में तैनात सफाई कर्मचारी सुंदर लाल की मृत्यु 12 अप्रैल 2022 को हुई थी। एक महिला ने खुद को पत्नी बताते हुए मृतक आश्रित के तौर पर नियुक्ति और देयकों के भुगतान के लिए दावा किया।

अपहरण कर कैब चालक की हत्या, एक हिरासत में

लखनऊ, एजेंसी। सुल्तानपुर के ज्ञानीपुर शिवगढ़ निवासी कैब चालक मो. गुलफाम अहमद का अपहरण कर हत्या कर दी गई। उनकी चाकू से गोदकर हत्या किए जाने की बात नामजद आरोपी ने पूछताछ में कबूली है। साथ ही शव को बाराबंकी में फेंके जाने का दावा किया है। फिलहाल शव अब तक बरामद नहीं हो सका है।

इस मामले में गुलफाम के भाई इश्तियाक अहमद ने तीन नामजद और एक अज्ञात के खिलाफ अपहरण और हत्या की एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस ने कार बरामद कर ली है।

इश्तियाक अहमद के अनुसार, मो. गुलफाम 22 मई को गोरखपुर से अर्टिगा कार लेकर लखनऊ के लिए निकले थे। इसके बाद वह घर नहीं पहुंचे। काफी तलाश के बावजूद उनका कुछ पता नहीं चला। गोरखपुर निवासी वाहन मालिक शंकर ने गुलफाम की गुमशुदगी बांसगांव थाने में दर्ज कराई थी। इसके बाद परिजनों ने दो जून को चिनहट थाने में गुलफाम के लापता होने की एफआईआर दर्ज कराई।

इश्तियाक का आरोप है कि कुछ दिन पहले उनके पास अनजान नंबर से कॉल आई। फोनकर्ता ने बताया कि गुलफाम को बाराबंकी हुसैनमऊ निवासी आदिल, उसका भाई साहिल, चिनहट के कंचनपुर मटियारी निवासी समीर और उनका एक साथी जबरन अपने साथ ले गए थे। इसके बाद उन्होंने चारों लोगों पर अपहरण कर भाई की हत्या का आरोप लगाते हुए रविवार को चिनहट थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। इंस्पेक्टर दिनेश चंद्र मिश्र ने बताया कि पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

नशे में विवाद की बात सामने आई

पुलिस के सूत्र बताते हैं के चिनहट पुलिस ने गुलफाम की अर्टिगा कार को बाराबंकी से बरामद किया है। गाड़ी से चार नंबर प्लेट भी मिली हैं।

भोजपुरी स्टार पवन सिंह के खिलाफ अभद्र टिप्पणी पर युवक गिरफ्तार

साइबर क्राइम पर सख्ती: भोजपुर पुलिस की गया में कार्रवाई

गया, एजेंसी। बिहार के गया जिले से भोजपुरी अभिनेता एवं नेता पवन सिंह के खिलाफ अश्लील और अपमानजनक टिप्पणी करने वाले युवक सोनू यादव को गिरफ्तार कर लिया गया है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में पवन सिंह को आपत्तिजनक शब्द कहकर उनका मजाक उड़ाया गया था और उनके राजनीतिक प्रवेश पर तीखे हमले किए गए थे। इस मामले में भोजपुर साइबर क्राइम थाने में दर्ज स्वहुक्र के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी तक पहुंच बनाई।

वायरल वीडियो ने मचाया बवाल

वीडियो में आरोपी सोनू यादव ने पवन सिंह के परिवार के खिलाफ भी आपत्तिजनक बयान दिए थे। उसने दावा किया कि भोजपुरी क्षेत्र में पवन सिंह को जितनी इज्जत नहीं मिली, राजनीति में भी उतनी ही नहीं मिलेगी। आपत्तिजनक शब्द कहकर उन्हें संबोधित करते हुए आरोपी ने जबरन राजनीति में आने का आरोप लगाया था। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा था, जिसके बाद भोजपुर पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया।

भोजपुर पुलिस की त्वरित कार्रवाई

मामला करीब 15 दिन पुराना है। वीडियो वायरल होने के तुरंत बाद भोजपुर साइबर थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई और तकनीकी जांच शुरू की गई। पुलिस की टीम ने लोकेशन ट्रेसिंग के जरिए आरोपी को गया जिले के आमस थाना क्षेत्र के तेतरिया गांव तक ट्रेस किया। भोजपुर पुलिस ने गया पहुंचकर स्थानीय पुलिस के साथ संयुक्त छापेमारी की।

छापेमारी में मिली सफलता

आमस थाना क्षेत्र के तेतरिया गांव में की गई छापेमारी में सोनू यादव को दबोच लिया गया। भोजपुर साइबर थाना की टीम के साथ गया की आमस पुलिस भी इस ऑपरेशन में शामिल रही। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को भोजपुर पुलिस अपने साथ ले गई है और आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

आरोपी ने वीडियो में पवन सिंह को 'पावर स्टार' कहते हुए भी उनका अपमान किया और राजनीतिक महत्वाकांक्षा पर सवाल उठाए। परिवार के सदस्यों को लेकर भी अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया गया था। सोशल मीडिया यूजर्स ने इस वीडियो को व्यापक रूप से शेयर किया, जिससे पवन सिंह के समर्थकों में आक्रोश फैला।

भोजपुर साइबर क्राइम थाने की टीम ने टेक्निकल सर्विलांस और डिजिटल फॉरेंसिक के सहारे आरोपी की पहचान और लोकेशन तय की। थानाध्यक्ष आमस संजय कुमार ने पुष्टि की कि सोनू यादव को गिरफ्तार कर भोजपुर पुलिस को सौंप दिया गया है। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर अन्य संभावित सहयोगियों की तलाश कर रही है।

सोशल मीडिया पर जिम्मेदारी की अपील

यह घटना सोशल मीडिया पर बिना सोचे-समझे पोस्ट किए जाने की बढ़ती प्रवृत्ति को उजागर करती है। पुलिस ने स्पष्ट संदेश दिया है कि सितारों या सार्वजनिक व्यक्तियों के खिलाफ अपमानजनक सामग्री फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। पवन सिंह के प्रशंसक इस गिरफ्तारी से राहत महसूस कर रहे हैं।

चिराग पासवान ने पंजाब को बताया अपना ननिहाल, आप सरकार पर साधा निशाना

चंडीगढ़, 20 जुलाई (भा)। केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने पंजाब के दौरे में घोषणा की कि उनकी पार्टी राज्य की सभी विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी करेगी। पासवान पीली पगड़ी पहने अमृतसर पहुंचे, जहां उन्होंने अपनी मां के साथ स्वर्ण मंदिर में मत्था टेका। वह जलियांवाला बाग भी गये। अपनी पंजाबी जड़ों का उल्लेख करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पंजाब उनका ननिहाल है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप), कांग्रेस और शिरोमणि अकाली दल लगातार जनता का भरोसा खो रहे हैं। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री ने जालंधर स्थित डेरा सचखंड बल्लां जाकर डेरा प्रमुख संत निरंजन दास से मुलाकात की। उन्होंने जालंधर में भगवान वाल्मीकि की प्रतिमा पर पुष्पांजलि भी अर्पित की। इससे पहले अमृतसर में पत्रकारों से बातचीत में पासवान ने आप नीत राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पंजाब के भविष्य के लिए यह सरकार सही विकल्प नहीं हो सकती, क्योंकि इस पार्टी ने दिल्ली में 10 साल तक शासन करते हुए उसे लूटा। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब के लोगों ने आप को सरकार बनाने का मौका दिया, लेकिन पार्टी इसके बजाय भ्रष्टाचार में लिप्त हो गयी। पासवान ने राज्य में नशे की समस्या को लेकर भी आप सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जहां तक मेरी जानकारी है, पंजाबी लोग आप से पूरी तरह तंग आ चुके हैं और वे बदलाव चाहते हैं। पासवान ने कहा कि वह पंजाब में अपनी पार्टी को मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता कि भविष्य में कोई गठबंधन होगा या हम कितनी सीटों पर चुनाव लड़ पाएंगे। इसके बावजूद हम सभी सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। शिरोमणि अकाली दल पर निशाना साधते हुए पासवान ने कहा कि यह पार्टी लंबे समय तक पंजाब की सत्ता में रही और उसके शासन के तरीके तथा उसके कार्यकाल में विकास की कमी सबके सामने है। कांग्रेस में कथित अंदरूनी कलह पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस में जो स्थिति पहले (नवजोत सिंह) सिद्धू और कैप्टन साहब (अमरिंदर सिंह) के बीच थी, वही स्थिति अब (चरणजीत सिंह) चन्नी और प्रदेश अध्यक्ष (अमरिंदर सिंह राजा वडिंग) के बीच बनी हुई है। पासवान ने कहा कि तीनों दल धीरे-धीरे जनता का भरोसा खो रहे हैं। पासवान ने कहा कि पंजाब मेरा ननिहाल है। मेरी मां सरदारनी हैं। मेरे नेता और पिता रामविलास पासवान हमेशा चाहते थे कि पार्टी अन्य राज्यों में भी अपना विस्तार करे और वहां अपनी मौजूदगी मजबूत बनाये। उनकी इच्छा के अनुरूप हम अलग-अलग राज्यों में लोजपा (रामविलास) का विस्तार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारी कर रहे हैं। पंजाब में भी चुनाव होने हैं और पार्टी संगठन इस दिशा में काम कर रहा है। दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के प्रदर्शन और सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल के बारे में पूछे जाने पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि लोकतंत्र में लोगों को प्रदर्शन करने का अधिकार है, लेकिन इस तरह भूख हड़ताल करना सही तरीका नहीं है और बातचीत की जानी चाहिए।

दुष्कर्म के प्रयास से बचकर भागी महिला जंगल में भटकी ड्रोन की मदद से बचाया पुलिस ने

भुवनेश्वर, 20 जुलाई (भा)। ओडिशा पुलिस ने आज ड्रोन, फ्लेयर गन (मदद का संकेत देने वाली बंदूक) और रॉकेट पटाखों की मदद से भुवनेश्वर के बाहरी इलाके में स्थित एक आरक्षित वन से एक महिला को सुरक्षित बचा लिया। अधिकारियों ने बताया कि महिला कथित तौर पर दुष्कर्म के प्रयास से बचकर भागने के बाद जंगल में चली गयी थी। पुलिस के अनुसार महिला ने खुर्दा बस अड्डे से एक मोटरसाइकिल सवार से लिफ्ट ली थी। आरोप है कि मोटरसाइकिल चालक महिला के साथ यौन उत्पीड़न करने के इरादे से उसे रतनपुर आरक्षित वन की ओर ले गया। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी ने महिला के साथ दुष्कर्म का प्रयास किया और महिला ने उसका विरोध किया तथा वहां से बचकर आरक्षित वन क्षेत्र में भाग गयी। भागते समय वह जंगल में रास्ता भटक गयी। पुलिस ने बताया कि इस संबंध में इंफोवैली थाने में दुष्कर्म के प्रयास का मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

मप्र: नरसिंहपुर में वाहन ने छह को कुचला, पांच की मौत व एक घायल

नरसिंहपुर (मध्यप्रदेश), 20 जुलाई (भा)। मध्यप्रदेश के नरसिंहपुर जिले में रविवार को राष्ट्रीय राजमार्ग-45 पर खड़े छह दोस्तों को एक तेज गति से गुजर रहे भारी वाहन ने कथित तौर पर कुचल दिया, जिससे पांच दोस्तों की मौत हो गयी और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया सभी दोस्त पिकनिक के लिए नरसिंहपुर-जबलपुर सीमा पर स्थित हाथीनाला झरने गये थे और लौटते समय इंदिरा नगर के पास उनके साथ यह हादसा हुआ। मौके से सुआतला पुलिस थाने की प्रभारी प्रियंका केवट ने बताया कि पांच लोगों की मौत हो गयी और एक अन्य गंभीर रूप से घायल है। उन्होंने कहा कि मृतकों की पहचान राजेंद्र पटेल (22), वीरेंद्र लोधी (20), रामपाल सिंह लोधी (21), जयपाल सिंह लोधी (30) और नीरज सिंह लोधी (25) के तौर पर हुई है, जबकि गंभीर रूप से घायल व्यक्ति की पहचान आकाश सिंह लोधी (24) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि सभी पीड़ित जबलपुर जिले के रहने वाले थे। थाना प्रभारी ने बताया कि हादसे के बाद गाड़ी (संभवत: ट्रक या डंपर) का चालक मौके से भाग गया। उन्होंने कहा कि अभी यह पता नहीं चल पाया है कि घटना में कौन सी गाड़ी शामिल थी। पुलिस इलाके के सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है और गाड़ी व उसके चालक की पहचान करने के लिए चश्मदीदों के बयान दर्ज कर रही है। स्थानीय लोगों के मुताबिक झरने से लौटने के बाद ये छह दोस्त तस्वीरें लेने के लिए राजमार्ग पर रुके थे, तभी तेज गति से गुजर रहे वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। पुलिस ने बताया कि राजेंद्र पटेल की मौके पर ही मौत हो गयी, जबकि बाकी लोगों की अस्पताल ले जाते समय चोटों के कारण मौत हो गयी। उन्होंने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

भारी बारिश के दौरान ढहा मकान पांच लोगों की मौत

मुजफ्फरनगर (उप्र), 20 जुलाई (भा)। मुजफ्फरनगर जिले के फुगाना क्षेत्र में कल भारी बारिश के दौरान ढहे एक मकान के मलबे में दबने से चार बच्चों समेत पांच लोगों की मौत हो गयी तथा पांच अन्य घायल हो गये। उप जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने यहां बताया कि फुगाना थाना क्षेत्र के हबीबपुर गांव में बारिश के दौरान एक मकान ढहने से चार बच्चों समेत पांच लोगों की मौत हो गयी। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान इस्लाम (75), अहद (पांच), रुखसार (11), अलशिफा (सात) और जीशान (दो) के रूप में हुई है। कुमार ने बताया कि इस घटना में घायल हुए पांच अन्य लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि यह घटना तब हुई जब भारी बारिश के दौरान घर में लोग खाना खा रहे थे। कुमार ने बताया कि पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिये हैं।

शादी का दबाव बनाने पर नर्स की हत्या के मामले में ओटी टेक्नीशियन समेत दो गिरफ्तार

मेरठ (उप्र), 20 जुलाई (भा)। मेरठ के हापुड़ रोड स्थित एमसीसी अस्पताल में 26 वर्षीय नर्स नेहा रानी की हत्या के मामले में पुलिस ने अस्पताल के टेक्नीशियन समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार खरखौदा थाना क्षेत्र के फफूंडा गांव की रहने वाली और एमसीसी अस्पताल में नर्स नेहा रानी का शव पिछले शनिवार को अस्पताल की एक कमरे से बरामद हुआ था। उन्होंने बताया कि पुलिस ने घटनास्थल से एक कथित सुसाइड नोट भी बरामद किया था। सूत्रों ने बताया कि मामले की जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज में ऑपरेशन थिएटर के टेक्नीशियन सुरेश चंद और उसके साथी फरहान को नेहा के साथ कमरे में जाते तथा कुछ देर बाद बाहर निकलते देखा गया। इसके बाद दोनों को हिरासत में ले लिया गया। उन्होंने बताया कि पुलिस का कहना है कि पूछताछ में दोनों ने हत्या में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। पुलिस सूत्रों के अनुसार सुरेश और नेहा के बीच पिछले सात माह से प्रेम संबंध थे, जबकि सुरेश पहले से विवाहित है और उसका पांच वर्षीय बेटा है। सूत्रों ने बताया कि नेहा द्वारा शादी का दबाव बनाये जाने के बाद सुरेश ने फरहान के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची। इसके बाद नेहा को ड्रिप के जरिए जहरीला रासायनिक पदार्थ दिया गया और बेहोश होने के बाद उसे सल्फास खिलाकर घटना को आत्महत्या का रूप देने का प्रयास किया गया। पुलिस का यह भी दावा है कि आरोपी ने कथित सुसाइड नोट स्वयं लिखकर मृतका के कपड़ों में रख दिया। सूत्रों ने बताया कि पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त सिरिंज, ड्रिप, जहरीला रासायनिक पदार्थ, नोट पैड और मृतका का मोबाइल फोन बरामद करने का दावा किया है। पुलिस क्षेत्राधिकारी संग्राम सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

कर्नाटक मंत्रिमंडल ने 15 हजार शिक्षकों की भर्ती को दी मंजूरी

बेंगलुरु, 20 जुलाई (भा)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कर्नाटक एग्रीटेक मिशन-2026 और 15,000 शिक्षकों की भर्ती को मंजूरी देने समेत मंत्रिमंडल द्वारा लिये गये कई फैसलों की रविवार को घोषणा की। शिवकुमार ने यह भी बताया कि मंत्रिमंडल ने कर्नाटक लोक सेवा आयोग (केपीएससी) के अध्यक्ष शिवशंकरप्पा एस साहूकार को निलंबित करने के राज्यपाल के फैसले को मंजूरी दे दी है। मंत्रिमंडल की बैठक के बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए शिवकुमार ने कहा कि सरकार ने पिछड़े वर्गों और घुमंतू समुदायों के लिए कल्याणकारी पहलों को स्वीकृति प्रदान की है। इसके अलावा नये चिकित्सा बुनियादी ढांचे, सिंचाई और सड़क विकास परियोजनाओं को भी मंजूरी दी गयी है। मंत्रिमंडल ने कर्नाटक एग्रीटेक मिशन-2026 को मंजूरी दी। इसके तहत उपग्रह डेटा, ड्रोन सर्वेक्षण और मौसम के पूर्वानुमान का इस्तेमाल करके किसानों को फसल की योजना बनाने, बुआई करने तथा कीट और रोग नियंत्रण से जुड़े फैसलों को लेकर सलाह दी जाएगी। शिवकुमार ने कहा कि मंत्रिमंडल ने रायचूर स्थित भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी) में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने को मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा कि कल्याण कर्नाटक क्षेत्र में यह अपनी तरह की पहली पहल होगी, जिसके लिए अगले पांच वर्षों में करीब 12 से 15 करोड़ रुपये खर्च किये जाएंगे। मंत्रिमंडल ने स्कूल शिक्षा विभाग में 15,000 शिक्षकों की भर्ती को भी स्वीकृति प्रदान की।

बलिया में गवाह की हत्या का आरोपी पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

बलिया (उप्र), 20 जुलाई (भा)। बलिया जिले की गड़वार थाना पुलिस ने एक पुराने मुकदमे के गवाह की हत्या के आरोपी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ के दौरान आरोपी के दाहिने पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने आज यह जानकारी दी। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) संजय वर्मा ने बताया कि कल रात 11 बजे गड़वार पुलिस ने मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के रतसड़ मार्ग से नूरपुर जाने वाले रास्ते पर घेराबंदी की। उन्होंने बताया कि पुलिस को देखकर आरोपी ने गोली चलायी। पुलिस ने भी आत्मरक्षा में गोलीबारी की, जिसमें आरोपी के दाहिने पैर में गोली लगी और उसे घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी की पहचान गड़वार थाना क्षेत्र के असनवार गांव निवासी सौरभ उपाध्याय (27) के रूप में की गयी है। वर्मा ने बताया कि घायल सौरभ को रतसड़ के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने उसके पास से एक देसी तमंचा और कारतूस भी बरामद किया है। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, पूछताछ में सौरभ ने बताया कि उसने अपने पिता देवेन्द्र उपाध्याय के कहने पर साथियों के साथ मिलकर चार जुलाई को अपने पुराने मुकदमे के गवाह विनोद उपाध्याय की साजिश के तहत हत्या कर दी थी। सौरभ के खिलाफ रसड़ा कोतवाली में पहले से हत्या का एक मुकदमा दर्ज है।

पृष्ठ 1 का शेष

असम में बाढ़...

बताया कि चराईदेव, धेमाजी, डिब्रूगढ़, जोरहाट, शिवसागर, तिनसुकिया और उदालगुड़ी जिलों में 57,100 से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। राज्य के कई चाय बागान बाढ़ के पानी में डूब गये हैं। टी एसोसिएशन ऑफ इंडिया की असम इकाई ने कहा कि नगालैंड से आने वाली नदियों का जलस्तर अचानक बढ़ गया है और वे खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। संस्था ने बताया कि दोरिका नदी का तटबंध टूटने से स्थिति और खराब हो गयी है, जिससे नाजिरा क्षेत्र के चाय बागानों का एक बड़ा हिस्सा जलमग्न हो गया है। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे ने कहा कि भारी बारिश के कारण सिमलुगुड़ी में आयी भीषण बाढ़ और पटरियों पर पानी भरने के कारण उत्तर पूर्व सीमा रेलवे ने ट्रेन सेवाओं में व्यापक बदलाव किया है। पूर्वोत्तर में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से दिखौ नदी का जलस्तर बढ़ गया है, जिससे सिवासागर जिले के सिमलुगुड़ी रेलवे स्टेशन, यार्ड, पटरियों और आसपास के इलाकों में जलभराव हो गया है। यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए सिमलुगुड़ी-नामतीअली और सिमलुगुड़ी-सेलेनघाट रेल खंडों के बीच ट्रेनों का परिचालन अगले आदेश तक निलंबित कर दिया गया है। इसके चलते डिब्रूगढ़ और तिनसुकिया से आने-जाने वाली प्रमुख लंबी दूरी की ट्रेनों, जैसे कि न्यू दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस, विवेक एक्सप्रेस, अवध असम एक्सप्रेस और कामरूप एक्सप्रेस को वैकल्पिक मार्ग रंगिया-रंगापारा उत्तर-उत्तर लखीमपुर होकर चलाया जा रहा है। साथ ही कई ट्रेनों को बीच के स्टेशनों पर ही रोक दिया गया है या वहीं से रवाना किया जा रहा है, जबकि कई स्थानीय पैसेंजर, डेमू और इंटरसिटी ट्रेनों को पूरी तरह रद्द कर दिया गया है। प्रभावित यात्रियों की सहायता के लिए रेलवे द्वारा प्रमुख स्टेशनों पर हेल्प डेस्क बनाये गये हैं, जहां भोजन, पेयजल और टिकट रिफंड की सुविधा दी जा रही है। नामतीअली में उतरे यात्रियों को बसों के जरिए शिवसागर टाउन स्टेशन पहुंचाया जा रहा है, जहां से डिब्रुगढ़ और न्यू तिनसुकिया के लिए विशेष ट्रेन की व्यवस्था की गयी है, जबकि सेलेनघाट और मरियानी में फंसे यात्रियों को सड़क मार्ग से उनके गंतव्य तक भेजने का प्रबंध किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि उनके मंत्रिमंडल के चार सहयोगी जमीनी स्तर पर राहत और बचाव कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने प्रभावित जिलों के सभी सांसदों और विधायकों को तेजी से बदलती स्थिति पर नजर रखने के लिए बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में रहने के लिए कहा है। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने सोशल मीडिया पर लिखा कि शिवसागर में राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) और अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाओं द्वारा 510 लोगों को बचाया गया है। दुर्गम क्षेत्रों तक पहुंचने के लिए अतिरिक्त नौकाओं और सेना के हेलीकॉप्टरों की तैनाती के साथ बचाव कार्य जारी है। सीएमओ ने बताया कि चराईदेव के सबसे ज्यादा प्रभावित इलाकों में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) और सेना की टुकड़ियों को तैनात किया गया है, जबकि प्रभावित निवासियों की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए राहत उपाय किये जा रहे हैं। इससे पहले कल रात शर्मा ने कहा था कि राज्य सरकार ने बाढ़ प्रभावित कई जिलों में स्थानीय प्रशासन की मदद के लिए सेना और वायुसेना को तैयार रहने का अनुरोध किया है। सीएमओ ने कहा कि जोरहाट, चराइदेव और शिवसागर के संवेदनशील इलाकों में बाढ़ नियंत्रण कार्य जारी हैं। दिखौ नदी के तटबंध पर रेत से भरी बोरियां लगायी जा रही हैं, दिसांग नदी के किनारे मजबूती के लिए रेत के बैग का इस्तेमाल किया जा रहा है और नोराकोंवर बैलुंग गांव में झांजी तटबंध पर भी बाढ़ रोधी कार्य जारी है। इसने बताया कि झांजी नदी का जलस्तर घट रहा है और सुबह की तुलना में इसमें 0.04 मीटर की कमी दर्ज की गयी है। सीएमओ ने कहा कि शिवसागर जलसंसाधन संभाग के तहत हाथीघुली ग्राम पंचायत के नोराकोंवर बैलुंग गांव में झांजी तटबंध के दाहिने किनारे के कमजोर हिस्से को मजबूत करने का काम चल रहा है। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में हुई रिकॉर्ड तोड़ बारिश ने शिवसागर और आसपास के जिलों में बाढ़ की स्थिति को और गंभीर बना दिया है। उन्होंने कहा कि हम प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। बचाव कार्य जारी है और राहत प्रयासों में तेजी सुनिश्चित करने के लिए मौके पर मौजूद मंत्रियों की टीम इसकी निगरानी कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बारिश जारी रहने के कारण प्रशासन लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजने और उन्हें सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने के अपने प्रयासों को और मजबूत कर रहा है। उन्होंने कहा कि हमने ऊपरी असम में बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए सरकार के सभी विभागों को मिलकर काम करने का दृष्टिकोण अपनाया है। अभूतपूर्व बारिश के कारण झांजी, दिखौ और दिसांग नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं, जिससे जोरहाट, शिवसागर, चराईदेव, डिब्रुगढ़ और आसपास के जिलों में बाढ़ आ गयी है। शर्मा ने कल अपने मंत्रिमंडल के सहयोगियों अजंता नियोग, बिमल बोरा, केशब महंत और सुशांत बरगोहाईं को प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर राहत कार्यों की निगरानी करने और प्रत्येक प्रभावित परिवार को समय पर सहायता उपलब्ध कराने का निर्देश दिया था। उद्योग, वाणिज्य और सार्वजनिक उद्यम मंत्री बिमल बोरा ने बताया कि वह आज सुबह शिवसागर पहुंचे और शिवसागर तथा चराइदेव के जिला आयुक्तों के साथ बाढ़ की स्थिति की समीक्षा की, जहां बचाव अभियान तेजी से चल रहा है। शर्मा ने कहा कि उन्होंने शिवसागर जिले के सेरेकापोरा क्षेत्र का दौरा कर राहत एवं बचाव कार्यों का जायजा लिया। बोरा ने कहा कि असम सरकार समय पर बचाव, राहत, पुनर्वास और आवश्यक सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए उपलब्ध सभी संसाधनों का इस्तेमाल कर रही है। जलसंसाधन मंत्री सुशांत बरगोहाईं ने कहा कि डेमो विधानसभा क्षेत्र के बोकोटा-लाकुवा मंडल के लोनपोरिया और आसपास के गांवों में बाढ़ के कारण प्रशासन प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा रहा है। उन्होंने कहा कि आसपास के अन्य बाढ़ प्रभावित गांवों में भी बचाव अभियान जारी रहेगा और प्रभावित परिवारों की सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाये गये हैं। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री केशब महंत ने कहा कि ऊपरी असम में बाढ़ की ताजा स्थिति का आकलन करने और जारी राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी के लिए उन्होंने आज सुबह जोरहाट और शिवसागर का दौरा किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि उन्होंने टियोक में स्थिति का जायजा लिया और बाढ़ प्रभावित स्थानीय लोगों से बातचीत की।

अरुणाचल के...

कामले, क्रा दादी और चांगलांग जिलों में बारिश के कारण बाढ़ और भूस्खलन की हालिया घटना सामने आयी हैं। रिपोर्ट के अनुसार पूर्वी सियांग जिले में रविवार को बाढ़ के तेज बहाव में बह गये मोंगो तायेंग (27) का अब तक पता नहीं चल पाया है। राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) द्वारा तलाश एवं बचाव अभियान जारी है। भारी बारिश के कारण कामले जिले में व्यापक तबाही हुई, जबकि क्रा दादी, पूर्वी सियांग और चांगलांग जिलों में भी भूस्खलन और बाढ़ की हालिया घटना सामने आयी। बुलेटिन के अनुसार कल से अब तक इस आपदा से 51 लोग प्रभावित हुए हैं, जिनमें चांगलांग के 41 और कामले के 10 लोग शामिल हैं। पूर्वी सियांग सबसे अधिक प्रभावित जिला है, जहां करीब 35,500 लोग प्रभावित हुए हैं। इसके बाद सियांग (25,365), क्रा दादी (13,731) और अपर सुबनसिरी (13,017) का स्थान है।

गुवाहाटी में बारिश की...

उन्होंने बताया कि प्रभावित क्षेत्रों में प्रशांति लॉज के आगे कामाख्या मुख्य मार्ग, गणेश मंदिर के पास कामाख्या कॉलोनी, पानी के टैंकर के निकट पश्चिम कामाख्या गांव, पांडु टेंपल घाट और मालीगांव का माधवदेवनगर शामिल हैं। पॉल ने कहा कि लोगों को जिले के पहाड़ी इलाकों, विशेष रूप से मालीगांव और पांडु क्षेत्र में, अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी गयी है। उन्होंने कहा कि बार-बार हो रहे भूस्खलन के कारण कामाख्या मंदिर जाने वाले मार्ग पर यातायात को नियंत्रित किया जा सकता है, जिससे श्रद्धालुओं को मंदिर पहुंचने में देरी हो सकती है। इस बीच असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) ने भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के पूर्वानुमान का हवाला देते हुए गुवाहाटी में गरज-चमक के साथ अगले 24 घंटों के दौरान मध्यम से भारी वर्षा (6 से 12 सेंटीमीटर) होने की चेतावनी दी है। एएसडीएमए ने कहा कि संभावित वर्षा से जलभराव, शहरी क्षेत्र में बाढ़, अचानक बाढ़, यातायात जाम और संवेदनशील क्षेत्रों में भूस्खलन का खतरा बढ़ सकता है। जिला प्रशासन और एएसडीएमए ने कहा कि वे स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए हैं और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली को सतर्क रखा गया है। निचले इलाकों और पहाड़ी ढलानों पर रहने वाले लोगों से विशेष सतर्कता बरतने तथा बाढ़ या भूस्खलन के संकेतों पर नजर रखने को कहा गया है। एएसडीएमए ने मौसम के पूर्वानुमान को देखते हुए सरकारी और निजी संस्थानों से, जहां संभव हो, कर्मचारियों को घर से काम करने की अनुमति देने का भी अनुरोध किया है। प्राधिकरण ने लोगों को भारी बारिश के दौरान अनावश्यक यात्रा से बचने तथा अधिकारियों द्वारा जारी मौसम संबंधी आधिकारिक अपडेट और परामर्श का पालन करने की सलाह दी है।

कौन बनेगा करोड़पति...

शाहरुख खान ने प्रस्तुत किया था। इसके अलावा अमिताभ बच्चन कल्कि 2898 एडी के सीक्वल और फिल्म सेक्शन 84 में नजर आएंगे। सेक्शन 84 में उनके साथ डायना पेंटी और निमरत कौर भी अहम भूमिकाओं में हैं।

मैं नहीं कर रहा...

यह कारनामा कर दिखाया है। पीएम मोदी ने संसद सत्र शुरू होने से पहले अपने संबोधन में कहा कि चाहे मानसून हो या मानसून सत्र- अगर दोनों ही सक्रिय हों, तो वे बहुत फायदेमंद साबित होते हैं। जब दोनों फायदेमंद होते हैं, तो इससे देश का कल्याण होता है और सभी जीवों का भला होता है। इसीलिए हम यही प्रार्थना करते हैं कि मानसून सक्रिय और फायदेमंद बना रहे और मानसून सत्र भी फायदेमंद साबित हो। उन्होंने कहा कि पिछले महीने देश ने अनेक सिद्धियां हासिल की हैं। देशवासी गर्व से भर जाएं, इस प्रकार की सिद्धियों का सिलसिला चला है। चाहे वह राष्ट्रीय स्तर का हो, अंतर्राष्ट्रीय स्तर का हो और अब हम अंतरिक्ष के क्षेत्र की भी बात कर सकते हैं। एक प्रकार से भारत के लिए गर्व के पल रहे हैं। मोदी ने युवाओं की तारीफ करते हुए कहा कि भारत के युवा अंतरिक्ष में एक नये सफर पर निकल पड़े हैं। मुझे बताया गया कि स्काईरूट स्टार्टअप में काम करने वाली पूरी टीम की औसत उम्र सिर्फ 28 साल है। ऐसे ही युवाओं ने यह कारनामा कर दिखाया है। मैं किसी 56 साल के युवा की बात नहीं कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि पिछले साल मानसून सत्र से ठीक पहले एक भारतीय नागरिक इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर थे। अब 2 दिन पहले देश के युवाओं के नेतृत्व वाले एक स्टार्ट-अप ने बहुत बड़ी कामयाबी हासिल की, जिसे अब तक बहुत कम देश ही हासिल कर सके हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने भारतीयों में आत्मविश्वास जगाया और दुनिया में भारत का मान बढ़ाया।

जून 2026 तक...

समय-समय पर कई कदम उठा रहे हैं। इनमें धोखाधड़ी वाले लेन-देन को रोकने के लिए जोखिम आधारित हस्तांतरण सीमा, मोबाइल नंबर में अनधिकृत बदलाव और एसएमएस-आधारित सत्यापन के गलत इस्तेमाल से बचाव के उपाय शामिल हैं। एक अन्य सवाल के लिखित जवाब में चौधरी ने कहा कि सरकार देश में डिजिटल ऋण मंचों समेत फिनटेक से जुड़े मुद्दों की समीक्षा करने के लिए वित्तीय क्षेत्र के विनियामक और अन्य संबंधित हितधारकों के साथ लगातार बातचीत कर रही है।

मुर्मू ने...

में भागीदारी की इच्छुक हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत भी मोल्दोवा की कंपनियों के लिए व्यापार और निवेश के अच्छे अवसर प्रदान करता है। हम पारदर्शी और निवेशक-अनुकूल कारोबारी माहौल को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मैं मोल्दोवा के कारोबारियों को भारत आकर अवसरों का लाभ उठाने के लिए आमंत्रित करती हूं। मुर्मू मोल्दोवा की यात्रा करने वाली भारत की पहली राष्ट्रपति हैं। उनके साथ भारत का एक कारोबारी प्रतिनिधिमंडल भी गया है। उन्होंने कहा कि उनकी उपस्थिति मोल्दोवा की आर्थिक क्षमता के प्रति भारतीय उद्योग के बढ़ते विश्वास और दीर्घकालिक साझेदारी बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत आज उद्यमिता, डिजिटल परिवर्तन, विनिर्माण उत्कृष्टता और युवा एवं कुशल कार्यबल के दम पर दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है।

15 वर्ष के कम...

अनुरूप तैयार किया गया था। यह कानून इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की ऑनलाइन सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कई कड़े प्रावधान करता है। यूरोपीय आयोग ने हालांकि नाबालिगों की बेहतर सुरक्षा के उद्देश्य का समर्थन किया है, लेकिन उसका कहना है कि प्रस्तावित कानून के कुछ प्रावधान डिजिटल सर्विसेज एक्ट से मेल खाते हैं और इस कारण फ्रांसीसी अधिकारियों से मसौदे में संशोधन करने को कहा गया है। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला फॉन डेयर लेयेन ने इस महीने की शुरुआत में बच्चों द्वारा सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर सीमाएं तय करने की वकालत की थी। इस मुद्दे पर गठित यूरोपीय संघ के एक विशेष पैनल ने सिफारिश की है कि 13 वर्ष से कम आयु के बच्चों को तब तक सोशल मीडिया मंचों तक पहुंच नहीं दी जानी चाहिए, जब तक प्रौद्योगिकी कंपनियां यह साबित नहीं कर देतीं कि उनके मंच सुरक्षित हैं। दुनियाभर में युवाओं के मस्तिष्क पर सोशल मीडिया के दुष्प्रभावों को लेकर बढ़ती चिंता के बीच कई देशों ने नए प्रतिबंध लागू किये हैं। ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, तुर्किये, इंडोनेशिया और अन्य देशों ने 15 या 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए टिकटॉक, यूट्यूब और इंस्टाग्राम जैसे मंचों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध संबंधी कानून बनाये हैं।

कुछ राज्य...

स्थापना के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाये गये हैं। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में सिर्फ एक अदालत की स्थापना ऐसे लंबित मामलों के बोझ से निपटने के लिए काफी नहीं है। शीर्ष अदालत ने विशेष और विशिष्ट अदालतों की स्थापना से जुड़ा यह स्वत: संज्ञान मामला तब शुरू किया था, जब उसने पाया कि एनआईए से जुड़े मुकदमे, जिनमें अक्सर गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत आरोप शामिल होते हैं, वर्षों से लंबित पड़े हैं, जिससे आरोपियों और पीड़ितों, दोनों के अधिकार प्रभावित हो रहे हैं। केंद्र सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने पीठ को बताया कि इस दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हुई है और अब तक 14 विशेष समर्पित एनआईए अदालतें स्थापित की जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड में एनआईए के 27 मामले लंबित हैं और वहां सात नामित अदालतें मौजूद हैं। भाटी ने बताया कि जम्मू-कश्मीर, बिहार, छत्तीसगढ़, मणिपुर, असम और मिजोरम में एक-एक, जबकि गुजरात में तीन नामित अदालतें हैं। हालांकि प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि केवल अदालतों को नामित कर देना पर्याप्त नहीं है। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ी समस्या यही है कि अदालतों को सिर्फ नामित कर दिया जाता है। भाटी ने कहा कि अतिरिक्त अदालतों की स्थापना के लिए मंजूरी 16 जुलाई को मिल गयी थी और अब बस सरकार की तरफ से औपचारिक अधिसूचना जारी किया जाना बाकी है। पीठ ने पंजाब और हरियाणा की स्थिति की भी समीक्षा की।

भारत को मिली...

हैं। टाकेडा के इंटरकांटिनेंटल मार्केट्स प्रमुख महेंद्र नायक ने कहा कि भारत में इस वैक्सीन को मिली मंजूरी देश में डेंगू की रोकथाम को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। भारत उन देशों में शामिल है, जहां डेंगू का बोझ सबसे अधिक है और यहां वायरस के सभी चार प्रकार पाये जाते हैं। कंपनी ने बताया कि वैक्सीन को मंजूरी 19 वैश्विक क्लीनिकल ट्रायल के आंकड़ों के आधार पर दी गयी है। इन परीक्षणों के फेज-1, फेज-2 और फेज-3 में 28,000 से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया। इसके अलावा भारत में हुए फेज-3 -302 क्लीनिकल ट्रायल के आंकड़ों को भी मंजूरी प्रक्रिया में शामिल किया गया। टाकेडा के मुताबिक सात वर्षों के फॉलो-अप अध्ययन में पाया गया कि यह वैक्सीन डेंगू वायरस के चारों प्रकारों से होने वाले संक्रमण और डेंगू के कारण अस्पताल में भर्ती होने के जोखिम से लंबे समय तक सुरक्षा प्रदान करती है। यह वैक्सीन 0.5 मिलीलीटर की दो खुराकों में दी जाएगी। दोनों डोज तीन महीने के अंतराल पर लगायी जाएंगी। टाकेडा के दक्षिण-पूर्व एशिया और भारत क्लस्टर के मेडिकल अफेयर्स प्रमुख गोह चू बेंग ने कहा कि यह वैक्सीन डेंगू के सभी चार प्रकारों से सुरक्षा देने के लिए विकसित की गयी है। उन्होंने कहा कि वैक्सीन के साथ-साथ मच्छर नियंत्रण, निगरानी, जनजागरूकता और अन्य सार्वजनिक स्वास्थ्य उपाय भी डेंगू की रोकथाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहेंगे।

सिक्किम में...

कारण यह काम जटिल हो गया है। फंसे हुए मजदूरों तक पहुंचने की कोशिश के दौरान कई बचाव कर्मियों को चक्कर आ गये और वे बेहोश हो गये। उन्होंने कहा कि एंबुलेंस को तैयार रखा गया है, जबकि गैस मास्क से लैस बचावकर्मी सुरंग के अंदर फंसे मजदूरों तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि इस सुरंग का निर्माण एक राजमार्ग परियोजना के हिस्से के रूप में किया जा रहा है।

त्रिपुरा पुलिस प्रमुख...

यह खबर मिलने के बाद अस्पताल पहुंचे। कुछ खबरों में दावा किया गया है कि पुलिस महानिदेशक ने खुदकुशी कर ली, वहीं विपक्ष के नेता जितेंद्र चौधरी ने कहा कि अगर कोई वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी आत्महत्या करता है, तो यह राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति को दर्शाता है। हम न्यायिक जांच की मांग करते हैं, ताकि मौत कैसे हुई और क्या कारण रहे, इसका पता चल सके। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की त्रिपुरा इकाई के अध्यक्ष अभिषेक देबरॉय ने डीजीपी की मौत पर दुख जताया और कहा कि उनकी मृत्यु का कारण पोस्टमॉर्टम के बाद ही पता चलेगा। उन्होंने कहा कि वह आज अपने दफ्तर में मृत मिले। घटना की मजिस्ट्रेट स्तर की जांच होगी। जल्द ही सच सामने आ जाएगा।

डब्ल्यूटीओ में...

किया जाता है। व्यापार नीति समीक्षा डब्ल्यूटीओ की व्यापार नीति समीक्षा संस्था (टीपीआरबी) द्वारा की जाती है, जिसमें संगठन के सभी सदस्य देश शामिल होते हैं। इन समीक्षाओं का संचालन व्यापार नीति समीक्षा निकाय (टीपीआरबी) द्वारा किया जाता है, जिसमें विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के सभी सदस्य देश शामिल होते हैं। समीक्षा दो प्रमुख दस्तावेजों के आधार पर की जाती है। डब्ल्यूटीओ के सभी सदस्य देशों की नियमित अंतराल पर समीक्षा की जाती है। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि डब्ल्यूटीओ में भारत की आठवीं व्यापार नीति समीक्षा बैठक 21 और 23 जुलाई, 2026 को आयोजित होगी। भारत की व्यापार नीति समीक्षा हर पांच साल में होती है। आठवीं समीक्षा में एक जनवरी, 2021 से 31 दिसंबर, 2025 तक की अवधि को शामिल किया गया है। मंत्रालय ने कहा कि वैश्विक स्तर पर चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद भारत का बाह्य व्यापार मजबूत बना हुआ है।

नेपाल सरकार ने...

और लिपुलेख सहित इन क्षेत्रों को अपने आधिकारिक मानचित्र में शामिल किया था। सूत्रों ने बताया कि मंत्रिपरिषद ने बृहस्पतिवार को नेपाल राष्ट्र बैंक (एनआरबी) को नये डिजाइन वाले एक रुपये और दो रुपये के सिक्के ढालने की मंजूरी दे दी। उन्होंने बताया कि एक रुपये के सिक्के से नेपाल का नया राजनीतिक मानचित्र हटा दिया जाएगा। सूत्रों के अनुसार नये डिजाइन वाले एक रुपये के सिक्के पर लिम्पियाधुरा, लिपुलेख और कालापानी को नेपाल का हिस्सा दिखाने वाले विवादित मानचित्र के स्थान पर मुस्तांग जिले के मरांग गांव स्थित लो ग्याकर मठ की तस्वीर होगी। लो ग्याकर मठ को नेपाल के सबसे प्राचीन मठों में से एक माना जाता है। हालांकि मंत्रिमंडल के सूत्रों के अनुसार, दो रुपये के सिक्के पर पहले से मुद्रित मानचित्र बरकरार रहेगा। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता भीम रावल ने एक रुपये के सिक्के से नया राजनीतिक मानचित्र हटाने के सरकार के फैसले की आलोचना करते हुए इसे नेपाल की क्षेत्रीय अखंडता के खिलाफ गंभीर कदम बताया। रावल ने सरकार और सत्तारूढ़ राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी से इस मामले पर तत्काल स्पष्टीकरण देने की मांग की। उन्होंने कहा कि यदि प्रधानमंत्री बालेन शाह के नेतृत्व वाली सरकार ने वास्तव में लिम्पियाधुरा, लिपुलेख और कालापानी सहित नेपाल के मानचित्र को एक रुपये के सिक्के से हटाकर उसकी जगह लो ग्याकर मठ की तस्वीर लगाने का फैसला किया है, तो यह एक और गंभीर राष्ट्रविरोधी निर्णय होगा तथा नेपाल की क्षेत्रीय अखंडता पर आघात होगा।

पायलट संगठन ने...

द्वारा मजबूत परिचालन जोखिम आकलन और मौजूदा खतरे के माहौल में पर्याप्त बीमा कवर तथा वैकल्पिक व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने की भी मांग की है। एएलपीए इंडिया ने कहा कि पायलटों को मौजूदा जोखिमों की पूरी जानकारी दी जानी चाहिए और उन्हें असुरक्षित हवाई क्षेत्र में उड़ान भरने के लिए किसी प्रकार के व्यावसायिक दबाव में नहीं डाला जाना चाहिए। पायलट निकाय ने यह भी कहा कि वह संघर्ष-प्रभावित क्षेत्रों के जोखिम आकलन और उड़ान सुरक्षा से जुड़े किसी भी तकनीकी परामर्श में मंत्रालय और डीजीसीए की सहायता के लिए तैयार है।

कॉन्स्टेबल हत्याकांड का वांटेड आरोपी कोर्ट में सरेंडर के बाद फरार, गिरफ्तारी के लिए पुलिस की ताबड़तोड़ दबिश

दौसा, एजेंसी। पुलिस कॉन्स्टेबल हत्याकांड में वांटेड आरोपी सिकराय कोर्ट में सरेंडर करने के बाद फरार हो गया। कोर्ट की रिपोर्ट पर मानपुर थाने में मामला दर्ज किया गया है पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही है। मानपुर थाना क्षेत्र में जयपुर-आगरा नेशनल हाईवे स्थित भूतनाथ मंदिर के पास वर्ष 2021 में जमीन विवाद हुआ था। पांचोली निवासी पुलिस कॉन्स्टेबल संजय गुर्जर की उसके भतीजे समेत अन्य आरोपियों ने पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। इस हत्याकांड में करोड़ी निवासी विजय मीणा भी आरोपी था। हत्याकांड के बाद विजय मीणा लंबे समय से कोर्ट पेश नहीं हो रहा था। इसी वजह वह मामले में वांटेड चल रहा था और पुलिस उसकी तलाश कर रही थी।

शनिवार को विजय मीणा ने सिकराय कोर्ट में न्यायिक अधिकारियों के सामने सरेंडर किया। बताया जा रहा है कि उसे जमानत नहीं मिलने की आशंका थी। इसी बीच उसने मौका देखकर कोर्ट परिसर से फरार होने में कामयाबी हासिल कर ली।

आरोपी के फरार होने के बाद कोर्ट की ओर से मानपुर थाने को रिपोर्ट भेजी गई। इसके आधार पर देर शाम आरोपी के कोर्ट परिसर से फरार होने का मामला दर्ज किया गया। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस विजय मीणा की गिरफ्तारी के लिए उसके संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही है।

बेहरोज में विकास कार्यों का लोकार्पण विधायक ललित यादव ने क्षेत्र को दी नई सौगातें

मुंडावर, एजेंसी। मुंडावर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम बेहरोज में रविवार को विधायक ललित यादव ने लगभग 15 लाख रुपये की लागत से कराए गए विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे और क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों पर प्रसन्नता व्यक्त की। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने विधायक ललित यादव का स्वागत करते हुए सदन में लेखानुदान में राजकीय विद्यालय के लिए स्वीकृत दो नए कमरों के लिए आभार जताया। ग्रामीणों ने कहा कि लंबे समय से विद्यालय में अतिरिक्त कक्षों की आवश्यकता महसूस की जा रही थी, जिसकी पूर्ति होने से विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं मिल सकेंगी। ग्रामीणों ने विधायक की अनुशंसा पर सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा लगभग 80 लाख रुपये की लागत से निर्मित की जा रही पुलिया के लिए भी धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि इस पुलिया के निर्माण से आवागमन की वर्षों पुरानी समस्या का समाधान होगा और बरसात के दिनों में लोगों को राहत मिलेगी।

इसके साथ ही ग्रामीणों ने चंद्रनाथ मंदिर मार्ग की सड़क स्वीकृत कराने के लिए विधायक का विशेष आभार व्यक्त किया। ग्रामीणों ने कहा कि पिछले लगभग 25 वर्षों से विभिन्न राजनीतिक लोगों द्वारा वन विभाग का हवाला देकर इस सड़क निर्माण कार्य को टालने और लोगों को भ्रमित करने का काम किया जाता रहा, लेकिन विधायक ललित यादव के प्रयासों से अब सड़क निर्माण का रास्ता साफ हुआ है और क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी।

विधायक ललित यादव ने कहा कि क्षेत्र के विकास और आमजन की सुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि मुंडावर विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक गांव में आवश्यक विकास कार्यों को गति देकर जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का प्रयास जारी रहेगा।

इस मौके पर सरपंच दिलावर चौधरी, ब्लॉक उपाध्यक्ष विनोद शर्मा, सरपंच प्रतिनिधि तरुण शर्मा, विजय चौधरी,शिवनारायण गुर्जर, माड़ाराम,कैप्टन मोतीलाल, शेरसिंह, रामानंद, राजकुमार, कालूराम, दयाराम सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

ओवरटेक के दौरान भीषण हादसा : बस-बोलेरो की आमने-सामने भिड़ंत चालक समेत 3 की मौत

श्रीडूंगरगढ़, एजेंसी। बीकानेर जिले में नेशनल हाईवे-11 पर रविवार को ओवरटेक कर रही एक बस की सामने से आ रही बोलेरो से भिड़ंत हो गई। टक्कर में बोलेरो के परखच्चे उड़ गए, वहीं बस का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में बोलेरो चालक सहित तीन लोगों की मौत हो गई, वहीं पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद हाईवे पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास से गुजर रहे वाहन चालकों की मदद से बोलेरो में फंसे घायलों को बाहर निकालकर उपजिला अस्पताल पहुंचाया। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची। बोलेरो में कुल आठ लोग सवार थे।

यह हुई घायल और मृतकों की पहचान-हादसे में चालक दानीराम, विकास (28), प्रतीक्षा (28), आईना (28), मेघा (18) अमिता (30) निधि (3) और शिवांगी (6) घायल हुए। एक साथ बड़ी संख्या में घायलों के पहुंचने पर उपजिला अस्पताल की मेडिकल टीम अलर्ट हो गई और तत्काल उपचार शुरू किया गया। उपचार के दौरान चालक दानीराम, मेघा और शिवांगी की मौत हो गई। अन्य घायलों का उपचार जारी है, इनमें से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार सभी लोग गांव तोलियासर में दर्शन कर अपने गांव गुसाईंसर छोटा लौट रहे थे।

लायंस क्लब बहरोड़ व अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के संयुक्त तत्वावधान में योग शिविर आयोजित

बहरोड़। लायंस क्लब बहरोड़ एवं अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के संयुक्त तत्वावधान में रविवार प्रातः कृष्णा मैरिज गार्डन, बहरोड़ में एक दिवसीय योग शिविर का आयोजन किया गया। सुबह 6 बजे शुरू हुए इस शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर योगाभ्यास किया और स्वस्थ जीवन का संदेश दिया।

निवेश प्रोत्साहन प्रयासों पर लगी राष्ट्रीय मुहर, निवेश अनुकूलता में 'अग्रणी राज्यों' में शामिल हुआ राजस्थान

जयपुर, एजेंसी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा निवेश प्रोत्साहन के लिए किए जा रहे प्रयासों पर राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण मुहर लगी है। नीति आयोग द्वारा जारी निवेश अनुकूलता सूचकांक में राजस्थान को 'अग्रणी राज्य' की श्रेणी में स्थान मिला है। समग्र रैंकिंग में राज्य देशभर में 10वें तथा बड़े राज्यों में 8वें स्थान पर रहा। वहीं, बड़े राज्यों की श्रेणी में नियमों के सरलीकरण में राजस्थान ने दूसरा, निवेश प्रोत्साहन नीतियों में तीसरा तथा संसाधनों के क्षेत्र में पांचवां स्थान प्राप्त किया है। यह राज्य में निवेश को बढ़ावा देने, उद्योगों के लिए बेहतर माहौल तैयार करने और कारोबार को आसान बनाने की दिशा में किए गए सुधारों का परिणाम है। राज निवेश पोर्टलः अब 190 सेवाएं उपलब्ध, निस्तारण समय में आ रही कमी राज्य में उद्योगों की स्थापना की प्रक्रिया को सरल बनाने, निवेशकों को समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराने, औद्योगिक भूमि, आधारभूत सुविधाओं तथा निवेश-अनुकूल वातावरण विकसित करने के लिए लगातार प्रभावी कदम उठाए गए हैं। इन प्रयासों का सकारात्मक प्रभाव अब नीति आयोग की रिपोर्ट में भी दिखाई दिया है। बड़े राज्यों की श्रेणी में नियामकीय सुगमता के क्षेत्र में राजस्थान ने देश में दूसरा स्थान प्राप्त किया है।

राज्य सरकार ने निवेशकों को तेज, पारदर्शी और समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए राज निवेश पोर्टल को लगातार सुदृढ़ किया है। वर्तमान में इस पोर्टल पर 18 विभागों की 190 सेवाएं उपलब्ध हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 में पोर्टल पर कुल 34,704 आवेदन प्राप्त हुए, जबकि वित्तीय वर्ष 2026-27 में 30 जून तक कुल 30 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 17 हजार से अधिक का निस्तारण किया जा चुका है। इस अवधि में आवेदनों के निस्तारण की समग्र दर 64 प्रतिशत रही, जबकि सर्वाधिक उपयोग वाली 11 प्रमुख सेवाओं में यह दर 68 प्रतिशत रही। साथ ही, प्रमुख सेवाओं के औसत निस्तारण समय में कमी दर्ज की गई है।

प्रदेश में नए विद्युत कनेक्शन की औसत स्वीकृति अवधि पिछले वित्तीय वर्ष के 20 दिनों से घटकर 10 दिन हो गई है, इसी प्रकार पर्यटन परियोजनाओं की स्वीकृति अवधि 22 दिनों से घटकर 16 दिन हो गई है।

पिछले ढाई वर्षों में 30 से अधिक नई नीतियां लागू

राज्य सरकार द्वारा पिछले ढाई वर्षों में निवेश और औद्योगिक विकास को गति देने के लिए 30 से अधिक नई नीतियां लागू की गई हैं। इनमें एमएसएमई, निर्यात प्रोत्साहन, टेक्सटाइल एवं अपैरल, लॉजिस्टिक्स, स्वच्छ ऊर्जा, डेटा सेंटर, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर, सेमीकंडक्टर, एयरोस्पेस एवं डिफेंस जैसी सेक्टर आधारित नीतियां शामिल हैं। साथ ही, इसमें कई ऐसे क्षेत्र भी शामिल हैं, जिनके लिए राजस्थान में पहली बार नीतियां बनाई गई हैं। इन्हीं व्यापक नीतिगत सुधारों का परिणाम है कि नीति आयोग ने निवेश प्रोत्साहन के लिए बनाई गई सरकारी नीतियों के मामले में बड़े राज्यों की श्रेणी में राजस्थान को देश में तीसरा स्थान दिया है।

राजस्थान में निवेशकों का विश्वास लगातार हो रहा मजबूत

नीति आयोग के इस सूचकांक की विशेषता यह है कि इसमें केवल सरकारी आंकड़ों के आधार पर ही मूल्यांकन नहीं किया गया है, बल्कि देशभर के निवेशकों से प्राप्त सुझावों और अनुभवों को भी शामिल किया गया है। इस कारण यह रिपोर्ट निवेशकों की वास्तविक धारणा को भी सामने लाती है। रिपोर्ट से स्पष्ट है कि राजस्थान में निवेशकों का विश्वास लगातार मजबूत हुआ है और राज्य निवेश के लिए अधिक पारदर्शी, विश्वसनीय तथा उद्योग-अनुकूल गंतव्य के रूप में उभरा है।

राइजिंग राजस्थान समिट से बना सकारात्मक निवेश माहौल

राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट ने प्रदेश में निवेश का नया माहौल तैयार किया है। समिट के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में 35 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश समझौते (एमओयू) हुए, जिनमें से करीब 9 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं की ग्राउंड ब्रेकिंग भी हो चुकी है। इन निवेश प्रस्तावों के क्रियान्वयन के लिए राज्य सरकार नियमित समीक्षा, विभागों के बीच समन्वय और निवेशकों की समस्याओं के त्वरित समाधान की व्यवस्था सुनिश्चित कर रही है। राइजिंग राजस्थान समिट से बने इसी सकारात्मक निवेश माहौल और सरकार द्वारा किए गए सतत सुधारों का प्रतिबिंब नीति आयोग के निवेश अनुकूलता सूचकांक में भी दिखाई देता है।

निवेश अनुकूलता सूचकांक: विकसित भारत की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत 2047 के विजन को साकार करने की दिशा में राज्यों में निवेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नीति आयोग ने 'निवेश अनुकूलता सूचकांक' तैयार किया है। प्रधानमंत्री ने जुलाई 2024 में नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की बैठक में राज्यों के लिए निवेश-अनुकूल ढांचा विकसित करने पर जोर दिया था। इसके बाद केंद्रीय बजट 2025-26 में निवेश अनुकूलता सूचकांक विकसित करने की घोषणा की गई। यह सूचकांक राज्यों में निवेश के लिए उपलब्ध वातावरण का आकलन करते हुए स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और सहकारी संघवाद को बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण माध्यम है।

राजस्थान प्रदेश बैंक एम्पलाईज यूनियन द्वारा 57वें बैंक राष्ट्रीयकरण दिवस का आयोजन

-सार्वजनिक-सहकारी

बैंक बचाओ ,देश बचाओ की ली गई शपथ

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान प्रदेश बैंक एम्पलाईज यूनियन की ओर से तारक भवन जयपुर में रामगोपाल शर्मा की अध्यक्षता में 57वां बैंक राष्ट्रीयकरण दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। समारोह में आरपीबीयू महासचिव महेश मिश्रा सहकार नेता सूरज भान सिंह आमेरा, सचिव महेश शर्मा, महिला विंग की संयोजिका मेघा मलिक, राहुल पांडे आर जी शर्मा ने विचार व्यक्त किए, इस अवसर पर विभिन्न सार्वजनिक बैंक ,सहकारी बैंकों के कार्मिकों, किसान आमजन और ग्राहकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए महेश मिश्रा ने कहा कि 19 जुलाई 1969 को 14 बड़े बैंकों का राष्ट्रीयकरण एक ऐतिहासिक फैसला था। इसके बाद ही बैंकिंग गांव-गांव, किसान-मजदूर तक पहुंची।सार्वजनिक और सरकारी सहकारी बैंकों में जमाए सुरक्षित है ।

सहकार नेता सूरज भान सिंह आमेरा ने बताया कि राष्ट्रीयकृत और सहकारी बैंकों ने ही कोरोना काल, नोटबंदी और [illegible]-यस बैंक जैसी आपदाओं में आम जनता की जमा को सुरक्षा दी। आज भी किसान क्रेडिट कार्ड, मुद्रा लोन, जनधन खाते ,फसली ऋण और ग्रामीण सरकारी योजनाओं का लाभ केवल सार्वजनिक और सहकारी बैंक ही जमीनी स्तर तक पहुंचा रहे हैं। इसलिए राष्ट्रीयकरण आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना 57 साल पहले था।*आमेरा ने निजीकरण की चुनौती और कड़ा विरोध*करते हुए केंद्र सरकार की बैंक निजीकरण की नीति को *जन विरोधी बताया। कहा गया कि सार्वजनिक बैंक सार्वजनिक हित में है, निजी सहकारी बैंक [illegible] में 10 हजार करोड़ का घोटाला , आदर्श सहकारी बैंक घोटाला और यस बैंक का संकट इसका जीता-जागता उदाहरण है। निजीकरण से बैंकिंग केवल मुनाफे का धंधा बन जाएगी और गरीब, किसान, [illegible] ऋण से वंचित हो जाएंगे।

आयोजन सभा ने प्रस्ताव पारित कर बैंक निजीकरण को तुरंत रद्द करने की मांग की गई और राष्ट्रीयकरण को बचाने की शपथ ली गई*।

नेताओं ने कहा कि निजीकरण से सबसे ज्यादा नुकसान ग्राहको आमजन के साथ साथ बैंक कार्मिकों को होगा। ठेके पर भर्ती, पुरानी पेंशन बंदी और वेतन समझौते सेवा शर्तों में कटौती से 10 लाख बैंक कर्मचारियों का भविष्य अंधकार में है।साथ ही निजी अरबन सहकारी बैंकों में जनता की जमाए डूबने से, पर्याप्त भर्ती नहीं होने और पैक्स कार्मिकों को 20% आरक्षण नहीं देने से ग्रामीण सहकारी बैंकिंग ऋण व्यवस्था चरमरा रही है। इससे किसान और आम ग्राहक सीधे प्रभावित हो रहे हैं।

पारित प्रस्ताव एवं मांगें

सम्मेलन में निम्न मांगों को लेकर केंद्र सरकार से पत्र लिखा जाएगाः 1. बैंक निजीकरण का फैसला वापस लो 2. *सार्वजनिक और सहकारी बैंकों में तुरंत भर्ती करो । 3. बैंक गबन करने वालों पर कठोर कानून बनाकर कार्रवाई करो

4. ?निजी अर्बन सहकारी बैंकों को उदारता से बैंक लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया पर रोक लगाओ

5. ?सभी निजी बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया जाए

अंत में मिठाई वितरण के साथ राष्ट्रीयकरण जिंदाबाद, निजीकरण बंद करो, जय सहकार - जय किसान - जय भारत के नारे के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

धार्मिक स्थलों के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही राज्य सरकार : भजनलाल शर्मा

जयपुर, एजेंसी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में आयोजित भव्य हनुमान कथा का श्रद्धापूर्वक श्रवण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि स्वामी गोविन्द देव गिरी जी महाराज जैसे संतों के सान्निध्य में होने वाले धार्मिक आयोजन समाज में सकारात्मकता और उच्च संस्कारों का संचार करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश आज अमृत काल में है और दुनिया के अग्रणी राष्ट्रों के रूप में उभर रहा है। स्वामी विवेकानंद जी ने जिस सांस्कृतिक वैभव का सपना देखा था, आज हमारी संस्कृति उसी रूप में पूरी दुनिया में अपनी पहचान बना रही है। उन्होंने कहा कि भव्य राम मंदिर का निर्माण, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, महाकाल लोक और बद्रीनाथ-केदारनाथ धाम का जीर्णोद्धार नए भारत की सांस्कृतिक चेतना के प्रतीक हैं। मुख्यमंत्री ने 22 जनवरी के ऐतिहासिक दिन को याद करते हुए कहा कि लंबे इंतजार के बाद जब प्रभु राम की प्राण-प्रतिष्ठा हुई, तो पूरी दुनिया उस पल की साक्षी बनी।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की समृद्ध संस्कृति और विरासत के संरक्षण का कार्य निरन्तर कर रही है। खाटूश्याम जी, गिरराज जी और पुष्कर के ब्रह्मा मंदिर सहित प्रमुख धार्मिक केंद्रों के विकास के लिए सरकार काम कर रही है।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री का वैदिक परंपरा के अनुरूप मंत्रोच्चार के साथ स्वागत किया गया। इस दौरान उन्होंने चारों वेद ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद एवं अथर्ववेद का वाचन कर रहे बटुकों के वैदिक मंत्रोच्चार का श्रवण किया। हनुमान कथा के दौरान उपस्थित श्रद्धालु भक्तिभाव में सराबोर नजर आए। इस अवसर पर विधायक बालमुकुंद आचार्य, ठाकुर गोविन्ददेव चतुर्वेद विद्यापीठ के न्यासी संदीप झंवर सहित अन्य पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

दौसा में संत रामपाल महाराज का सत्संग सम्पन्न सतभक्ति और सामाजिक सुधार का दिया संदेश

दौसा। संत रामपाल महाराज के सानिध्य में सत्संग एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम रविवार को यशोधरा लॉन में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में दौसा एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर सत्संग का लाभ प्राप्त किया। सत्संग के दौरान संत रामपाल महाराज के अमृत वचनों का श्रवण कराया गया, जिसमें शास्त्रों के अनुसार सतभक्ति, मानव जीवन का वास्तविक उद्देश्य तथा सामाजिक कुरीतियों जैसे नशा, दहेज, भ्रूण हत्या, भ्रष्टाचार और जाति-पाति जैसी बुराइयों से दूर रहने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित श्रद्धालुओं ने अनुशासन एवं शांतिपूर्ण वातावरण में सत्संग का लाभ लिया। आयोजकों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी श्रद्धालुओं, समाज के गणमान्य नागरिकों एवं प्रशासन का हृदय से आभार व्यक्त किया।

बच्चों ने श्रद्धा और रचनात्मकता से सजाई बाल रथयात्रा, आकर्षक रथों ने जीता सभी का मन

जयपुर, एजेंसी। गुप्त वृंदावन धाम में आयोजित श्री जगन्नाथ बाल रथयात्रा महोत्सव में बड़ी संख्या में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर बच्चों ने अपने परिवार के सहयोग से भगवान श्री जगन्नाथ के आकर्षक रथ तैयार कर अपनी कला, कल्पनाशक्ति और भक्ति का सुंदर परिचय दिया। कई बच्चे स्वयं अपने हाथों से बनाए रथ लेकर कार्यक्रम में पहुंचे, जिनमें भगवान जगन्नाथ, बलदेव और सुभद्रा की सुंदर झांकियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। प्रतिभागी बच्चों ने बताया कि उन्हें रथ निर्माण की प्रेरणा मंदिर के ICVK (Indian Culture Value for Kids) कार्यक्रम के माध्यम से मिली। रथों के निर्माण में कार्डबोर्ड, क्ले, रंग, आइसक्रीम स्टिक, रस्सी और अन्य हस्तशिल्प सामग्री का उपयोग किया गया। कई बच्चों ने भगवान जगन्नाथ, बलदेव और सुभद्रा की प्रतिमाएं स्वयं मिट्टी से तैयार कीं, जबकि कुछ ने जगन्नाथ पुरी की ऐतिहासिक रथयात्रा से प्रेरित दो मंजिला रथ बनाकर अपनी रचनात्मकता का परिचय दिया। कार्यक्रम में भव्या लेखवानी, पिहू सहित अनेक बच्चों की रचनात्मक प्रस्तुतियों ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। बच्चों के साथ उनके अभिभावकों ने भी उत्साहपूर्वक सहयोग किया, जिससे यह आयोजन पारिवारिक सहभागिता, भारतीय संस्कृति और भगवान जगन्नाथ के प्रति श्रद्धा का सुंदर उदाहरण बन गया।

बाल रथयात्रा के दौरान बच्चों ने 'जय जगन्नाथ' के उद्घोष के साथ रथ खींचे और भक्ति एवं उत्साह से भरे वातावरण में कार्यक्रम का आनंद लिया। आयोजन का उद्देश्य बच्चों को भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक मूल्यों और भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा की परंपरा से जोड़ना रहा।

जयकारों के साथ श्री केसरिया कुंथुनाथ जैन मंदिर में हुआ साध्वी अर्पितगुणाश्री का भव्य चातुर्मासिक मंगल प्रवेश

जोधपुर, एजेंसी। रातानाडा अजीत कॉलोनी स्थित श्री केसरिया कुंथुनाथ जैन मंदिर में साध्वी अर्पितगुणा एवं साध्वी मंत्रनिधि का परमात्मा एवं गुरु के गगनचुंबी जयकारों के साथ हर्षोल्लास के साथ भव्य चातुर्मासिक मंगल प्रवेश हुआ। तीर्थ के प्रवक्ता दिलीप जैन एवं अध्यक्ष यशपाल मेहता ने बताया कि रविवार को प्रातः 8.30 बजे अनुयोगाचार्य आदर्शरत्नसागर, अक्षतरत्नसागर के पावन सानिध्य एवं साध्वी अर्चितगुणाश्री की विशेष उपस्थिति में भुवाल वाटिका से चतुर्मासिक प्रवेश शोभायात्रा बैंड बाजों एवं ढोल नगाड़ों के साथ चतुर्विध संघ की उपस्थिति में निकाली गई। तीर्थ के उपाध्यक्ष निर्मल मेहता एवं सचिव राकेश मेहता ने बताया कि शोभयात्रा के तीर्थ में

प्रवेश करने पर कुंथुनाथ महिला मंडल की सदस्याओं ने मस्तक पर मंगल कलश उठाए साधु एवं साध्वियों की परिक्रमा देते हुए मंगल गीतों के साथ बधावणा किया। तीर्थ के ट्रस्टी मृदुल मेहता ने बताया कि इस अवसर पर धर्म सभा को संबोधित करते हुए अक्षतरत्नसागर ने कहा कि चातुर्मास आत्मिक उत्थान का कारक है। जीवन को सफल एवं सार्थक बनाने हेतु परमात्मा एवं गुरु का आशीर्वाद प्राप्त करना अति महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि गुरुवर्या के चातुर्मास का योग मिला है। इसे संयोग में बदलने के साथ जीवन में परिवर्तन लाने की आवश्यकता है। धर्म सभा में प्रसिद्ध जैन भजन गायिका मोनिका जैन द्वारा स्वागत गीतों के साथ गाए गए तेरी चौखट पे आना मेरा काम है, मेरी बिगड़ी बनाना तेरा काम है जैसे भजनों की प्रस्तुति ने सभी झूमने पर विवश कर दिया। इस अवसर पर मध्यप्रदेश बड़नगर से आए गुरुवर्या के सांसारिक परिवार के सदस्य पवन मेहता, विजय मेहता, राजेंद्र मेहता एवं सोजत सिटी से आए जितेंद्र सिंघवी सहित चातुर्मास के सहयोगियों का संघ की ओर से बहुमान किया गया। धर्म सभा में गणेश भंडारी, आदेश्वर जैन, ललित सुन्देशा, सुनील सिंघवी, प्रदीप खिंवसरा, पारस पोरवाल, विक्रम बागरेचा, जगदीश गांधी सहित विभिन्न संघों से आए पदाधिकारियों ट्रस्टियों एवं संघ सदस्यों के साथ सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

संग्राम सिंह ने जीता लगातार चौथा मुकाबला

- पाकिस्तानी फाइटर का घमंड तोड़ा; एक मिनट 20 सेकंड में कर दिया चित

नई दिल्ली। भारत के स्टार एमएमए फाइटर संग्राम सिंह ने पाकिस्तानी फाइटर मोहम्मद आबिद अली का घमंड तोड़ दिया और उन्हें सिर्फ एक मिनट 20 सेकंड में ही चित कर दिया। एमएमए में ये संग्राम सिंह की लगातार चौथी जीत भी रही साथ ही पाकिस्तानी फाइटर पर उनकी ये दूसरी जीत रही। संग्राम सिंह का एमएमए के मंच पर अपराजित रहने का सिलसिला जारी है और वो एशियाई चैम्पियन टाइटिल जीतने वाले पहले भारतीय भी बन गए हैं।

संग्राम सिंह ने देश को समर्पित की जीत

इस फाइट का आयोजन मलयेशिया में किया गया था और इसे लेकर मलयेशियाई दर्शकों में जबरदस्त उत्साह था। संग्राम सिंह के जीतने के बाद भारतीय फैंस रिंग के बेहद करीब आकर भारत माता की जय के नारे लगाने लगे। वहीं संग्राम सिंह ने जहां इस जीत को 140 करोड़ भारतीयों को समर्पित किया तो वहीं मोहम्मद बूटा के नाम से मशहूर मोहम्मद आबिद अली ने फेस ऑफ वाले दिन की तरह ही विवादास्पद बयान दिए। उसकी हार की खीझ लगातार बाहर आती रही। आबिद ने कहा कि मलयेशिया में जितने भी मुसलमान हैं, वह उन सबसे बहुत प्यार करते हैं। उनके इस बयान पर भी वहां काफी हूटिंग हुई। वहीं संग्राम सिंह ने कहा कि उनका किसी भी फाइट में एक ही उद्देश्य रहता है कि देश का तिरंगा ऊंचा हो और उन्हें खुशी है कि उन्हें एक बार फिर इसे ऊंचा करने का सौभाग्य मिला। इससे पहले संग्राम सिंह पाकिस्तान के अली रजा नासिर, ट्यूनीशिया के हाकिम तराबेसी और फ्रांस के फ्लोरियन काउडियर को हरा चुके हैं।

संग्राम सिंह ने डटकर किया मुकाबला– फाइनल से पहले वजन और मोहम्मद आबिद अली के बड़बोले बयान के बाद यह मुकाबला प्रतिष्ठा की लड़ाई बन चुका था, लेकिन दोहरे हैवीवेट कॉमनवेल्थ चैम्पियन ने अपने देशवासियों को निराश नहीं होने दिया। संग्राम सिंह के कोच भूपेश कुमार ने बताया कि मोहम्मद आबिद अली की पंचिंग काफी अच्छी थी। उसने पंचिंग से अटैक किया जिस पर संग्राम लगातार बचते रहे। उसकी ऊंची कदकाठी होने से उसके पंच की पहुंच भी अच्छी थी जिससे उसका एक पंच संग्राम की आंख पर लगा। उसकी इस खूबी को देखकर संग्राम ने कोई जल्दबाजी या हड़बड़ाहट नहीं दिखाई। हालांकि आबिद भी कुश्ती से एमएमए में आए हैं लेकिन कुश्ती के दांव-पेंचों में संग्राम ने उन्हें बुरी तरह असहाय कर दिया।

30वें सेकंड में संग्राम ने शानदार तरीके से लेग अटैक किया और पलक झपकते ही उन्होंने आबिद पर एंकल होल्ड करके अपनी जीत की आधारशिला रख दी। इसके लिए वह पहले तो आबिद को रिंग के किनारे पर एंकल होल्ड करके उसे खींचकर अंदर लाए और फिर उसी पोजीशन पर उन्होंने आबिद को चोक कर दिया और इसका कोई जवाब आबिद के पास नहीं था।

आंखों में नमी और चेहरे पर निराशा थी

टूट गए लियोन मेसी

- स्पेन के खिलाड़ियों ने बंधाया ढांढस

नई दिल्ली (एजेंसी) मेटलाइफ स्टेडियम में बैठे समर्थकों के अलावा दुनिया के कोने कोने में देर रात टीवी के आगे नजरें गड़ाये बैठे करोड़ों प्रशंसकों की जुबां पर एक ही नाम था ..लियोनेल मेसी, लेकिन विश्व कप में सुनहरे सफर के आखिरी पड़ाव पर उनका चहेता यह सितारा बेनूर हो गया। खेल के 106वें मिनट में फेरान टोरेस के गोल के दम पर स्पेन ने अर्जेंटीना को हराकर खिताब जीता। दक्षिण अमेरिकी धुरंधर से छिनकर यूरोपीय दिग्गज ने विश्व फुटबॉल की बादशाहत पर कब्जा कर लिया। ब्राजील (1958 और 1962) के बाद अर्जेंटीना लगातार दो खिताब जीतने वाली पहली टीम बनने का सपना लेकर फाइनल में उतरी थी। मेसी लगातार दूसरी बार चैम्पियन नहीं बन सके। आखिरी सीटी बजने पर उनकी आंखों में नमी और चेहरे पर निराशा को सभी ने देखा।

स्पेन का गोल होने के बाद स्तब्ध थे मेसी- एक तरफ स्पेन के खिलाड़ी जश्न मना रहे थे तो दूसरी तरफ मेसी और उनकी टीम स्टेडियम के दक्षिणी छोर पर अर्जेंटीना के समर्थकों को धन्यवाद दे रही थी और शायद माफी भी मांग रही थी। अर्जेंटीना को फ्रांस के खिलाफ 2022 विश्व कप में खिताबी जीत और दो बार कोपा अमेरिका खिताब दिलाने में सूत्रधार रहे मेसी स्पेन का गोल होने के बाद सिर झुकाये और कमर पर हाथ रखकर स्तब्ध खड़े रहे।

अर्जेंटीना को विश्व कप फाइनल तक ले गए मेसी–बार्सीलोना और पेरिस सेंट जर्मेन के साथ 12 लीग और चार चैम्पियंस लीग खिताब जीतने के बाद मेसी ने जब यूरोपीय फुटबॉल से विदा लेकर तीन साल पहले एमएलएस का रूख किया तो लोगों को लगा कि वह रिटायर होकर अमेरिका में बस जायेंगे, लेकिन वह एक बार फिर अर्जेंटीना को विश्व कप फाइनल तक ले गए जिनमें उनके खाते में आठ गोल आये और चार में वह सहायक रहे।

ढांढस बंधाने आये स्पेन के खिलाड़ी

स्पेन के खिलाड़ी आखिरी सीटी बजने के बाद मेसी को ढांढस बंधाने आये। मेसी मैदान पर बैठ गए और हाथ पीछे रखकर एकटक देखते रहे। उपविजेता का पदक लेने आये तो मुस्कुराने की कोशिश की लेकिन नाकाम रहे। फिर अपने विचारों में खोये हुए, दुख को छिपाने की कोशिश करते मैदान के एक कोने के निकास से चुपचाप बाहर चले गए। विश्व कप से शायद आखिरी बार।

मेसी के 125 अंतरराष्ट्रीय गोल हैं

विश्व कप में उनके 21 गोल हो गए हैं और शनिवार को तीसरे स्थान के मुकाबले में फ्रांस के किलियन एम्बाप्पे (22 गोल) के आगे निकलने तक वह शीर्ष पर थे। तीन विश्व कप फाइनल खेलने वाले पहले खिलाड़ी मेसी के 125 अंतरराष्ट्रीय गोल हैं और वह सिर्फ क्रिस्टियानो रोनाल्डो (146) से पीछे हैं।

मेसी ने संन्यास से की वापसी

पेले और माराडोना की लीग में शामिल मेसी ने 2016 कोपा अमेरिका फाइनल में चिली के खिलाफ शूटआउट में मिली हार के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से विदा ले ली थी, लेकिन 47 दिन बाद वापसी की और 2022 में अर्जेंटीना को तीसरी बार विश्व कप दिलाया।

रूपम मुखर्जी ने जीता शतरंज का खिताब

गुवाहाटी, 21 जुलाई (ख.सं.)। पश्चिम बंगाल के रूपम मुखर्जी ने सरुसजाई स्थित अर्जुन भोगेश्वर बरुला खेल परिसर के कर्मवीर नवीन चंद्र बरदलै इनडोर स्टेडियम में 14 से 19 जुलाई तक आयोजित तीसरा गुवाहाटी स्मार्ट सिटी इंटरनेशनल फिडे रेटिंग शतरंज टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर लिया है। अखिल असम चेस संघ के तत्वाधान में 9 राउंड की स्विस लीग पद्धति पर आयोजित इस प्रतियोगिता में रूपम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 9 मैचों में से 8.5 अंक हासिल कर पहला स्थान प्राप्त किया। वहीं पश्चिम बंगाल के नीलाद्री बनर्जी, महाराष्ट्र के घागड़े हर्ष और पश्चिम बंगाल के अर्पण दास ने भी 8.5-8.5 अंक हासिल किये, लेकिन टाईब्रेक स्कोर के आधार पर उन्हें क्रमशः दूसरा, तीसरा और चौथा स्थान मिला। प्रतियोगिता के समापन पर शीर्ष स्थान हासिल करने वाले खिलाड़ियों के बीच कुल 5,20,000 रुपये की नकद पुरस्कार राशि वितरित की गयी। इस पुरस्कार वितरण समारोह में वरिष्ठ पत्रकार प्रणय बरदलै मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। इसके अलावा समारोह में ऑल असम चेस एसोसिएशन के अध्यक्ष मुकुता डेका, महासचिव राजीव धर, जाने-माने तैराक एल्विस अली हजारिका, प्राग न्यूज परिवार के अक्षत नारायण, साई विकास के निवेश रेड्डी तथा वरिष्ठ पत्रकार पुलिन साहा और निशांत गोस्वामी सहित कई अन्य विशिष्ट हस्तियां भी उपस्थित थीं।

चार जिला सेमीफाइनल में पहुंचीं

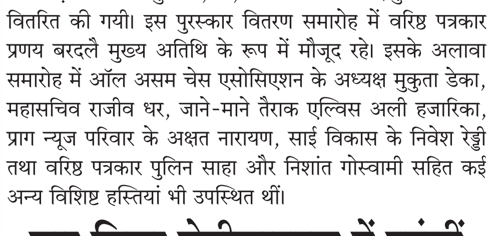

गुवाहाटी, 21 जुलाई (ख.सं.)। पिलिक चौधरी स्मृति 15 वर्ष से कम आयु वर्ग (अंडर-15) अंतर-जिला स्कूल फुटबॉल प्रतियोगिता में कामरूप मेट्रो, कार्बी आंग्लांग, कोकराझाड़ और धेमाजी की टीमों ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में जगह बना ली है। असम सरकार के खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा मोरिगांव जिला खेल अधिकारी कार्यालय के आतिथ्य में आयोजित इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के पहले सेमीफाइनल में कामरूप मेट्रो का मुकाबला कार्बी आंग्लांग से होगा, जबकि दूसरे सेमीफाइनल में कोकराझाड़ की भिड़ंत धेमाजी से होगी। ये दोनों सेमीफाइनल मैच कल सुबह 7 बजे दंदोवा खेल मैदान और मोरिगांव के मणिपुर मिनी स्टेडियम में खेले जाएंगे। इससे पहले आज आयोजित क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया। पहले क्वार्टर फाइनल में कोकराझाड़ ने चराईदेव को एकतरफा मुकाबले में 8-0 से करारी शिकस्त दी, जबकि कामरूप मेट्रो ने शिवसागर को 3-0 से हरा दिया। अन्य मुकाबलों में कार्बी आंग्लांग ने जोरहाट को 2-0 से और धेमाजी ने तिनसुकिया जिले को 1-0 से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया।

स्पेन बना विश्व विजेता

फेरान टोरेस के गोल ने अर्जेंटीना से छीनी ट्रॉफी

नई दिल्ली। लियोनेल मेसी का लगातार दूसरा फीफा विश्व कप जीतने और विजेता के तौर पर विदाई लेने का सपना आखिरकार अधूरा रह गया। अमेरिका के मेटलाइफ स्टेडियम में खेले गए फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल में स्पेन ने अतिरिक्त समय में फेरान टोरेस के 106वें मिनट के गोल की बदौलत अर्जेंटीना को 1-0 से हराकर 16 साल बाद विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। इस विश्व कप का फेरान टोरेस का पहला गोल उनके जीवन का सबसे अनमोल गोल बन गया जिसने स्पेन को ट्रॉफी दी और इस खूबसूरत खेल के महानतम खिलाड़ियों में से एक लियोनल मेसी को आंसुओं के साथ विदाई। लियोनल मेसी का लगातार दूसरा विश्व कप जीतने का सपना आखिरी तिलिस्म पर आकर टूट गया। पूरे टूर्नामेंट में सिर्फ एक गोल खाने वाली स्पेनिश टीम ने अपने अभेद्य रक्षण से लियोनल मेसी को भी बेअसर कर दिया और इतिहास रचते हुए विश्व कप जीतने वाली सबसे मजबूत रक्षात्मक टीमों में अपनी जगह दर्ज करा ली। फेरान टोरेस ने बॉक्स के भीतर हवा में आई गेंद पर अपने बाएं पैर से कब्जा करके शॉट लगाया और अर्जेंटीना के गोलकीपर उसे बचा नहीं सके। यह 2010 के बाद स्पेन का दूसरा विश्व खिताब है।

स्पेन का सबसे कम गोल गंवाने का रिकॉर्ड

फीफा वर्ल्ड कप 2026 में 8 मैच में सिर्फ एक गोल खाने वाली स्पेन ने टूर्नामेंट में चैंपियन द्वारा सबसे कम गोल गंवाने का विश्व रिकॉर्ड भी बनाया। पूरे टूर्नामेंट में आखिरी मिनटों में चमत्कारिक वापसी करती आई अर्जेंटीना उस प्रदर्शन को दोहरा नहीं सकी। निर्धारित समय तक गोलरहित बराबरी के बाद मैच अतिरिक्त समय में खिंचा था। स्पेन की महिला फुटबॉल टीम ने भी 2023 में विश्व कप जीता था और स्पेन एक ही साथ महिला और पुरुष फुटबॉल विश्व कप जीतने वाला पहला देश बन गया। इसके साथ ही स्पेन के कोच लुईस डे ला फुऐंटे 65 वर्ष की उम्र में किसी टीम को खिताब दिलाने वाले सबसे उम्रदराज कोच बन गए।

अर्जेंटीना-स्पेन के खिलाड़ियों के बीच हाथापाई

लिएंड्रो पारेडेस की एरिक गार्सिया और गेवी से भिड़ंत

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 फाइनल के बाद अर्जेंटीना और स्पेन के खिलाड़ियों के बीच लड़ाई हो गई। अर्जेंटीना के मिडफील्डर लिएंड्रो पारेडेस को मुकाबला खत्म होने के बाद रेड कार्ड दिखाया गया। अर्जेंटीना को रविवार (19 जुलाई) को स्पेन से 1-0 से हार का सामना करना पड़ा। मैच खत्म होने के बाद पारेडेस को स्पेन के डिफेंडर एरिक गार्सिया और गेवी के साथ हाथापाई करते देखा गया। पारेडेस ने दोनों का गला पकड़ लिया था। लड़ाई की वजह साफ नहीं है, लेकिन सोशल मीडिया पर वीडियो में रेफरी के फाइनल व्हिसल बजाने के कुछ सेकंड बाद गार्सिया को जमीन पर गिरते हुए देखा जा सकता है। फिर वह उठे और पारेडेस से उनकी तीखी बहस हुई है। पारेडेस ने गार्सिया की गर्दन पर हाथ रखा और धक्का दे दिया है। इसके अलावा अर्जेंटीना के डिफेंडर नाहुएल मोलिना ने भी फाइनल व्हिसल बजने के ठीक बाद एक स्पैनिश सब्सटीट्यूट के पेट में घूंसा मारा।

स्पेन ने अर्जेंटीना का सपना तोड़ा

स्पेन ने अर्जेंटीना को 1962 के बाद अपना वर्ल्ड कप खिताब का बचाव करने वाली पहली टीम बनने से रोक दिया। स्पेन पूरे मैच में हावी था। आखिरकार वह अपने 20वें शॉट पर विनिंग गोल करने में कामयाब रहा। अर्जेंटीना गोल के लिए एक भी शॉट नहीं ले पाई। इसके बावजूद मैच फुल टाइम तक 0-0 रहा। बार्सिलोना के फेरान टोरेस ने आखिरकार 106वें मिनट में गोल किया जो स्पेन के लिए विनिंग गोल साबित हुआ।

रोहित का शतक, मगर भारत ने 27 रन से गंवाया मैच

इंग्लैंड ने 2-1 से जीती वनडे सीरीज

लंदन। इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ रविवार को लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर खेले गए 'हाई स्कोरिंग' मुकाबले को 27 रन से अपने नाम किया। इसी के साथ मेजबान टीम ने वनडे सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली है। टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की टीम ने 3 विकेट गंवाकर 387 रन जड़े।

बेन डकेट ने जैकब बेथेल के साथ पहले विकेट के लिए 181 गेंदों में 192 रन की साझेदारी करते हुए मेजबान टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। बेथेल 93 गेंदों में 2 छक्कों और 11 चौकों के साथ 91 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद डकेट ने जो रूट के साथ दूसरे विकेट के लिए 80 गेंदों में 101 रन जुटाकर टीम को 293 के स्कोर तक पहुंचा दिया। डकेट 135 गेंदों में 19 बाउंड्री के साथ 141 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

यहां से जो रूट ने मोर्चा संभाला, उन्होंने कप्तान हैरी ब्रूक (14) के साथ तीसरे विकेट के लिए 31 रन, जबकि जोस बटलर के साथ चौथे विकेट के लिए 19 गेंदों में 63 रन की अटूट साझेदारी करते हुए टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचाया। रूट 48 गेंदों में 9 चौकों के साथ 74 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि बटलर ने 13 गेंदों में 3 छक्कों और 4 चौकों के साथ 41 रन की ताबड़तोड़ नाबाद पारी खेली। भारत की तरफ से प्रसिद्ध कृष्णा ने 2 विकेट हासिल किए और प्रिंस यादव ने 1 विकेट निकाला। इसके जवाब में भारतीय टीम निर्धारित ओवरों में 7 विकेट खोकर 360 रन ही बना सकी। रोहित शर्मा ने कप्तान शुभमन गिल के साथ पहले विकेट के लिए 24.2 ओवरों में 147 रन की साझेदारी की। गिल 84 गेंदों में 11 बाउंड्री के साथ 77 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद रोहित ने विराट कोहली के साथ दूसरे विकेट के लिए 86 गेंदों में 113 रन जोड़कर टीम को 260 के स्कोर तक पहुंचा दिया।

रोहित शर्मा के भविष्य पर शुभमन गिल ने तोड़ी चुप्पी

कुलदीप यादव को न खिलाने पर पिच का बनाया बहाना

नई दिल्ली। लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी वनडे 27 रनों से गंवाकर 1-2 से सीरीज हारने के बाद भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल से प्रेस कॉन्फ्रेंस में रोहित शर्मा के भविष्य और कुलदीप यादव को न खिलाने को लेकर सवाल पर जवाब दिया। गिल ने कहा कि रोहित शर्मा से इस बारे में कोई बात नहीं हुई है कि लॉर्ड्स वनडे उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच होगा। कुलदीप न खिलाने के लिए पिच का बहाना बनाया। मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, 2027 वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए चयनकर्ताओं ने 39 साल के रोहित को बताया है कि इंग्लैंड सीरीज उनकी आखिरी सीरीज होगी। हालांकि, रोहित या चयनकर्ताओं की तरफ से अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। पहले दो वनडे में दो खराब पारियां खेलने के बाद रविवार को रोहित ने 138 रन बनाए, लेकिन टीम हार गई।

पाकिस्तान के साथ भरभराया व्यापार

अफगानिस्तान ने भारत से कर दी बड़ी डिमांड

नई दिल्ली, एजेंसी। अफगानिस्तान की प्रमुख व्यापारिक संस्था ने भारत के साथ व्यापार और निवेश संबंधों को बढ़ाने की मांग की है। उसने व्यापार प्रक्रियाओं को आसान बनाने, प्रशासनिक बाधाओं को हटाने और बिजनेस वीजा जारी करने की प्रक्रिया को सरल बनाने पर जोर दिया है। यह डिमांड ऐसे समय की गई है जब पाकिस्तान के साथ अफगानिस्तान का व्यापार भरभराया हुआ है। इन प्रस्तावों पर काबुल में अफगानिस्तान चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड

इन्वेस्टमेंट के चेयरमैन सैयद करीम हाशमी और अफगानिस्तान में भारत के राजदूत यतिन पटेल के बीच हुई बैठक में चर्चा की गई। भारत कनेक्टिविटी कर रहा है मजबूत भारत ईरान के चाबहार बंदरगाह के जरिए अफगानिस्तान के साथ कनेक्टिविटी मजबूत कर रहा है। यह बंदरगाह पाकिस्तान से गुजरे बिना इस जमीन से घिरे देश (लैंडलॉक देश) तक सीधी पहुंच प्रदान करता है। पाकिस्तान भारतीय सामानों को जमीन के रास्ते अफगानिस्तान भेजने की अनुमति नहीं देता है। भारत काबुल के साथ अपने संबंधों को भी मजबूत कर रहा है। अफगानिस्तान के कृषि मंत्री मौलवी अताउल्लाह ओमारी ने इस महीने की शुरुआत में नई दिल्ली का दौरा किया था। हाशमी ने भारत के साथ लॉन्गटर्म इकोनॉमिक पार्टनरशिप को मजबूत करने के लिए व्यापारिक संस्था की प्रतिबद्धता को दोहराया। व्यापार प्रक्रियाओं को आसान बनाने और निजी क्षेत्र में संस्थागत विकास के महत्व पर जोर दिया।

आर्थिक सहयोग को गहरा बनाने पर फोकस- भारत की अपनी हालिया यात्रा का जिक्र करते हुए हाशमी ने कृषि निर्यात, हस्तशिल्प, खनन और खनिज संसाधनों के क्षेत्रों में आर्थिक सहयोग को बनाए रखने और गहरा करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

सोने-चांदी की गिरावट पर लगा ब्रेक, कीमतों ने पकड़ी रफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले कई दिनों से सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की जा रही थी लेकिन अब इनकी गिरावट पर ब्रेक लग गया। आज सप्ताह के पहले दिन दोनों कीमती धातुओं में तेजी आई है। स्पॉट पर 20 जुलाई को 10 ग्राम सोने का भाव 496 रुपए की तेजी

के साथ 1,41,402 रुपए पर पहुंच गया। चांदी की कीमत में 2905 रुपए का उछाल आया, अब एक किलोग्राम चांदी 2,19,308 रुपए पर है। वहीं इंटरनेशनल मार्केट में भी दोनों के भाव लुढ़के हैं। इंटरनेशनल मार्केट में सोने और चांदी दोनों की कीमतों में तेजी आई है। सोने की कीमत 0.21% चढ़कर कीमत 4026.90 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई है। इसके साथ ही चांदी के फोकस 1.67% बढ़कर यह 57.26 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड कर रहे हैं।

कार के बाद अब आपके किचन में भी होगी इथेनॉल की एंट्री!

एटीएम से निकालकर कर सकेंगे यूज

नई दिल्ली, एजेंसी। इथेनॉल मिले पेट्रोल को लेकर विवाद अभी थमा नहीं है। कई लोगों की शिकायत है कि ई20 से गाड़ियों के इंजन को नुकसान हो रहा है और माइलेज प्रभावित हो रहा है। इस बीच सरकार अब इथेनॉल को आपके किचन तक पहुंचाने की तैयारी में है। सूत्रों का कहना है कि पेट्रोलियम और नेचुरल गैस मिनिस्ट्री इथेनॉल को खाना पकाने के मुख्य ईंधन के तौर पर लाने के लिए एक पॉलिसी फ्रेमवर्क पर काम कर रही है। इससे विदेशी मुद्रा की भारी बचत हो सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक यह पॉलिसी इथेनॉल के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए सब्सिडी देने और सप्लाई चेन बनाने के नियमों पर विचार करेगी। सूत्रों के मुताबिक फ्यूल सप्लायर्स का प्रतिनिधित्व करने वाले इंडस्ट्री संगठन भी इस फ्रेमवर्क पर सरकार के साथ बातचीत कर रहे हैं। इथेनॉल एक ग्रीन फ्यूल है, जिसे चीनी और अनाज के फर्मेंटेशन से बनाया जाता है।

क्या होगा फायदा

एक अधिकारी ने बताया कि खाना पकाने के लिए एक वैकल्पिक स्वच्छ ईंधन पॉलिसी पर काम चल रहा है। इससे घरों में खाना पकाने के ईंधन के तौर पर एलपीजी के साथ-साथ इथेनॉल को भी अपनाया जा सकेगा। यह पॉलिसी सितंबर तक तैयार हो सकती है। खबर लिखे जाने तक मिनिस्ट्री को भेजे गए सवालों का कोई जवाब नहीं मिला था।

कितना है भारत की कैपेसिटी

इंडस्ट्री के एक अधिकारी ने कहा कि एलपीजी के विकल्प के तौर पर इथेनॉल को बढ़ावा देने के लिए सरकार कोई सब्सिडी स्कीम भी शुरू कर सकती है। यह स्कीम या तो कैपिटल-बेस्ड हो सकती है या फिर लगातार चलने वाली वित्तीय मदद हो सकती है। भारत में इथेनॉल की सप्लाई बहुत ज्यादा है। रेटिंग्स की मई की रिपोर्ट के मुताबिक देश की इथेनॉल प्रोडक्शन क्षमता सालाना 20 बिलियन लीटर से ज्यादा हो गई है। साथ ही इस फाइनेंशियल ईयर में 4 बिलियन लीटर की अतिरिक्त क्षमता शुरू होने वाली है। सरकार के ई20 ब्लेंडिंग प्रोग्राम के लिए सालाना खपत करीब 11 बिलियन लीटर है। शराब बनाने वाली कंपनियों, दवा कंपनियों और केमिकल कंपनियों की सालाना खपत करीब 3-3.5 बिलियन लीटर। इसके बाद करीब 7 बिलियन लीटर की क्षमता बच जाती है। इसे नेपाल, बांग्लादेश और इंडोनेशिया जैसे देशों को एक्सपोर्ट करने पर भी विचार किया जा सकता है।

इथेनॉल एटीएम

इन देशों में 10% इथेनॉल ब्लेंडिंग का लक्ष्य है, लेकिन उनके पास पर्याप्त फीडस्टॉक और डिस्टिलिंग क्षमता नहीं है। कहा जा रहा है कि तेल मार्केटिंग कंपनियां भी इस मामले पर काम कर रही हैं। उन्होंने इथेनॉल-बेस्ड स्टोव पर रिसर्च और डेवलपमेंट किया है और वे इथेनॉल से खाना पकाने की मौजूदा टेक्नोलॉजी के लिए पार्टनरशिप या उन्हें खरीदने के तरीकों पर भी विचार कर रही हैं। इंडस्ट्री के अधिकारियों ने कहा कि इस स्कीम को शुरू करने के लिए तेल मार्केटिंग कंपनियों ने इथेनॉल ऑटोमेटेड टेलर मशीन लगाने के लिए कहा जा सकता है। इससे यूजर स्टोव के लिए कनस्तर में इथेनॉल ले सकेंगे। ये एटीएम तेल कंपनियों के फ्यूल रिटेल आउटलेट पर लगाए जा सकते हैं।

कितनी होगी बचत

इंडस्ट्री के एक और अधिकारी ने कहा कि ईरान युद्ध का भारत की एलपीजी सप्लाई पर क्या असर पड़ा। एलपीजी के विकल्प के तौर पर अतिरिक्त इथेनॉल क्षमता का इस्तेमाल करना और फ्यूल का इंपोर्ट कम करना एक अच्छा ऑप्शन है। भारत अपने एलपीजी सोर्सिंग में विविधता लाया है, फिर भी हम एलपीजी इंपोर्ट के लिए काफी हद तक खाड़ी देशों पर निर्भर है।

सोना-फिक्स्ड डिपॉजिट छोड़ अब शेयर बाजार में निवेश कर रही हैं महिलाएं

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिलाओं को हमेशा से सेविंग करने में माहिर माना जाता रहा है। पहले ज्यादातर महिलाएं अपनी सेविंग सोने, फिक्स्ड डिपॉजिट या सेविंग खाते तक ही सीमित रखती थीं। लेकिन अब तस्वीर बदल रही है। महिलाएं सिर्फ पैसे बचाने पर नहीं, बल्कि उसे बढ़ाने पर भी ध्यान दे रही हैं। यही वजह है कि बड़ी संख्या में महिलाएं अब शेयर बाजार और म्यूचुअल फंड में निवेश कर रही हैं। महिलाओं में निवेश को लेकर यह बदलाव पिछले कुछ सालों में तेजी से आई है। इसकी सबसे बड़ी वजह

आर्थिक आत्मनिर्भरता, बेहतर शिक्षा, डिजिटल प्लेटफॉर्म की आसान पहुंच और फाइनेंशियल जागरूकता है। अब महिलाएं अपनी कमाई का फैसला खुद ले रही हैं और लंबे समय में बेहतर रिटर्न के लिए इक्विटी जैसे निवेश विकल्प चुन रही हैं। क्रिसिल इंटेलिजेंस की एक रिपोर्ट के मुताबिक मार्च 2019 में महिलाओं के म्यूचुअल फंड पोर्टफोलियो का 43.3 फीसदी हिस्सा इक्विटी में था। मार्च 2024 तक यह बढ़कर 63.7 फीसदी पहुंच गया। वहीं डेट निवेश का हिस्सा 22.6 फीसदी से घटकर 10.7 फीसदी रह गया।

पहली बार प्रॉफिट में आया मुकेश अंबानी का बिजनेस

रिलायंस के एमएफसीजी बिजनेस को एबिटा पहली बार पॉजिटिव हुआ

1,00,000 करोड़ तक पहुंचने का है टारगेट

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के लिए अच्छी खबर है। कंपनी का एफएमसीजी बिजनेस पहली बार एबिटा के मामले में पॉजिटिव हो गया है। मुकेश अंबानी की कंपनी के लिए एक अहम पड़ाव है क्योंकि वह तेजी से अपना कंज्यूमर ब्रांड बिजनेस बढ़ा रही है। मैनेजमेंट को उम्मीद है कि सप्लाई-चेन में निवेश पूरा होने और बिक्री बढ़ने के साथ मुनाफा और बढ़ेगा। एबिटा के जरिए कंपनी के इनकम से होने वाले लाभ को आसानी से नापा जा सकता है। इसमें उधार, टैक्स और कर्ज की लागत शामिल होती है। रिलायंस का एफएमसीजी बिजनेस रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के तहत आता है। इस कंपनी के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर केतन मोदी ने एनालिस्ट्स को बताया कि कंपनी का फोकस फिलहाल अपना मार्केट शेयर बढ़ाने पर है। लेकिन बिजनेस पर ब्रेक-ईवन हासिल कर लिया है।

- **मार्केट शेयर बढ़ाने पर फोकस-** मोदी ने शुक्रवार को रिलायंस के पहली तिमाही के नतीजे घोषित होने के बाद एनालिस्ट्स के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि जैसे-जैसे हम बिजनेस का दायरा बढ़ाएंगे और पूरी सप्लाई चेन तैयार हो जाएगी, वैसे-वैसे सुधार होगा। अभी हमारा ज्यादा फोकस मार्केट शेयर बढ़ाने पर है। पास कैम्पा कोला जैसे ब्रांड हैं। कंपनी ने दिसंबर में डीमर्जर के बाद मार्च 2026 तक चार महीने में 125 करोड़ रुपये का नेट लॉस दर्ज किया। जून तिमाही में कंपनी का ग्रॉस रेवेन्यू दोगुने से ज्यादा बढ़कर 8,600 करोड़ रुपये हो गया। हालांकि कंपनी ने इस अवधि के लिए नेट प्रॉफिट का खुलासा नहीं किया।
- **1,00,000 करोड़ तक पहुंचने का लक्ष्य-** मोदी ने कहा, हमारा लक्ष्य सभी कैटेगरी में लीडरशिप हासिल करना है। हमारा टारगेट फाइनेंशियल ईयर 2030 तक इस बिजनेस को 1,00,000 करोड़ रुपये तक पहुंचाना है। हम अपनी क्षमताएं बढ़ा रहे हैं और लीडरशिप हासिल करने की दिशा में काम कर रहे हैं। कंपनी सप्लाई चेन और मैन्युफैक्चरिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाने के लिए 30,000 करोड़ रुपये का निवेश

स्पेशलिटी केमिकल बनाने वाली कंपनी का शेयर पहुंचा

52 हफ्ते के उच्चतम स्तर पर

मुंबई, एजेंसी। कच्चा तेल एक बार फिर से 90 डॉलर प्रति बैरल के पार चला गया है। इसी वजह से आज भारतीय शेयर बाजारों में सुबह से ही गिरावट है। बीएसई का सेंसेक्स 500 अंक से ज्यादा गिरा हुआ है। लेकिन इस गिरावट में भी स्पेशलिटी केमिकल बनाने वाली कंपनी हिमाद्री स्पेशलिटी के शेयर बीएसई में आज 52 हफ्ते के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। हम बता रहे हैं इसकी वजह।

गिरावट में भी क्यों भागा शेयर- हिमाद्री स्पेशलिटी केमिकल लिमिटेड भारत की सबसे बड़ी स्पेशलिटी केमिकल्स कंपनियों में से एक है। कंपनी ने दो नए प्रोजेक्ट्स की घोषणा की है। माना जा रहा है कि ये प्रोजेक्ट्स स्पेशलिटी मटीरियल्स पोर्टफोलियो

में उसकी लीडरशिप को और मजबूत करेंगे। कंपनी ने अपने पूरी तरह से इंटीग्रेटेड कार्बन ब्लैक प्लेटफॉर्म को और बेहतर बनाने के लिए कार्बन नैनोट्यूब टेक्नोलॉजी और सुपर स्पेशलिटी कार्बन ब्लैक के डेवलपमेंट की घोषणा की है।

- **क्या रही शेयर की चाल-** हिमाद्री स्पेशलिटी केमिकल के शेयर बीते शुक्रवार को 741.70 रुपये पर बंद हुआ था। बीएसई में आज सुबह भी इसका शेयर 741.70 रुपये पर खुला। कारोबार के दौरान यह ऊंचे में 787.00 रुपये तक चढ़ गया। यह 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर है। दिन में साढ़े 10 बजे यह 775.50 रुपये पर ट्रेड हो रहा था।

इन-हाउस टेक्नोलॉजी विकसित

कंपनी की तरफ से बताया गया है कि उसकी रिसर्च और डेवलपमेंट टीम और इन-हाउस इनोवेशन के जरिए कार्बन नैनोट्यूब टेक्नोलॉजी) विकसित की गई है। सीएनटी के क्षेत्र में इस कदम के लिए 70 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है और 200 एमटीपीए क्षमता वाली मैन्युफैक्चरिंग यूनिट बनाई जा रही है, जिसके चालू वित्त वर्ष की चौथी तिमाही तक शुरू होने की उम्मीद है। इस यूनिट के एक बार चालू हो जाने के बाद हिमाद्री उन चुनिंदा ग्लोबल मैन्युफैक्चरर्स में शामिल हो जाएगी जो इस तेजी से बढ़ते बाजार में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

कच्चे तेल का दाम 13 प्रतिशत तक बढ़ा

नईदिल्ली, एजेंसी। आज रविवार को एक बार फिर से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने कोई बढ़ोतरी नहीं की है। जिसकी वजह से कीमतें पुराने स्तर पर स्थिर हैं। आखिरी बार पेट्रोल और डीजल के दाम मई के महीने में बढ़े थे। उसके बाद से तेल कंपनियों ने कीमतों को नहीं बढ़ाया है। इस बीच ईरान और अमेरिका के बीच जारी जंग तेज हो गई है। जिसकी वजह से कच्चे तेल की कीमतों में एक बार फिर से तेज बढ़ोतरी देखने को मिली है। बता दें, क्रूड ऑयल की कीमतों में पिछले हफ्ते 13 प्रतिशत का इजाफा देखा गया था। कीमतें एक बार फिर से इंटरनेशनल मार्केट में 80 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई हैं।

मई में 4 बार बढ़े पेट्रोल और डीजल के दाम- ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने युद्ध शुरू होने 76 दिनों तक घरेलू स्तर पर कीमतों में कोई इजाफा नहीं किया था। लेकिन 15 मई से 30 मई के दौरान 4 बार पेट्रोल और डीजल के दाम को बढ़ाया गया।

असम में 21 एजेंट बने एमडीआरटी क्वालिफायर

गुवाहाटी, 20 जुलाई (ख.सं.)। टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने असम में उसके 21 सलाहकार मिलियन डॉलर राउंड टेबल के लिए क्वालिफाई करने की घोषणा की। यह कामयाबी ग्राहकों को बेहतरीन वित्तीय सलाह देने के कंपनी के वादे को मजबूत करती है। साल 2026 की ग्लोबल एमडीआरटी रैंकिंग के मुताबिक, कंपनी ने प्रतिष्ठित एमडीआरटी टाइटल के लिए कामरूप महानगर से 4, कोकराझाड़ से 4 और कछार से 2 एडवाइजर रजिस्टर किये। यह पड़ाव टाटा एआईए के सलाहकार नेटवर्क के बड़े पैमाने, बेहतरीन गुणवत्ता और निरंतरता को दर्शाता है। खास बात यह है कि क्वालिफाई करने वाले सलाहकारों में 695 यानी लगभग आधी महिलाएं हैं। यह इस बात का एक बड़ा और सकारात्मक संकेत है कि भारतीय वित्तीय सलाह के क्षेत्र में सबसे आगे रहकर कौन अपना करियर बना रहा है। साथ ही, यह सभी को समान अवसर देने वाले सलाहकार इकोसिस्टम के प्रति टाटा एआईए की प्रतिबद्धता को भी दिखाता है। यह रैंकिंग फुल-टाइम और प्रोफेशनल सलाहकारों पर टाटा एआईए के फोकस को रेखांकित करती है, जो ग्राहकों को उनके सपनों को सुरक्षित रखने में मदद करते हैं। इसका उद्देश्य सलाहकारों की एक ऐसी टीम तैयार करना है, जो ग्राहकों की जरूरतों को समझे, ईमानदारी से काम करे और अपने काम में माहिर हो।

उसे प्रॉपर्टी बेचनी पड़ गई

किरण मजूमदार-शॉ का छलका दर्द

वो हादसा जिसने सोचने की दिशा बदल दी

नई दिल्ली, एजेंसी। बायोकॉन की को-फाउंडर और एग्जीक्यूटिव चेयरपर्सन किरण मजूमदार-शॉ का कैंसर बायोसिमिलर के सेक्टर में आना कोई इत्तेफाक नहीं था। इसके बजाय यह एक दर्दनाक कहानी से उपजा नतीजा है। उन्होंने बताया है कि कैंसर से अपनी सबसे अच्छी दोस्त की मौत ने उन्हें कैंसर बायोसिमिलर के क्षेत्र में आने के लिए प्रेरित किया। इसका मकसद था- मरीजों के लिए महंगे इलाज को सस्ता बनाना।

अपनी दोस्त की सुनाई दर्दनाक कहानी- एंटरप्रेन्योर राज शामानी के साथ एक पॉडकास्ट में बात करते हुए, मजूमदार-शॉ ने याद किया कि कैसे उनकी दोस्त आर्थिक रूप से अच्छी स्थिति में होने के बावजूद कैंसर के एडवांस इलाज का खर्च उठाने के लिए संघर्ष कर रही थीं। उन्होंने कहा, मैंने कैंसर के कारण अपनी सबसे अच्छी दोस्त को खो दिया। उसे इन नई बायोलॉजिक थेरेपी की जरूरत थी। शॉ ने बताया, वह हर डोज के लिए लगभग 2.5 लाख रुपये का भुगतान कर रही थी। वह काफी अमीर थी। मेरा मतलब है कि वह एक बहुत अच्छी पेशेवर थी। लेकिन, इलाज का खर्च उठाने के लिए उसे भी अपनी संपत्ति बेचनी पड़ी। उन्होंने कहा कि इस अनुभव ने उन्हें यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि जीवन रक्षक दवाओं की कीमत कई मरीजों की पहुंच से बाहर क्यों है। उन्होंने याद करते हुए कहा, यह क्या हो रहा है? हम इन दवाओं के लिए इतना पैसा क्यों दे रहे हैं? क्या हम इन्हें सस्ता नहीं बना सकते

बायोसिमिलर क्या हैं

इस कॉन्सेप्ट को समझाते हुए मजूमदार-शॉ ने कहा कि बायोसिमिलर को मूल बायोलॉजिक दवाओं से काफी हद तक मेल खाने के लिए विकसित किया जाता है जो अक्सर महंगी होती हैं और जिन्हें बनाना मुश्किल होता है। बायोसिमिलर मूल बायोलॉजिक दवा का ही बहुत मिलता-जुलता वर्जन है। इसमें सुरक्षा या प्रभावशीलता के मामले में कोई खास अंतर नहीं होता है। उन्होंने कहा, ये उन बायोलॉजिक दवाओं की कॉपी की तरह है जो बहुत महंगी और जटिल होती हैं। इन्हें हम प्रोटीन थेरेप्यूटिक्स कहते हैं। उन्होंने बताया कि कई बायोलॉजिक दवाएं जीवित प्रणालियों में पाए जाने वाले प्रोटीन से बनाई जाती हैं।

दूसरी महंगी थेरेपी पर भी किया जा सकता है लागू

मजूमदार-शॉ ने कहा कि इंसुलिन को ज्यादा सुलभ बनाने में बायोकॉन के अनुभव ने उन्हें विश्वास दिलाया कि इसी तरह के तरीके को अन्य महंगी थेरेपी पर भी लागू किया जा सकता है। उन्होंने कहा, हमने इस क्षेत्र में बदलाव किया है। दुनिया भर में लाखों मरीजों तक पहुंच बढ़ाई है। अगर हम इंसुलिन के लिए ऐसा कर सकते हैं तो हमें अपनी ओर से विकसित हर उत्पाद के लिए ऐसा करना चाहिए।

ज्यादा लागत की समस्या

इलाज की ज्यादा लागत की समस्या को हल करने के लिए मजूमदार-शॉ ने बायोकॉन के वैज्ञानिकों को उस तरह की ब्रेस्ट कैंसर दवा का बायोसिमिलर विकसित करने की चुनौती दी, जिसकी उनके दोस्त को जरूरत थी। उन्होंने कहा, मैंने अपने वैज्ञानिकों से कहा कि आइए उस ब्रेस्ट कैंसर के लिए यह एंटीबॉडी विकसित करें जिससे मेरे दोस्त की मौत हुई थी और देखें कि क्या हम इसे विकसित कर सकते हैं। उत्पाद को मूल दवा के जितना संभव हो उतना करीब बना सकते हैं। इसीलिए इसे बायोसिमिलर कहा जाता है। उस समय बायोसिमिलर के लिए कोई खास रेगुलेटरी प्रक्रियाएं नहीं थीं। उन्होंने कहा, लेकिन मैंने कहा कि अगर आप विज्ञान का पालन करते हैं तो शायद प्रक्रियाएं भी विज्ञान का पालन करेंगी, और मैं सही थी।

बायोकॉन के लिए ग्लोबल उपलब्धि

मजूमदार-शॉ ने कहा कि रेगुलेटरी अनिश्चितता के बावजूद बायोकॉन विकास के काम में आगे बढ़ी। आखिरकार एक ग्लोबल उपलब्धि हासिल की।

आईडीबीआई बैंक की पहली तिमाही में 5 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी

गुवाहाटी, 20 जुलाई। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (क्यू1) के लिए, ऑपरेटिंग परफॉर्मेंस बैंक ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (क्यू1) में 2,115 करोड़ रुपये का शुद्ध फायदा दर्ज किया है, जबकि वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (क्यू1) में यह 2,007 रुपये करोड़ था। सालाना (वाईओवाई) 5% और तिमाही-दर-तिमाही (क्यूओक्यू) 9% की बढ़ोत्तरी हुई है। ऑपरेटिंग प्रॉफिट 2,168 करोड़ रुपये रहा। डिपॉजिट की लागत वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (क्यू1) के 4.84% से घटकर वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (क्यू1) में 4.59% हो गयी है। सालाना 25 बीपीएस और तिमाही में 1 बीपीएस की कमी आयी है। फंड की लागत 2025-26 की पहली तिमाही (क्यू1) के 4.98% से घटकर वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (क्यू1) में 4.68% हो गयी। सालाना 30 बीपीएस और तिमाही में 3 बीपीएस की कमी। वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में 3166 करोड़ रुपये के मुकाबले वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में नेट इंटरेस्ट इनकम (ब्याज से हुई कमाई में से ब्याज पर हुए खर्च को घटाकर) बढ़कर 3,486 करोड़ रुपये हो गयी। सालाना आधार पर 10 फीसदी की वृद्धि एनआईएम 3.61% रहा। रिटर्न ऑन एसेट्स 1.89% रहा। तिमाही-दर-तिमाही आधार पर इसमें 14 बीपीएस की बढ़ोतरी हुई।

बेटे वीर के लिए कोई शॉर्टकट नहीं रखा : राजकुमार हिरानी

राजकुमार हिरानी ने वेब सीरीज प्रीतम एंड पेड्रो से ओटीटी डेब्यू किया। इससे उनके बेटे वीर का भी डेब्यू हुआ। बॉक्स ऑफिस के बाद अब हिरानी ओटीटी पर भी इतिहास रच रहे हैं। खास बातचीत...

इस कहानी में ऐसा क्या था कि आपने इससे जुड़ने का फैसला किया?

आज तकनीक रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुकी है, लेकिन बुजुर्गों या तकनीक से कम परिचित लोगों के लिए यह आसान नहीं है। ट्रेन की टिकट बुक करने से लेकर बैंकिंग तक हर काम ऑनलाइन हो गया है।

साइबर क्राइम की कुछ कहानियां पढ़ने के बाद लगा कि अब अपराध करने के तरीके ही नहीं, उन्हें सुलझाने का तरीके भी बदल चुके हैं। यहीं से मेरे मन में एक कहानी जन्मीं, जिसमें एक ईमानदार पुलिस अधिकारी अचानक साइबर सेल में भेज दिया जाए तो वह इस नई दुनिया में कैसे खुद को ढालेगा और क्राइम की जांच कैसे करेगा।

इसके बाद प्रीतम का किरदार जुड़ा, जो युवा हैकर है। दोनों की अलग सोच और अनुभव से एक अनोखी दोस्ती और रोमांचक कहानी बनती है।

शूटिंग के दौरान कौन-सा पल वेब सीरीज की असली जान लगा?

शो की सबसे बड़ी ताकत आखिर में आने वाला गाना है। उसके बोल हैं- कभी किसी से माफी मांग लो, कभी किसी को माफ कर भी दो। जिंदगी के सफर को थोड़ा आसान कर दो।

कहानी लिखते समय मेरे मन में यही सवाल था कि आखिर हम दर्शकों से कहना क्या चाहते हैं। मैं नहीं चाहता था कि यह सिर्फ दोस्ती, जांच-पड़ताल या साइबर क्राइम तक सीमित रह जाए। जब माफी का यह भाव कहानी का मूल विषय बनकर सामने आया, तब लगा कि सीरीज को उसकी असली आत्मा मिल गई।

सीरीज से जुड़ा कोई ऐसा किस्सा जो अभी तक साझा नहीं किया हो?

क्रिकेट खिलाड़ी वीरेंद्र सहवाग का सीरीज में गेस्ट अपीयरेंस। शूट के दौरान उन्होंने अपना पूरा सीन एक ही टेक में परफेक्ट कर दिया था। मैं खुद हैरान था। मैंने उनसे मजाक में कहा...शॉट तो परफेक्ट है, लेकिन एक और टेक कर लेते हैं। ऐसा लग रहा है जैसे आज स्कूल की छुट्टी जल्दी हो गई।

मुझे याद है कि जब उन्हें फोन पर अप्रोच किया था तो उन्हें बताया कि सीरीज में एक छोटा-सा रोल है। उन्होंने बिना एक पल गंवाए जवाब दिया कि मैं फलां तारीख को दिल्ली लौट रहा हूं, उसी दिन शूट कर लेते हैं। सहवाग के साथ साथ काम करने का अनुभव बेहद सुखद रहा।

आम लोगों की असाधारण कहानियां कहने का नजरिया कहां से आता है?

एक कहावत है...जिंदगी तब अच्छी लगती है, जब उसमें टकराव न हो। वहीं फिल्म तब अच्छी बनती है, जब उसमें टकराव हो। मेरा मानना है कि कहानी का नायक भले ही एक आम इंसान हो, लेकिन उसकी जिंदगी आम नहीं होनी चाहिए। अगर कहानी में कॉन्फ्लिक्ट न हो, तो उसका रोमांच और असर दोनों कम हो जाते हैं।

क्या ओटीटी ने कहानी कहने का तरीका बदला है या सिर्फ मंच?

फिल्मों और ओटीटी की राइटिंग में कुछ फर्क जरूर है, पर ड्रामा और इमोशन के मूल सिद्धांत वही रहते हैं। ओटीटी पर समय-सीमा नहीं होती। इसलिए आप लंबी कहानियां कह सकते हैं, किरदारों को अधिक डेप्थ से रच सकते हैं।

साथ ही, दर्शकों की रुचि बनाए रखना सबसे बड़ी चुनौती होती है। वहीं दर्शकों को कुछ नया और रोमांचक भी देना पड़ता है, क्योंकि बोर हुए तो उनके पास दूसरे शो भी मौजूद हैं।

हमेशा अलग कहानी कैसे लाते हैं?

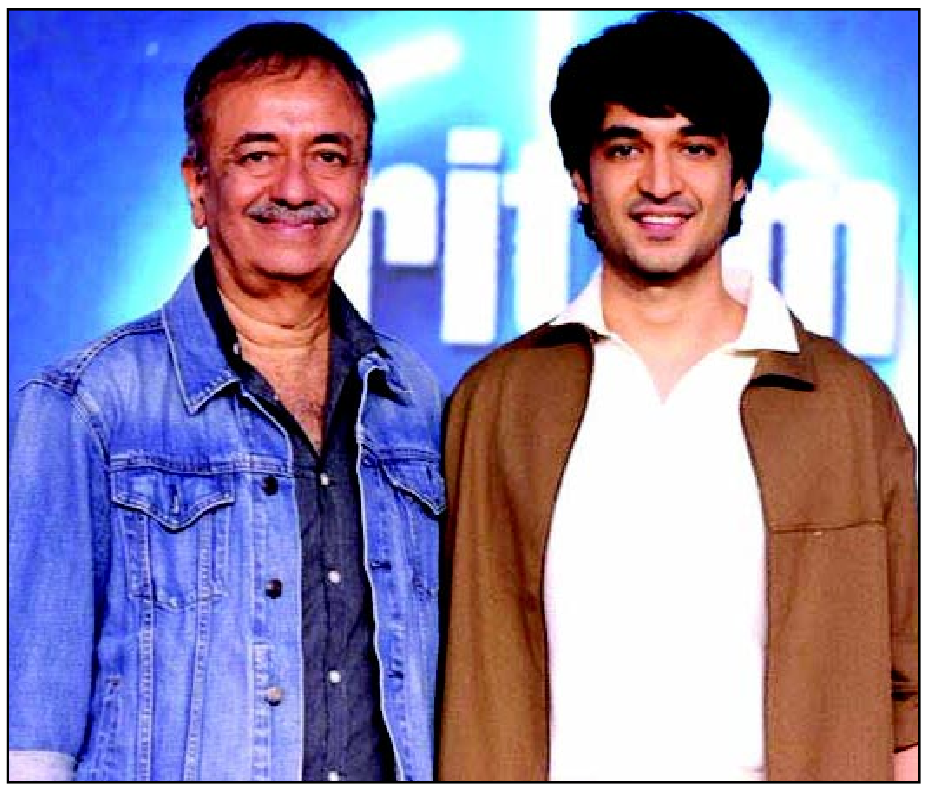

सबसे पहली कोशिश यही होती है कि ऐसी कहानी मिले, जो दर्शकों ने पहले कभी न देखी हो। हालांकि अब यह आसान नहीं है। हर साल ढेरों फिल्में और सीरीज बन रही हैं। दर्शकों के पास दुनिया भर का सिनेमा, डबिंग और सबटाइटल्स में मौजूद है। ऐसे में एक नई कहानी ढूंढना चुनौती है। आज सबसे अहम बात दर्शकों को अंत तक बांधे रखना है।

सबसे ज्यादा खुशी किसी प्रोजेक्ट की सफलता से मिलती है या लोगों से?

इसका सबसे बड़ा पैमाना दर्शकों की प्रतिक्रिया ही है। प्रीतम एंड पेड्रो के बाद जितने संदेश मिले, उतने शायद किसी फिल्म के बाद भी नहीं मिले। कई लोगों ने मुझे संदेश भेजकर कहा, सोचा था सिर्फ एक एपिसोड देखेंगे, लेकिन पूरी रात निकल गई। 3 बजे तक जागकर सभी छह एपिसोड देख डाले। एक फिल्मकार के लिए यह प्यार और सराहना ही सबसे बड़ा सुकून है।

बेटे वीर के साथ काम करते वक्त सबसे ज्यादा उत्साह था या जिम्मेदारी?

मैंने बहुत पहले फैसला लिया था कि मैं वीर का पहला प्रोजेक्ट डायरेक्ट नहीं करूंगा। मैंने सिर्फ कहानी लिखी और सीरीज को प्रोड्यूस किया है। इसे अविनाश अरुण ने डायरेक्ट किया है।

रोचक बात है कि वीर से पहले यह रोल कोई और एक्टर कर रहे थे। फिर कुछ डेट्स इश्यू हुए तो वीर ने इच्छा जताई कि वह यह रोल करना चाहते हैं। मैंने कहा, अविनाश से बात कीजिए और ऑडिशन दीजिए।

फिर वीर ने अविनाश को पहले अपना नाटक लेटर्स ऑफ सुरेश दिखाया, जिसे फिरोज अब्बास खान ने डायरेक्ट किया है। उन्होंने सीरीज के कम से कम 15 सीन्स ऑडिशन किए। यह सिलसिला कई दिनों तक चला। फिर एक दिन अविनाश ने आकर कहा कि वीर, प्रीतम के रोल के लिए बिल्कुल परफेक्ट हैं।

क्या है इस सीरीज की कहानी

गोवा की पृष्ठभूमि पर बनी इस 6-एपिसोड की सीरीज में पेड्रो (अरशद वारसी) एक पुराने खयालात वाले पुलिस वाले हैं, जिन्हें साइबर सेल में ट्रांसफर कर दिया जाता है। वहां उनकी मुलाकात प्रीतम (वीर हिरानी) से होती है, जो एक जीनियस एथिकल हैकर हैं। दोनों मिलकर अपहरण और साइबर अपराध जैसे जटिल मामलों को सुलझाते हैं।

इस सीरीज में विक्रांत मैसी एक सनकी नेगेटिव किरदार में दिखाई दिए हैं, जबकि बोमन ईरानी और मोना सिंह भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में शामिल हैं।

देखो हंस न देना.....

एक लड़की फोन पर बात करते हुए लिफ्ट में आई।

बिट्टू की तरफ देख कर हंसी और फोन पर अपनी सहेली से बोली- चल अब फोन रखती हूं, लिफ्ट में एक शानदार, हैंडसम लड़का आया है, देखती हूं अगर कोई बात बनती है तो...! अब बेचारा बिट्टू कुछ बोलता, उससे पहले ही लड़की बोली- सॉरी अंकल, मेरी सहेली बहुत पकाती है, मुझे फोन रखना था, इसलिए झूठ बोलना पड़ा...!

बिट्टू (मन ही मन में) - भगवान कसम, आज तक इतनी शराफत से किसी ने बेइज्जत नहीं की...!

ग्रीन-टी पीते हैं फिर भी नहीं घट रहा वजन?

डॉक्टर ने बताया कहां हो रही गलती

बढ़ता वजन-मोटापा मौजूदा समय की सबसे आम लेकिन गंभीर स्वास्थ्य समस्या है, इसे कई गंभीर क्रॉनिक बीमारियों का कारण माना जाता रहा है। अधिक वजन न केवल गठिया का खतरा बढ़ा देता है, बल्कि इससे डायबिटीज, हृदय रोग, फैटी लिवर और कई तरह के कैंसर का भी खतरा हो सकता है। यही कारण है कि डॉक्टर सभी लोगों को अपने वजन को कंट्रोल में रखने की सलाह देते हैं। वेट लॉस के लिए कई लोग ग्रीन-टी का सेवन करते हैं, क्या वास्तव में इससे वजन कम होता है?

सोशल मीडिया पर फिटनेस इन्फ्लुएंसर्स से लेकर जिम ट्रेनर तक, हर कोई वजन घटाने के लिए ग्रीन-टी को आसान तरीका बताता है। ग्रीन टी में मौजूद कैटेचिन को कुछ अध्ययनों में फैट लॉस में फायदेमंद बताया गया है। हालांकि स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, यह समझना जरूरी है कि ग्रीन टी कोई जादुई पेय नहीं है।

डॉक्टर कहते हैं, वेट लॉस का कोई शार्ट कट नहीं है। इसके लिए लाइफस्टाइल और खानपान दोनों में सुधार जरूरी है। इतना ही नहीं वेट लॉस एक दिन या एक महीने में नहीं हो सकता, इसके लिए निरंतर प्रयास करते रहने की जरूरत है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, अगर आप हाई कैलोरी वाली चीजों का सेवन करते हैं, दिनभर बैठे रहने की आदत है, नींद पूरी नहीं होती और शारीरिक गतिविधि कम है, तो सिर्फ ग्रीन टी पीने से वजन कम नहीं होगा।

इसके अलावा, हर व्यक्ति के शरीर पर ग्रीन टी का असर अलग-अलग हो सकता है।

जरूरत से ज्यादा ग्रीन टी पीने से एसिडिटी, बेचैनी, नींद की समस्या और आयरन के अवशोषण में कमी जैसी परेशानियां भी हो सकती हैं।

ग्रीन-टी आखिर वजन घटाने में कैसे मदद करती है?

ग्रीन टी में मौजूद कैटेचिन और कैफीन शरीर के मेटाबॉलिज्म को हल्का बढ़ाने में मदद करते हैं। इससे शरीर अधिक कैलोरी बर्न कर पाता है।

इसके अलावा यह फैट ऑक्सीडेशन यानी शरीर में जमा फैट को ऊर्जा के रूप में इस्तेमाल करने की प्रक्रिया को भी कुछ हद तक तेज कर सकती है।

हालांकि इसका प्रभाव सीमित होता है और यह अकेले तेजी से वजन कम नहीं करती।

जिन लोगों की डाइट संतुलित होती है, नियमित एक्सरसाइज करते हैं, उनमें ग्रीन टी का फायदा अपेक्षाकृत बेहतर देखा गया है।

रामायण में साईं पल्लवी की कास्टिंग पर भड़के अन्नू कपूर

अन्नू कपूर ने हाल ही में कहा है कि भारत में बायोपिक नहीं बनानी चाहिए। आगे अन्नू कपूर ने नितेश तिवारी की अपकमिंग फिल्म रामायण पर कहा, क्या बनाएंगे, जो बनाएंगे, वो रामानंद सागर की रामायण को टेक्नोलॉजिकली बहुत शू शां और फूं फां और शोशेबाजी कर देंगे। लेकिन उसके बाद आप ये सोचिए कि किसको आपने सीता का रोल दिया है। सीता मां हैं, इस देश का हिंदू श्री राम चंद्र को नारायण का अवतार मानते हैं और किनको लिया है माता सीता के रोल में। अब आप सोचिए। आगे अन्नू कपूर ने ये भी कहा है कि वो नितेश तिवारी को जानते तक नहीं हैं। वो फिल्में नहीं देखते, लेकिन जब उन्हें पता चला कि वो रामायण बना रहे हैं, तो उन्होंने नितेश तिवारी नहीं बल्कि रामायण बनाने का विरोध किया।

बता दें कि एपिक सागा फिल्म रामायण, इंडियन सिनेमा की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक है। नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम और साई पल्लवी माता सीता के किरदार में हैं। ये फिल्म 8 नवंबर को रिलीज होने के लिए शेड्यूल है। रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म रामायण के हिंदी वर्जन के डिस्ट्रीब्यूशन के लिए फिल्म के प्रोड्यूसर्स 450 करोड़ रुपए की मांग कर रहे हैं। जबकि अब तक सबसे मंहगे डिस्ट्रीब्यूशन राइट्स शाहरुख खान की अपकमिंग फिल्म किंग के 250 करोड़ में बिके हैं। अगर ये फिल्म 450 की बजाए 300 करोड़ तक में भी डील करती है, तो ये बॉलीवुड के इतिहास की सबसे बड़ी डिस्ट्रीब्यूशन डील बन जाएगी।

लंदन में सैफ और तैमूर के साथ घूमते समय बिगड़ा अक्षय कुमार का संतुलन

बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। इस वीडियो में वह सैफ अली खान और उनके बेटे तैमूर के साथ लंदन के लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड में भारत और इंग्लैंड का टेस्ट मैच देखने जा रहे थे। रास्ते में चलते समय अचानक अक्षय कुमार का पैर थोड़ा लड़खड़ा गया और उनका संतुलन बिगड़ गया।

अक्षय कुमार का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह लड़खड़ाते हुए नजर आ रहे हैं। हालांकि, अक्षय ने तुरंत खुद को संभाल लिया और मुस्कुराते हुए आगे बढ़ गए। यह देखकर पास चल रहे सैफ अली खान और तैमूर हंसने लगे। यह वीडियो देखने के बाद उनके फैंस ने चिंता जताते हुए उन्हें सुरक्षित रहने की भी सलाह दी है।

इस दौरान अक्षय कुमार ऑफ-व्हाइट प्रिंटेड शर्ट, बेज रंग का ट्राउजर,

सफेद जूते और चश्मा पहने हुए नजर आए। वहीं सैफ अली खान सफेद शर्ट के ऊपर ऑलिव-ग्रीन ब्लेजर, टाई और ट्राउजर में हैंडसम दिखे। लेकिन सबसे खास तैमूर का लुक रहा। तैमूर हल्के नीले रंग की शर्ट और नेवी ब्लू ट्राउजर पहने हुए थे। हालांकि, इस दौरान सैफ की पत्नी करीना कपूर खान और उनका छोटा बेटा जेह वहां नजर नहीं आए।

अक्षय और सैफ ने पहले भी कई सुपरहिट फिल्मों में साथ काम किया है, जैसे 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी' और 'ये दिल्लगी'। अब यह जोड़ी 18 साल बाद एक बार फिर बड़े पर्दे पर साथ नजर आएगी। फिल्म 'हैवान' में सैफ और अक्षय एक साथ नजर आने वाले हैं। यह फिल्म इसी साल सितंबर में रिलीज होने वाली है, जिसका निर्देशन प्रियदर्शन ने किया है।

सितंबर में देशभर में एक साथ छह संस्करणों के साथ लौटेगा बिग बॉस

जियो स्टार ने सोमवार को कहा कि उसके रियलिटी शो बिग बॉस के छह संस्करण इस त्योहारी सीजन में देशभर में शुरू किये जाएंगे। हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और बांग्ला भाषाओं में सितंबर से इसका प्रसारण होगा।

कंपनी ने इंडियाज बिग रियलिटी नाम की एक कॉफी टेबल बुक भी पेश की, जिसमें पिछले दो दशक के दौरान इस कार्यक्रम के सफर, दर्शकों के जुड़ाव और विपणन पर पड़े असर को दिखाया गया है।

एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, आगामी सीजन जियो स्टार टेलीविजन नेटवर्क पर प्रदर्शित किये जाएंगे और ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो हॉटस्टार पर भी उपलब्ध होंगे। नये सीजन का संचालन सलमान खान (हिंदी), विजय सेतुपति (तमिल), नागार्जुन (तेलुगु), किच्चा सुदीप (कन्नड़), मोहनलाल (मलयालम) और भारत के पूर्व क्रिकेट कप्तान सौरव गांगुली करेंगे। गांगुली बांग्ला सीजन के प्रस्तोता के तौर पर इस कार्यक्रम से जुड़ रहे हैं।

जियो स्टार के अनुसार, 2025 में यह रियलिटी शो अलग-अलग भाषाओं में 50 करोड़ से अधिक दर्शकों को उपलब्ध हुई और इस कार्यक्रम को कुल 438 अरब मिनट से अधिक समय तक देखा गया।

जियोस्टार में एंटरटेनमेंट सेल्स (टीवी) के प्रमुख महेश शेट्टी ने कहा कि छह संस्करणों को एक साथ लाना कार्यक्रम के इतिहास की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

एयर पॉल्यूशन बना रहा है लोगों को भूलक्कड़?

एक हालिया रिपोर्ट में वैज्ञानिकों का कहना है कि हमारी याददाश्त का दुश्मन सिर्फ उम्र नहीं, बल्कि वह हवा भी हो सकती है जिसमें हम हर दिन सांस ले रहे हैं। जिस प्रदूषण को अब तक फेफड़ों, दिल और आंखों के लिए खतरा माना जाता था, वही अब दिमाग की सेहत पर भी गहरा असर डाल सकता है। भारत इस सूची में सबसे आगे खड़े देशों में से एक है, जहां कई शहर लंबे समय से दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में गिने जाते रहे हैं।

गौरतलब है कि भारत केवल प्रदूषण की समस्या से ही नहीं जूझ रहा, बल्कि यहां हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, मोटापा, स्ट्रोक और धूम्रपान जैसी समस्याएं भी तेजी से बढ़ रही हैं। ये सभी ऐसे जोखिम कारक हैं जिन्हें डब्ल्यूएचओ ने डिमेंशिया के खतरे से जोड़ा है। यानी अगर समय रहते इन पर नियंत्रण नहीं किया गया, तो आने वाले वर्षों में भूलने की बीमारी का बोझ पहले से कहीं ज्यादा बढ़ सकता है।

भारत तेजी से ऐसी आबादी वाले देशों की

श्रेणी में शामिल हो रहा है जहां बुजुर्गों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इसके साथ ही डिमेंशिया यानी याददाश्त कमजोर होने की समस्या भी तेजी से सामने आ रही है।

इसी बीच विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएच) ने पहली बार अपनी नई गाइडलाइन में वायु प्रदूषण, विशेष रूप से पीएम 2.5 कणों, को डिमेंशिया के प्रमुख जोखिम कारकों में शामिल किया है। संगठन का कहना है कि यदि लोग बाहरी और घरेलू प्रदूषण के संपर्क को कम करें, तो भूलने की बीमारी का खतरा भी घटाया जा सकता है।

भारत के लिए यह चेतावनी इसलिए अधिक महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि देश के कई शहर लंबे समय से अत्यधिक प्रदूषित शहरों की सूची में शामिल हैं। इसके अलावा यहां लोगों में क्रॉनिक बीमारियों के मामले भी तेजी से बढ़ रहे हैं। ये भी डिमेंशिया के खतरे को बढ़ाने वाली हो सकती हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2021 तक दुनिया भर में लगभग 5.7 करोड़ लोग डिमेंशिया का शिकार थे।

हर साल करीब एक करोड़ नए मरीज इस बीमारी की चपेट में आते हैं।

साल 2030 तक यह संख्या बढ़कर 7.8 करोड़ और 2050 तक 13.2 करोड़ तक पहुंचने की आशंका जताई गई है।

भारत में लगभग 10.4 करोड़ लोग 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के हैं। इस आयु वर्ग के करीब 7 प्रतिशत लोग किसी न किसी प्रकार के डिमेंशिया से प्रभावित हैं। इसका अर्थ है कि देश में अनुमानित 60 से 70 लाख लोग इस बीमारी से जूझ रहे हैं या इसके जोखिम में हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि जैसे-जैसे बुजुर्ग आबादी बढ़ेगी, यह संख्या भी लगातार बढ़ सकती है।

भारत में लगभग 10.4 करोड़ लोग 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के हैं। इस आयु वर्ग के करीब 7 प्रतिशत लोग किसी न किसी प्रकार के डिमेंशिया से प्रभावित हैं। इसका अर्थ है कि देश में अनुमानित 60 से 70 लाख लोग इस बीमारी से जूझ रहे हैं या इसके जोखिम में हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि जैसे-जैसे बुजुर्ग आबादी बढ़ेगी, यह संख्या भी लगातार बढ़ सकती है।

डब्ल्यूएचओ ने भी आगाह किया है कि आने वाले वर्षों में कम और मध्यम आय वाले देशों पर डिमेंशिया का बोझ सबसे तेजी से बढ़ने की आशंका है।

नमस्कार अपर असम

प्रातः खबर

मंगलवार, 21 जुलाई 2026

मौसम

स्थान	अधिकतम	न्यूनतम
जोरहाट	25°	18°
डिब्रूगढ़	23°	17°
तिनसुकिया	25°	18°
शिवसागर	26°	18°

दुमदुमा सुंदरकांड समिति का साप्ताहिक सुंदरकांड पाठ आयोजित

दुमदुमा, 20 जुलाई (ख.सं)। धर्म नगरी दुमदुमा की धार्मिक संस्था श्री सुन्दरकाण्ड समिति द्वारा अपने सप्ताहिक सुन्दरकाण्ड पाठ के अंतर्गत मंगलवार को नगर के नेहरू रोड स्थित एसीएमएस काम्प्लेक्स में सैलेन्द्र कुमार सिंह की दुकान ऋशभ क्लोथ स्टोर में संध्या छः बजे से भजनामृत संगीतमय सुन्दरकाण्ड के पाठ का आयोजन किया गया है। समिति ने सभी सदस्यों एवं श्रद्धालुओं को समय पर उपस्थित होकर अपना सहयोग प्रदान करने का आह्वान किया है।

Ph. : 2548109 2730431
L. GOPAL JEWELLERS
9-11-14, Kuber A.C. Market
Guwahati - 781001
शुद्ध चांदी के बर्तनों एवं शुद्ध चांदी की सिल्ली व चांदी के सिक्कों का एकमात्र विश्वसनीय प्रतिष्ठान
22/22 KDM Gold Jewellery, Hallmark Gold Jewellery Branded Diamond Jewellery, Platinum & Silver Utensils & Articles

0361-2601385
9678211156
D. M. Jeweller's
(As You Like We are)
7/8 (L) Akram's Business Fancy Bazar, Guwahati-1
शुद्ध सील चांदी के बर्तन एवं असली सिक्कों का प्रतिष्ठित स्थान
We also deal in 22/22 KDM hallmark Jewelleries

जोरहाट में बाढ़ से हालात बिगड़े, भोगदोई लगातार खतरे के निशान से ऊपर

जोरहाट, 20 जुलाई (ख.सं)। जोरहाट जिले में भोगदोई नदी का तटबंध टूटने से बाढ़ की स्थिति बेहद गंभीर हो गई है। नगालैंड के सीमावर्ती क्षेत्रों में बादल फटने और लगातार मूसलाधार बारिश के बाद नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया, जिसके चलते सोमवार तड़के उत्तर-पश्चिमी जोरहाट में तटबंध कई स्थानों पर टूट गया। इससे तीस से अधिक गांव जलमग्न हो गए हैं और हजारों लोग प्रभावित हुए हैं।सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में एलेंगमोरा, खुटियापटिया, माजियाभेडी, सोनारी गांव और कतियामोर चुक शामिल हैं, जहां बाढ़ का पानी घरों और खेतों में घुस गया है। वहीं जोरहाट शहर के वार्ड संख्या 19 के अंतर्गत बोरीगांव, बालीगांव और मालौ आली जैसे इलाकों में भी पानी भर जाने से जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। बाढ़ का असर परिवहन व्यवस्था पर भी पड़ा है। वहीं ऊपरी असम के कई रेलवे ट्रैक जलमग्न होने से रेल सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं और यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एसडीआरएफ और जिला प्रशासन की टीमें लगातार राहत एवं बचाव अभियान चला रही है। प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है तथा राहत शिविरों में भोजन, पेयजल और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से दूर रहें, अफवाहों पर विश्वास न करें और केवल आधिकारिक निर्देशों का पालन करें। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक भारी बारिश की संभावना जताई है, जिससे स्थिति और चुनौतीपूर्ण हो सकती है। वहीं दूसरी तरफ जिले के काकोजान दीवान गांव तथा आसपास के क्षेत्रों में लगातार भारी बारिश और नदियों के बढ़ते जलस्तर के कारण बाढ़ की स्थिति बेहद गंभीर बनी हुई है। कई निचले इलाके जलमग्न हो चुके हैं, जिससे बड़ी संख्या में लोगों का जनजीवन प्रभावित हुआ है।

जिला प्रशासन, एसडीआरएफ और स्थानीय स्वयंसेवक प्रभावित क्षेत्रों में लगातार राहत एवं बचाव अभियान चला रहे हैं। मुख्यमंत्री ने जोरहाट, शिवसागर और चराईदेव जिलों में बिगड़ते हालात को देखते हुए भारतीय सेना और भारतीय वायुसेना को भी तैयार रहने के निर्देश दिए हैं, ताकि आवश्यकता पड़ने पर बड़े पैमाने पर राहत एवं सुरक्षित निकासी अभियान तुरंत शुरू किया जा सके। बाढ़ प्रभावित काकोजान और आसपास के गांवों से लोगों को रबर बोट के माध्यम से सुरक्षित राहत शिविरों में पहुंचाया जा रहा है। राहत शिविरों में भोजन, स्वच्छ पेयजल, दवाइयों और अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। स्वास्थ्य विभाग की टीमें भी प्रभावित गांवों और शिविरों में चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध करा रही है। भोगदोई नदी और अन्य सहायक नदियों का जलस्तर लगातार बढ़ने से तटबंधों पर दबाव बना हुआ है। प्रशासन और स्थानीय ग्रामीण संयुक्त रूप से रेत की बोरियां लगाकर तटबंधों को सुरक्षित रखने का प्रयास कर रहे हैं, ताकि बाढ़ का खतरा और न बढ़े। इधर भोगदोई नदी के जलस्तर में आज भी बढ़ोत्तरी दर्ज की गई। आईडब्लयूटी की शाम छह बजे तक रिपोर्ट में भोगदोई नदी का जलस्तर 91.35 मीटर पर था, जो कि डेंजर लेवल से 2.35 मीटर ऊपर है। वहीं शहर के गड़मुर इलाके में स्थित हिंदू श्मशान, इटाखुली, बोरीगांव सहित कई गांव बाढ़ की चपेट में रहे। इसके अलावा भोगदोई नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने से एटी रोड स्थित जनता घाट के आस-पास रहने वाले लोगों के घरों में पानी घुसने के कारण स्थिति बद से बदत्तर होती नजर आई। देर शाम तक लोग अपने घरों से पानी निकालने में व्यस्त रहे।

जोरहाट में फीफा फैन पार्क में देर रात तक उमड़ा फुटबॉल प्रेमियों का सैलाब

जोरहाट, 20 जुलाई (ख.सं)। फुटबॉल के महाकुंभ फीफा क्लब विश्व कप फाइनल का रोमांच रविवार रात जोरहाट में भी देखने को मिला। जोरहाट स्टेडियम परिसर में बने फीफा सीएम फैन पार्क में फाइनल मुकाबले का सीधा प्रसारण देखने के लिए हजारों फुटबॉल प्रेमी एकत्रित हुए। मैच शुरू होने से पहले ही फैन पार्क दर्शकों से खचाखच भर गया और पूरे आयोजन स्थल पर उत्साह, जोश और खेल भावना का अनूठा माहौल देखने को मिला। विशाल एलईडी स्क्रीन पर प्रसारित फाइनल मुकाबले के दौरान हर रोमांचक पल पर दर्शकों ने तालियों, नारों और जयघोष के साथ अपनी पसंदीदा टीम का उत्साहवर्धन किया। युवा, बच्चे, महिलाएं और वरिष्ठ नागरिक बड़ी संख्या में इस आयोजन में शामिल हुए। पार्क में दर्शकों की सुविधा के लिए बैठने की व्यवस्था, सुरक्षा, चिकित्सा सहायता तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई थीं। आयोजन का उद्देश्य विश्व स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं का आनंद लोगों तक पहुंचाना तथा युवाओं में खेलों के प्रति रुचि और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देना है। कई दर्शकों ने भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को नियमित रूप से आयोजित करने की मांग की। कल रात यहां उमड़ी भारी भीड़ ने यह स्पष्ट कर दिया कि असम में फुटबॉल के प्रति लोगों का जुनून लगातार बढ़ रहा है।

जोरहाट में मंत्री अजंता नेउग ने किया राहत शिविरों और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा

जोरहाट, 20 जुलाई (ख.सं)। असम सरकार की मंत्री अजंता नेओग ने आज जोरहाट जिले का दौरा कर बोरिगांव, गड़मूर तथा बरहोला महाविद्यालय में स्थापित राहत शिविरों सहित कई गंभीर रूप से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इस दौरे के दौरान मंत्री के साथ जिला आयुक्त जय शिवानी, अतिरिक्त जिला आयुक्तगण, राजस्व चक्र अधिकारी, सहायक जिला आयुक्त सहित प्रशासन के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्थानीय लोगों और राहत शिविरों में शरण लिए हुए बाढ़ पीड़ितों से प्रत्यक्ष रूप से बातचीत कर उनकी समस्याओं और वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। इसके साथ ही बाढ़ की स्थिति पर नियंत्रण, आवश्यक सहायता प्रदान करने और भविष्य में बाढ़ से होने वाले नुकसान को रोकने के लिए अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक राहत उपायों को लेकर एक प्रारंभिक योजना भी तैयार की गयी।

डिब्रुगढ़ में नये विधानसभा भवन निर्माण स्थल का स्पीकर ने किया निरीक्षण

डिब्रुगढ़, 20 जुलाई (ख.सं)। असम विधानसभा के अध्यक्ष रंजीत दास ने सोमवार को डिब्रूगढ़ के खनिकर स्थित प्रस्तावित नए असम विधानसभा परिसर के निर्माण स्थल का निरीक्षण किया और परियोजना के मास्टर प्लान की विस्तृत समीक्षा की। राज्य की प्रस्तावित दूसरी राजधानी के रूप में विकसित किए जा रहे इस महत्वाकांक्षी परियोजना का अवलोकन करते हुए उन्होंने कहा कि भविष्य में विधानसभा क्षेत्रों की संख्या बढ़ने की संभावना को ध्यान में रखते हुए नए विधानसभा भवन का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अगले तीन वर्षों के भीतर डिब्रूगढ़ स्थित नए विधानसभा परिसर में असम विधानसभा का कम से कम एक सत्र आयोजित किया जा सकेगा। निरीक्षण के दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने बताया कि प्रस्तावित विधानसभा भवन को 200 सदस्यों के बैठने की क्षमता के साथ डिजाइन किया जा रहा है। वर्तमान में असम विधानसभा में 126 निर्वाचित सदस्य हैं, लेकिन भविष्य में परिसीमन अथवा विधानसभा क्षेत्रों की संख्या बढ़ने की संभावना को देखते हुए भवन की क्षमता पहले से अधिक रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार दूरदृष्टि के साथ इस परियोजना को विकसित कर रही है, ताकि आने वाले वर्षों की आवश्यकताओं को भी पूरा किया जा सके। उन्होंने बताया कि असम सरकार पहले ही डिब्रूगढ़ को राज्य की दूसरी राजधानी के रूप में विकसित करने

की मंजूरी दे चुकी है तथा नए विधानसभा परिसर के निर्माण के लिए लगभग 284 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। निरीक्षण के दौरान उनके साथ स्टेट कैपिटल रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी के अध्यक्ष एवं डिब्रूगढ़ विधायक प्रशांत फुकन, जिला आयुक्त बिक्रम कैरी, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के वरिष्ठ अभियंता तथा अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी उपस्थित थे। प्रतिनिधिमंडल ने भवन के वास्तुशिल्प, मास्टर प्लान और समग्र परियोजना की प्रगति की समीक्षा की। विधानसभा अध्यक्ष ने बताया कि प्रारंभिक योजना में 126 विधायकों के आवास प्रस्तावित थे, लेकिन भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इसे बढ़ाकर लगभग 175 आवास किए जाने का प्रस्ताव रखा गया है। उन्होंने कहा कि डिब्रूगढ़ को राज्य की दूसरी राजधानी के रूप में विकसित करने के लिए आवश्यक सभी बुनियादी ढांचे का निर्माण चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा। रंजीत दास ने कहा कि प्रस्तावित विधानसभा परिसर का निर्माण डिब्रूगढ़ की ऐतिहासिक विरासत, सांस्कृतिक पहचान और पारंपरिक स्थापत्य शैली के अनुरूप किया जाएगा। परिसर में डिब्रूगढ़ की महान विभूतियों की स्मृति को समर्पित विशेष स्थल भी विकसित किए जाएंगे।

टियोक में बाढ़ का कहर जारी, राष्ट्रीय राजमार्ग पर लंबे जलभराव से जनजीवन अस्त व्यस्त

टियोक, 20 जुलाई (ख.सं)। टियोक क्षेत्र में बाढ़ की स्थिति अब भी गंभीर बनी हुई है। कल रविवार सुबह से लगातार हो रही बारिश के कारण कई इलाकों में तीन फीट तक पानी भर गया है, जिससे जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़ने वाली लगभग सभी संपर्क सड़कों पर पानी भर जाने से लोगों का आवागमन बाधित हो गया है। वहीं राष्ट्रीय राजमार्ग के बदली पोखरी, काकोजान तथा अन्य क्षेत्रों में करीब 7 किलोमीटर तक सड़क पर पानी बह रहा है। कई स्थानों पर एक फुट, दो फुट और कहीं-कहीं तीन से चार फुट तक पानी जमा होने से यातायात बुरी तरह प्रभावित है। नगर क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग का एक हिस्सा दो से तीन फुट पानी में डूब जाने के कारण प्रशासन ने एक लेन को बंद कर दिया है। फिलहाल दूसरी लेन से वन-वे व्यवस्था के तहत वाहनों की आवाजाही कराई जा रही है। सड़क पर गहरे गड्ढों और तेज बहाव को देखते हुए प्रशासन की निगरानी में वाहनों को रोक-रोककर सुरक्षित आगे बढ़ने दिया जा रहा है। भारी वाहनों और ट्रकों को कई स्थानों पर रोक दिया गया है, जिससे लंबा जाम लग गया और यात्रियों को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। टियोक क्षेत्र के जगदुवार, कोलियापानी, बदली पोखरी, काकोजान तथा आसपास के कई गांवों में जलभराव की स्थिति गंभीर बनी हुई है।

मंत्री नीलिमा देवी ने किया मल्टीकेयर पशु चिकित्सालय का शिलान्यास

जोरहाट, 20 जुलाई (ख.सं)। राज्य में पशुपालन क्षेत्र के उत्थान के माध्यम से कृषि-अर्थव्यवस्था की नींव मजबूत करने के उद्देश्य से पशुपालन एवं पशु चिकित्सा विभाग द्वारा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं। इसी क्रम में आज राज्य सरकार के पशुपालन एवं पशु चिकित्सा तथा मत्स्य विभाग की मंत्री नीलिमा देवी ने जोरहाट जिले के बाघचुंग स्थित हंस-मुर्गी फार्म परिसर में 3.08 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले एक आधुनिक स्वचालित पुलेट यानी चूजा मुर्गी फार्म का शिलान्यास किया। इस फार्म में एक इकाई में 5000 मुर्गियों को पालने की व्यवस्था होगी। इसके अलावा मंत्री ने लिचुबाड़ी में 4.79 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले

एक नए मल्टीकेयर पशु चिकित्सालय का भी शिलान्यास किया। साथ ही शिवसागर जिले के जयसागर स्थित जिला हंस-मुर्गी फार्म घर, खाद्य उत्पादन परियोजना और प्रशिक्षण गृह की वर्चुअल रूप से आधारशिला रखी। इस परियोजना पर 2.74 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इस अवसर पर मंत्री नीलिमा देवी ने जोरहाट के 'बाहुबली एग फार्म' का भी निरीक्षण कर वहां के उत्पादन और प्रबंधन की जानकारी ली तथा रौरया के दैनिक 5000 लीटर दूध उत्पादन क्षमता वाले डेयरी प्लांट का भी दौरा किया। इन कार्यक्रमों में मंत्री के साथ पशुपालन एवं पशु चिकित्सा विभाग के संचालक डॉ. जयंत कुमार गोस्वामी, जोरहाट के जिला पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. भूपेन दास, अनुमंडल पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. रिपुंजय चक्रवर्ती, उप-संचालक डॉ. अश्विनी कलिता, कार्यकारी अभियंता बबीता भंडार कायस्थ, संयुक्त संचालक डॉ. वंदना दत्त बरुआ और प्रख्यात समाजसेवी शांतनु पुजारी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि राज्य के 35 जिलों में से प्रत्येक में एक-एक मल्टीकेयर वेटरिनरी अस्पताल स्थापित किए जा रहे हैं। अब तक गोलाघाट जिले के बोकाखात, कामरूप जिले के चांगसारी, लखीमपुर और तिनसुकिया जिले में निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। वहीं शिवसागर और श्रीभूमि जिले में निर्माण कार्य जारी है।

जोरहाट से कोलकाता की इंडिगो फ्लाइट तकनीकी खामी के चलते रद्द

जोरहाट, 20 जुलाई (ख.सं)। जोरहाट से कोलकाता के लिए रवाना होने वाली इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई-6153 में उड़ान भरने से ठीक पहले तकनीकी खराबी का पता चलने पर यात्रियों को सुरक्षित विमान से उतार दिया गया। बाद में एहतियात के तौर पर विमान की उड़ान रद्द कर दी गई। सूत्रों के अनुसार विमान के इंजन से ईंधन का रिसाव होने की आशंका जताई गई है। हालांकि घटना में किसी यात्री के हताहत होने की सूचना नहीं है। इस संदर्भ में जोरहाट एयरपोर्ट के निदेशक हिमांशु सिंह से हुई बातचीत में उन्होंने बताया कि दोपहर 1.30 बजे कोलकाता के लिए रवाना होने वाली इस फ्लाइट के लिए सभी यात्रियों की बोर्डिंग की प्रक्रिया पूरी कर ली गई। लेकिन फ्लाइट के तकनीकी विशेषज्ञ द्वारा कुछ तकनीकी खराबी बताए जाने पर यात्रियों को डिबोर्ड किया गया। हालांकि आज दिल्ली की सीधी फ्लाइट उपलब्ध होने के कारण कई यात्रियों को सीट उपलब्धता के आधार पर दिल्ली के रास्ते आगे भेजने की व्यवस्था की गई। वहीं 17 यात्रियों को इंडिगो ने होटल में ठहराने का प्रबंध किया तथा शेष अन्य अपने घरों के लिए रवाना हुए, जिन्हें कल कोलकाता की नियमित फ्लाइट से पुनः भेजने का प्रबंध किया जाएगा। इधर आज तकनीकी खराबी पाई गई फ्लाइट को जांच के बाद ही पुनः सेवा में लगाया जाएगा।

जापानी इंसेफेलाइटिस से बचाव के लिए डिब्रुगढ़ में व्यापक जनजागरूकता अभियान

डिब्रुगढ़, 20 जुलाई (ख.सं)। जापानी इंसेफेलाइटिस (जेई) के प्रति लोगों को जागरूक करने तथा इस जानलेवा मच्छरजनित बीमारी की रोकथाम के उद्देश्य से राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीवीबी डीसी) द्वारा डिब्रूगढ़ जिले के लाहोवाल बीपीएचसी क्षेत्र में व्यापक माइकिंग एवं जनजागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान लाहोवाल बाजार, डिब्रुआल चांगमाई गांव, मटक टी एस्टेट, तेलियापट्टी, हटखुला, हाबीचुक, घोरामोरा बाजार, निज मोदेरखाट, खरिकोटिया, अलीमुर, डिकोम टी एस्टेट, डिकोम बाजार तथा बिनोईगुटिया सहित अनेक गांवों एवं चाय बागान क्षेत्रों को कवर किया गया। अभियान के दौरान लोगों को जापानी इंसेफेलाइटिस के लक्षणों की शीघ्र पहचान, बुखार होने पर तत्काल चिकित्सकीय परामर्श लेने, संदिग्ध मरीजों का तुरंत उपचार कराने, मच्छरों के काटने से बचाव तथा मच्छरों के प्रजनन स्थलों को नष्ट करने के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। लोगों से घरों और आसपास साफ-सफाई बनाए रखने, पानी जमा नहीं होने देने, कीटनाशक युक्त मच्छरदानियों का उपयोग करने तथा अन्य व्यक्तिगत सुरक्षा उपाय अपनाने की अपील भी की गई। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अभियान के दौरान सूचना, शिक्षा एवं संचार (आईईसी) संबंधी पर्चों का वितरण भी किया। इन पर्चों में जापानी इंसेफेलाइटिस के संक्रमण, चेतावनी संकेतों, बचाव के उपायों, समय पर जांच एवं उपचार के महत्व की सरल भाषा में जानकारी दी गई, ताकि आम लोग बीमारी के प्रति जागरूक होकर समय रहते आवश्यक कदम उठा सकें। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम), असम तथा जिला स्वास्थ्य समिति, डिब्रूगढ़ के सहयोग से संचालित इस अभियान का उद्देश्य समुदाय की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से जापानी इंसेफेलाइटिस सहित अन्य मच्छरजनित रोगों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना है।

दिवंगत पत्रकार बीरेन कोईरी की याद में सभा का आयोजन

दुमदुमा, 20 जुलाई (ख.सं)। असम चाय जनजाति छात्र संस्था की तिनसुकिया जिला समिति के संस्थापक सचिव, चाय जनजाति के वलिष्ठ नेता, समाज संगठक और पूर्व पत्रकार दिवंगत वीरेन कोईरी के आद्यश्राद्ध के अवसर पर आज असम चाय जनजाति छात्र संस्था दुमदुमा शाखा के सौजन्य और आम जनता के सहयोग से ऊंचामाटी स्थित मिलन विवाह भवन में एक सार्वजनिक स्मृति कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर अखिल भारतीय गायत्री परिवार की ओर से वीरेन कोईरी के प्रतिछबि के समक्ष दीप प्रज्वलित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके बाद असम चाय जनजाति छात्र संघ के केंद्रीय कार्यकारी सदस्य रूपेश तांती की अध्यक्षता में सार्वजनिक स्मृति सभा आयोजित की गई । असम चाय जनजाति छात्र संस्था, दुमदुमा शाखा के सचिव योगेश्वर नंद द्वारा संचालित इस कार्यक्रम के प्रारंभ में दिवंगत वीरेन कोईरी की याद में एक मिनट का मौन रखा गया। इसके बाद दुमदुमा के पूर्व विधायक व एक समय के आटसा के पूर्व सहयोगी दुर्गा भूमिज , दुमदुमा के विधायक रूपेश ग्वाला , रूपाई उच्च माध्यमिक विद्यालय के सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक प्रकाश दत्त, दुमदुमा प्रेस क्लब के उपाध्यक्ष अभिजीत खाटनियार , आटसा के पूर्व पदाधिकारी नगेन कुमार और दुमदुमा आंचलिक छात्र संस्था के सचिव

समुज्ज्वल बोरा सोनोवाल सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने वीरेन कोईरी के सामाजिक योगदान को याद करते हुए वक्तव्य प्रदान किया । इस स्मृति सभा में माकुम विधानसभा क्षेत्र के विधायक संजय किसान, असम चाय जनजाति छात्र संस्था के तिनसुकिया जिला समिति के अध्यक्ष जगत नायक, चाय जनजाति छात्र संस्था दुमदुमा शाखा समिति के अध्यक्ष इरत तांती, असम चाय जनजाति जातीय महासभा केंद्रीय समिति के सचिव अरुण कांवर, तिनसुकिया जिला अध्यक्ष बबलू कुलदीप, विशिष्ट लेखक राजेन चूड़ी सहित विभिन्न दल संगठनों के नेता और प्रमुख व्यक्ति उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार और तिनसुकिया जिला साहित्य सभा के पूर्व अध्यक्ष अर्जुन बरुआ ने वीरेन कोयरी की स्मृति में देवेन डेका और सुभाष साहू द्वारा संपादित स्मरण पत्रिका ''श्रद्धार्घ्य ' का विमोचन किया गया।

बाढ़ प्रभावित 170 परिवारों के बीच मारवाड़ी महिला समिति ने बांटी राहत सामग्री

शिवसागर, 20 जुलाई (ख.सं)। शिवसागर एवं आसपास के क्षेत्रों में आई बाढ़ से प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन, असम प्रांत के अंतर्गत शिवसागर मारवाड़ी महिला समिति ने मथुराई क्षेत्र के 170 परिवारों के बीच राहत सामग्री वितरित की। प्रत्येक परिवार को चावल, दाल, नमक एवं सरसों का तेल प्रदान किया गया। इस सेवा कार्य में समिति की अध्यक्षा सरिका देवड़ा, उपाध्यक्ष श्वेता अग्रवाल, सचिव प्रीति केजरीवाल, कोषाध्यक्ष संगीता झूरिया सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहीं। समिति ने यश देवड़ा के विशेष सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। राशन सामग्री की व्यवस्था एवं वितरण में उनके महत्वपूर्ण योगदान की सभी ने सराहना की। अध्यक्षा सरिका देवड़ा ने कहा कि मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और समिति भविष्य में भी जरूरतमंदों की सहायता के लिए सदैव तत्पर रहेगी। इस सेवा कार्य की जानकारी जनसंपर्क अधिकारी पायल अग्रवाल ने दी। शिवसागर की बाढ़ स्थिति पर सरकार सतर्क, मंत्री केशव महंत ने की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक।

मारवाड़ी सम्मेलन,तिनसुकिया शाखा कार्यकारी समिति की सभा संपन्न

तिनसुकिया, 20 जुलाई (ख.सं)। मारवाड़ी सम्मेलन,तिनसुकिया शाखा की कार्यकारी समिति की सभा 19 जुलाई रविवार प्रातः10:45 बजे होटल रॉयल किचन में शाखा अध्यक्ष पवन केजड़ीवाल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक का शुभारंभ शाखा सचिव विमल चौखानी ने उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए किया तथा बैठक के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। इसके उपरांत उन्होंने अध्यक्ष महोदय से बैठक की कार्यवाही प्रारंभ करने का अनुरोध किया। अध्यक्ष श्री पवन केजड़ीवाल ने मई, जून एवं जुलाई माह में आयोजित विभिन्न सामाजिक एवं जनजागरूकता कार्यक्रमों की संक्षिप्त जानकारी देते हुए सभी कार्यक्रमों के संयोजकों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त

किया। उन्होंने बताया कि संस्था द्वारा मातृ दिवस (10 मई), अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस (12 मई), विश्व तंबाकू निषेध दिवस (31 मई), विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून), अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून), विश्व रक्तदाता दिवस (14 जून) तथा राष्ट्रीय डाक सेवा दिवस (1 जुलाई) जैसे कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। सभा में जुलाई, अगस्त एवं सितंबर माह के प्रस्तावित कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा की गई। सर्वसम्मति से सावन माह में दो कांवर सेवा शिविर,15 अगस्त को मेगा रक्तदान शिविर, 5 सितंबर को शिक्षक दिवस तथा 14 सितंबर को हिंदी दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले मेगा रक्तदान शिविर को तिनसुकिया की विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं व्यापारिक संस्थाओं के सहयोग से व्यापक स्तर पर आयोजित करने हेतु जनसंपर्क अधिकारी श्री दीपक बजाज एवं उपाध्यक्ष श्री जितेंद्र डालमिया को संयोजक नियुक्त किया गया। शाखा के अध्यक्ष ने जानकारी दी कि इस वर्ष संस्था द्वारा दीवा लग्न में विवाह करने वाले समाजबंधुओं श्री भरत गोयल एवं श्री मामन अग्रवाल के परिवारों को विवाह स्थल पर जाकर सम्मानित किया गया।

शिवसागर में बाढ़ की स्थिति का जायजा लेने पहुंचे मंत्री केशव महंत

शिवसागर, 20 जुलाई (ख.सं)। जिले में उत्पन्न बाढ़ की गंभीर स्थिति का जायजा लेने के लिए असम सरकार के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री केशव महंत रविवार को शिवसागर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने जिला आयुक्त कार्यालय स्थित चुकाफा सभागार में जिला प्रशासन एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की।बैठक में असम सरकार के सांस्कृतिक कार्य, उद्योग, वाणिज्य एवं सार्वजनिक उपक्रम मंत्री तथा शिवसागर जिले के अभिभावक मंत्री बिमल बोरा, जल संसाधन एवं न्याय मंत्री सुषांत बरगोहाईं, जिला आयुक्त मृदुल यादव, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी तथा विभिन्न विभागों के प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे। समीक्षा बैठक में नाजिरा, डिमौ एवं शिवसागर विधानसभा क्षेत्रों सहित जिले के विभिन्न इलाकों में आई बाढ़ की स्थिति, राहत एवं बचाव कार्यों तथा प्रभावित लोगों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का विस्तृत आकलन किया गया। मंत्री केशव महंत ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि बाढ़ प्रभावित लोगों तक समय पर भोजन, स्वच्छ पेयजल, चिकित्सा सेवाएं तथा अन्य आवश्यक सामग्री पहुंचाना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री महिला उद्यमिता अभियान

मंत्री पीयूष ने 22,818 लाभार्थियों को दिये चेक

धिंग, 20 जुलाई (ख.सं)। कृषि, सिंचाई और संसदीय कार्य विभाग के मंत्री तथा नगांव जिले के प्रभारी मंत्री पीयूष हजारिका ने आज नगांव के धिंग में आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री महिला उद्यमिता अभियान के तहत 22,818 लाभार्थियों को औपचारिक रूप से चेक वितरित किये। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि योजना के तहत महिलाओं को दिए जा रहे 10,000 रुपये आजीविका कमाने और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने का एक महत्वपूर्ण माध्यम हैं। उन्होंने लाभार्थियों से इस प्रारंभिक पूंजी का सही उपयोग कर अपना व्यवसाय शुरू करने का आग्रह किया। इससे वे योजना के अगले चरण में 25,000 और 50,000 रुपये की सहायता प्राप्त करने के लिए पात्र बन सकती हैं। मंत्री हजारिका ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास, बेहतर सड़क अवसंरचना, गरीब परिवारों को मुफ्त राशन तथा स्कूल-कॉलेजों में विद्यार्थियों के मुफ्त नामांकन जैसी विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार समग्र विकास की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने घोषणा की कि अगले महीने से फिर से मुफ्त राशन वितरण की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। मंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार भाषाई और धार्मिक भेदभाव से ऊपर उठकर लोगों को निष्पक्ष रूप से सरकारी सुविधाएं प्रदान कर रही है और कोई भी क्षेत्र विकास योजनाओं से वंचित नहीं है। धिंग में बाढ़ सुरक्षा और रोजगार पर जोर मंत्री ने कहा कि तटबंध निर्माण और बाढ़ सुरक्षा उपायों ने धिंग विधानसभा क्षेत्र के लोगों को साल में दो या उससे अधिक फसलें उगाने में मदद की है। उन्होंने दावा किया कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में गरीब, लेकिन मेधावी विद्यार्थियों को सरकारी नौकरी मिल रही है और पिछली सरकारों के समय नियुक्ति प्रक्रिया में व्याप्त भ्रष्टाचार को पूरी तरह समाप्त कर दिया गया है। कृषि विभाग से जुड़ी अपनी योजनाओं का उल्लेख करते हुए मंत्री ने लोगों से राज्य के आर्थिक विकास में योगदान देने के लिए कृषि को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने किसानों को कृषि और सिंचाई विभागों की ओर से हरसंभव सहायता देने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में विधायक मेहबूब मुक्तार और रूपक शर्मा, नगांव के उपायुक्त सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। 81 परिवारों को भूमि पट्टा वितरित इसके बाद मंत्री ने भोमोरागुड़ी में आयोजित एक अन्य कार्यक्रम में नगांव-बटद्रवा विधानसभा क्षेत्र के 81 परिवारों को भूमि पट्टा वितरित किया।

मंत्री कौशिक राय ने सार्वजनिक सेवा गतिविधियों की समीक्षा की

सिलचर, 20 जुलाई (ख.सं)। मंत्री कौशिक राय ने आज सिलचर होलसेल कोऑपरेटिव स्टोर्स लिमिटेड के कार्यालय का दौरा कर उसकी सार्वजनिक सेवा गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा की। इस यात्रा के दौरान उन्होंने संगठन की समग्र गतिविधियों, बुनियादी ढांचे और विभिन्न जन कल्याणकारी पहलों की प्रगति की समीक्षा की। इसके अलावा उन्होंने संगठन के पदाधिकारियों और कर्मचारियों से विचार-विमर्श किया और विभिन्न सुविधाओं, समस्याओं और मौजूदा चुनौतियों के बारे में जानकारी प्राप्त की। सहकारी प्रणाली को अधिक मजबूत, प्रभावी और जनहितैषी बनाने के लिए आवश्यक कदमों पर भी विस्तृत चर्चा हुई। इस अवसर पर मंत्री कौशिक राय ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार सहकारी प्रणाली को अधिक गतिशील, आत्मनिर्भर और जनहितैषी बनाने के लिए अथक प्रयास कर रही है। इस लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए सहकारी संस्थाओं को आधुनिक, पारदर्शी और जनविश्वास के केंद्र के रूप में विकसित करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान सिलचर होलसेल कोऑपरेटिव स्टोर्स लिमिटेड के अध्यक्ष विनय भूषण शर्मा, उपाध्यक्ष बसुदेव शर्मा, विधायक किशोर नाथ, अमियाकांति दास और भाजपा जिला अध्यक्ष रूपम साहा उपस्थित थे।

लामडिंग-हाफलांग हाईवे पर भीषण सड़क हादसा दो युवकों की मौत

लमडिंग, 20 जुलाई (ख.सं)। डिमा हसाओ जिले के हाथीखुली थाना क्षेत्र अंतर्गत लामडिंग हाफलांग राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर रविवार को हुए एक भीषण सड़क हादसे में दो युवकों की जान चली गयी। दुर्घटना हाथीखुली के एस-टर्निंग नामक खतरनाक मोड़ पर हुई, जहां तेज रफ्तार मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर सड़क के डिवाइडर से टकरा गयी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। पुलिस और स्थानीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मृतक मोहित वारिसा और विशाल लांगथासा हाथीखुली से लामडिंग की ओर मोटरसाइकिल से जा रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक एस-टर्निंग के घुमावदार हिस्से में पहुंची, चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका।

अपनी समस्याओं को लेकर बिजली मंत्रालय के प्रभारी को सौंपा ज्ञापन

सिलचर, 20 जुलाई (ख.सं)। ऑल असम इलेक्ट्रिसिटी कंज्यूमर्स एसोसिएशन की कछार डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेशन कमेटी ने आज राज्य के बिजली मंत्रालय के इंचार्ज मुख्यमंत्री को एक मेमोरेंडम दिया। मेमोरेंडम देते हुए संगठन के जनरल सेक्रेटरी में से एक संजीव रॉय ने कहा कि जब लोगों को तेज गर्मी में बिजली की ज़्यादा ज़रूरत होती है, तो आम कंज्यूमर को घंटों लोड शेडिंग से परेशान होना पड़ता है। इसी तरह थोड़ी सी बारिश या हल्की हवा चलने पर भी बिजली सप्लाई बंद हो जाती है। कंज्यूमर्स की इस रोज़ाना की परेशानी का पक्का हल निकालने, राज्य के रेजिडेंशियल कंज्यूमर्स को कम से कम 200 यूनिट बिजली फ्री देने, प्रीपेड स्मार्ट मीटर जरूरी न करने, बिजली सेक्टर का प्राइवेटाइजेशन रोकने वगैरह समेत चार मांगों को लेकर ऑल असम इलेक्ट्रिसिटी कंज्यूमर्स एसोसिएशन की कछार डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेशन कमेटी के बुलावे पर 21 जून को सिलचर में कंज्यूमर कन्वर्जन मूवमेंट जारी रखने का फैसला लिया गया। शुरुआती कदम के तौर पर, 14 जून को पानपट्टी में ऑफिस में एक प्रोटेस्ट और एक मेमोरेंडम दिया गया। आज मेमोरेंडम देने के दौरान ग्रेटर मलूग्राम इलाके के जागरूक नागरिक और कंज्यूमर्स एसोसिएशन के सदस्य, जिनमें प्रोफेसर अजय रॉय, सिमंता भट्टाचार्य, नकुल रंजन पाल, बंदिता त्रिवेदी, रंजीत चौधरी, प्रशांत भट्टाचार्य, और संगठन के एक सदस्य, लेबर लीडर मृणाल कांति सोम शामिल थे।

डीसी ने केंद्रीय विद्यालय का किया दौरा

कोकराझाड़ 20 जुलाई (ख.सं)। कोकराझाड़ के जिला आयुक्त पंकज चक्रवर्ती ने आज कोकराझाड़ स्थित केंद्रीय विद्यालय का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने छात्रों, शिक्षकों, अभिभावकों और विद्यालय के कर्मचारियों के साथ संवाद कर शिक्षा के स्तर को और बेहतर बनाने की दिशा में जिला प्रशासन की प्रतिबद्धता दोहराई। अभिभावकों की सराहना और रचनात्मकता का प्रदर्शन जिला आयुक्त ने अभिभावक-शिक्षक संघ के सदस्यों के साथ चर्चा की और विद्यालय समुदाय को मजबूत बनाने में उनकी भूमिका की सराहना की। इसके बाद उन्होंने विद्यालय के को-करिकुलर एक्टिविटीज कार्यक्रम के तहत आयोजित वेस्ट टू बेस्ट प्रदर्शनी का अवलोकन किया। कक्षा 1 से 5 तक के छात्रों द्वारा बेकार पड़ी वस्तुओं से बनायी गयी पर्यावरण-अनुकूल कलाकृतियों को देखकर डीसी ने उनकी रचनात्मकता और पर्यावरण के प्रति जागरूकता की जमकर प्रशंसा की। जीवन के स्वर्णिम काल पर दिया जोर विद्यालय के कक्षा 10, 11 और 12 के छात्रों को संबोधित करते हुए चक्रवर्ती ने एक प्रेरक लाइफ ग्राफ साझा किया। उन्होंने छात्रों को समझाया कि 1 से 20 वर्ष की आयु का समय भविष्य की नींव होता है। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे अपने इस महत्वपूर्ण समय को सीखने, कौशल विकास, अनुशासन और कड़ी मेहनत में लगाएं, क्योंकि आज की गई मेहनत ही एक सफल और उज्ज्वल भविष्य का आधार बनती है। उन्होंने सफलता के 3 मंत्र अपने ज्ञान और कौशल का विकास, सही मानसिकता और अच्छे मूल्यों को अपनाने और दृढ़ संकल्प और निरंतरता के साथ सफलता के उच्च शिखर तक पहुंचने दिया।

मोरिगांव में सैकड़ों बीघा कृषि भूमि नदी में समाई

मोरिगांव, 20 जुलाई (ख.सं)। लगातार हो रही मानसूनी बारिश के कारण ब्रह्मपुत्र नदी ने मोरिगांव जिले में भारी तबाही मचा रखी है। पोकड़िया मौजा क्षेत्र में नदी के कटाव से सैकड़ों बीघा उपजाऊ जमीन बह गयी है। स्थानीय किसानों की आजीविका का प्रमुख आधार जूट की फसल भी पूरी तरह नष्ट हो गयी है। कटाव के कारण कई गांवों पर अस्तित्व का संकट मंडरा रहा है। कई घर एक-एक कर नदी में समा रहे हैं और बड़ी संख्या में परिवार विस्थापन के खतरे का सामना कर रहे हैं। करीब 10 किलोमीटर लंबे क्षेत्र में कटाव की स्थिति बेहद गंभीर बताई जा रही है। बरबरी बाजार, 100 से अधिक आवासीय घर और कई स्कूल भी अब नदी के कटाव की चपेट में आने के खतरे में हैं।

बजट को लेकर विधायक नारायण डेका ने की प्रेस कांफ्रेस, गिनाये फायदे

नलबाड़ी, 20 जुलाई (ख.सं)। वित्त मंत्री जयंतमल्ल बरुवा द्वारा पेश किये गये बजट को लेकर बरखेत्री के विधायक नारायण डेका ने आज नलबाड़ी जिला भाजपा कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान विधायक नारायण डेका ने कहा कि राज्य सरकार का बजट जनहित, विकास और समग्र कल्याण को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि बजट में कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे, युवाओं, महिलाओं तथा सामाजिक सुरक्षा से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों को विशेष प्राथमिकता दी गयी है। विशेष कर वहु विवाह कठोर कानून याद दिलाते हुए जनसंख्या नियंत्रित करने के लिए वही तीन संतान वाले को सरकारी सुविधाओं से वंचित करने का प्रावधान भी बजट में है। वित्त मंत्री जयंतमल्ल बरुवा जैसे मंत्री हमारे नलबाड़ी का होने के लिए गौरव की बात बताया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में असम सरकार राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है और यह बजट उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। विधायक ने विश्वास जताया कि बजट में घोषित योजनाओं से आम जनता को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा तथा राज्य के विकास को नयी गति मिलेगी। अपने भाषण में नारायण डेका सरकार के नीति का हर फैमिली को लाभ प्राप्त हो गरीब से लेकर मध्य, अमीर परिवार तक को भी सरकार कानूनी दायरे में जनमानस की सेवा करने का प्रयास कर रही है हमारे आगंतुक पीढ़ी को सुरक्षित करने का प्रयास है।

मंत्री अशोक सिंघल ने किया भगवान शिव का जलाभिषेक

ढेकियाजुली, 20 जुलाई (ख.सं)। पवित्र सावन महीना के प्रथम सोमवार के दिन ढेकियाजुली बिधानसभा के पानबाड़ी स्थित हिंदू वैदिक क्षेत्र में स्थित शिव मंदिर में स्थानीय बिधायक तथा असम सरकार के स्वास्थ्य, परिवार कल्याण, शिक्षा व अनुसंधान मंत्री अशोक सिंघल ने देवो के देव महादेव की पूजा-अर्चना कर राज्यवासियों के लिए शांति समृद्धि की कामना की। सावन महीना को ध्यान मे रखते हूए ऐतिहासिक प्रसिद्ध सिंगरी स्थित श्रीश्री गुप्तेश्वर मंदिर को भी सजाने के साथ साथ मंदिर संचालन समिति के तरफ से कॉवरियों के लिए जरुरत कि सारी सुविधा की गयी है ताकि जलभिषेक के समय किसी भी प्रकार की दिक्कत न हो, इसका भी ध्यान रखा गया है।

हैलाकांदी चोरीकांड में पुलिस की बड़ी सफलता, पांच गिरफ्तार

हैलाकांदी, 20 जुलाई (ख.सं)। हैलाकांदी शहर के नतुनपाड़ा के प्रतिष्ठित व्यवसायी स्वपन दास के घर में हुई चोरी की घटना में पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता मिली है। घटना के तुरंत बाद पुलिस ने विशेष जांच शुरू की और जिले के विभिन्न इलाकों में लगातार अभियान चलाकर पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया। साथ ही सोने के आभूषण तथा भारी मात्रा में चांदी के गहने बरामद किये गये हैं। हालांकि चोरी की गयी नकदी तथा कुछ अन्य कीमती आभूषण अभी तक बरामद नहीं हो सके हैं। पुलिस ने बताया कि उनकी बरामदगी के लिए अभियान लगातार जारी है। यह अभियान हैलाकांदी सदर थाना प्रभारी (ओसी) पॉल लालहिमसांग की मौजूदगी में तथा टाउन दरोगा निशिरंजन देव के नेतृत्व में सदर थाना पुलिस की एक विशेष टीम द्वारा चलाया गया। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपियों पर चोरी की वारदात में प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से संलिप्त रहने मुख्य आरोपियों को फरार होने में सहायता देने चोरी का माल बेचने तथा चोरी का सामान खरीदने बेचने के आरोप हैं। जांच के दौरान इस गिरोह की गतिविधियों से संबंधित कई महत्वपूर्ण जानकारियां भी प्राप्त हुई हैं।

ग्वालपाड़ा जिले में अवैध बर्मीज सुपारी की हो रही तस्करी

ग्वालपाड़ा, 20 जुलाई (ख.सं)। ग्वालपाड़ा जिले से होकर मवेशियों, लकड़ी और खाद्य सुरक्षा योजना के चावल की कथित अवैध आवाजाही के साथ-साथ लाखों रुपये की अवैध सुपारी की तस्करी भी तेजी से जारी होने का आरोप है। बताया जा रहा है कि सुपारी सिंडिकेट तस्करी के लिए नए-नए तरीके अपना रहा है। जानकारी के अनुसार हाल के दिनों में रात की बसों के जरिये अवैध बर्मी सुपारी जिले में लाई जा रही है। एक अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क कथित रूप से म्यांमार से बर्मी सुपारी मेघालय भेजता है। इसके बाद मेघालय से इसे अवैध नेटवर्क के जरिए गोलपाड़ा तक पहुंचाया जाता है। बताया गया है कि इस अवैध कारोबार के लिए यात्री बसों का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। पहले सिलचर से गुवाहाटी और फिर गुवाहाटी से निचले असम के विभिन्न इलाकों के रास्ते लाखों रुपये की सुपारी की खेप भेजी जाती है। गुवाहाटी से आने वाली रात की बसें कृष्णाई में राष्ट्रीय राजमार्ग-17 के किनारे रुककर बर्मी सुपारी की बोरियां उतारती हैं। वहीं मानकाचर और धुबरी से आने वाली कुछ यात्री बसों के जरिये भी बड़ी मात्रा में सुपारी कृष्णाई पहुंचाए जाने की बात सामने आयी है। दावा है कि मेघालय से आने वाली अवैध बर्मी सुपारी का करीब 90 प्रतिशत हिस्सा कृष्णाई के व्यापारियों तक पहुंचता है। रिपोर्ट के अनुसार मेघालय से चारपहिया वाहनों के जरिए दिन-रात बर्मी सुपारी लायी जा रही है।

राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में ढेकियाजुली का श्रेष्ठ प्रदर्शन

ढेकियाजुली, 20 जुलाई (ख.सं)। गुवाहाटी के ज्योति चित्रवन में आयोजित संस्कृति संगम प्रतियोगिता महोत्सव में शोणितपुर के नटराज नृत्ययांगन के शिक्षार्थियों ने सत्रिया नृत्य, भारत नाट्यम, बरगीत, स्लोडांस और स्लोसॉन्ग शाखा में पुरस्कार लाभ किया है। साथ ही मुंबई में आयोजित होने वाले प्रतियोगिता के लिए भी चयन किया गया है। इस सफलता को लेकर 19 जुलाई को नटराज नृत्यंगना के तत्वाधान में शिक्षार्थियों को विशेष रूप से अभिनंदन करते हुए उत्साहित किया गया। उक्त अवसर पर नटराज नृत्यागंना के प्रमुख नूपुर बोरा भुइयां, अभिभावक और उपस्थित विशिष्ट लोगों ने शिक्षार्थियों के सफलता को लेकर संतुष्टि प्रकाश की है। उल्लेखनीय है कि उक्त प्रतियोगिता में कंकना बोरा ने बरगीत शाखा मे श्रेष्ठ पुरस्कार प्राप्त की है तो वहीं काब्यांगना बोरा ने सत्रिया नृत्य के गोपी नृत्य शाखा मे श्रेष्ठ पुरस्कार प्राप्त कि है। उक्त कार्यक्रम में विचारक के रूप में जनप्रिय हिंदी धारावाहिक तारक मेहता के उल्टा चश्मा के चित्र नाटयकार उमेश मेहता उपस्थित थे।

नगांव में युवक की मौत को लेकर रहस्य, शव पर मिले चोट के निशान

नगांव, 20 जुलाई (ख.सं)। नगांव में एक सनसनीखेज घटना सामने आयी है। महा मृत्युंजय मंदिर के पास एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद इलाके में रहस्य गहरा गया है। मंदिर के सामने दुकान लगाने वाले हिरण्य शर्मा नामक युवक की रात में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गयी। उनका शव नगांव के डिमरुगुड़ी मुख्य मार्ग के पास बरामद किया गया। स्थानीय लोगों के अनुसार हिरण्य शर्मा की पीठ पर चोट के निशान दिखाई दिये हैं, जिसके बाद हत्या की आशंका जतायी जा रही है। बताया गया है कि हिरण्य शर्मा रात में अपनी दुकान बंद करने के बाद नगांव शहर में खरीदारी करने गये थे। इसके बाद उनका शव सड़क के पास बरामद हुआ।

कोकराझाड़ में उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था के प्रबंधन पर एक दिवसीय कार्यक्रम

कोकराझाड़, 20 जुलाई (ख.सं)। मातृत्व स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने और उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था के प्रबंधन में स्वास्थ्य पेशेवरों की क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से कोकराझाड़ के प्रशासनिक स्टाफ कॉलेज में एक दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विशेष रूप से सेक्टर मेडिकल ऑफिसर्स और एक साल की अनिवार्य ग्रामीण पोस्टिंग कर रहे मेडिकल ऑफिसर्स के लिए आयोजित किया गया था। मुख्य अतिथियों की उपस्थिति कार्यक्रम में कोकराझार के आयुक्त पंकज चक्रवर्ती विशेष रूप से उपस्थित रहे। उनके साथ अतिरिक्त जिला आयुक्त (स्वास्थ्य) बंटी तालुकदार और जिला कार्यक्रम प्रबंधन इकाई के अधिकारियों ने भी शिरकत की। इन अधिकारियों ने जिले भर में गुणवत्तापूर्ण मातृत्व स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए फ्रंटलाइन मेडिकल ऑफिसर्स के निरंतर क्षमता निर्माण पर जोर दिया। विशेषज्ञों द्वारा तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम का तकनीकी सत्र आरएनबी सिविल अस्पताल, कोकराझार के उप-अधीक्षक और कंसल्टेंट गायनेकोलॉजिस्ट डॉ. जुनीकर अली द्वारा संचालित किया गया। इस दौरान चिकित्सकों को उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था की प्रारंभिक पहचान, जोखिम के वर्गीकरण, समय पर रेफरल तंत्र और साक्ष्य-आधारित नैदानिक प्रबंधन के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इसका मुख्य उद्देश्य मातृ एवं नवजात शिशु स्वास्थ्य के परिणामों में सुधार लाना है।

शहीद मंगल पाण्डेय की 199वीं जयंती मनायी गयी

सिलचर, 20 जुलाई (ख.सं)। भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के अग्रदूत और अमर शहीद मंगल पांडेय की 199वीं जयंती के अवसर पर कल सिलचर के घुंघूर स्थित मंगल पांडेय चौक में श्रद्धा, सम्मान और राष्ट्रभक्ति के वातावरण के बीच भव्य श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों, समाजसेवियों तथा विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर अमर शहीद की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का आयोजन शहीद मंगल पांडेय स्थापना समिति द्वारा किया गया। उपस्थित लोगों ने देश की स्वतंत्रता के लिए मंगल पांडेय के अद्वितीय बलिदान को याद करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। समिति के सचिव प्रदीप कुर्मी ने कहा कि आज अमर शहीद मंगल पांडेय की 199वीं जयंती मनायी जा रही है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025 में घुंघूर में मंगल पांडेय की प्रतिमा स्थापित होने के बाद से समिति प्रत्येक वर्ष चार प्रमुख कार्यक्रम आयोजित करती है, जिनमें उनकी जयंती, शहादत दिवस, 26 जनवरी और 15 अगस्त शामिल हैं। उन्होंने सभी अतिथियों, मार्गदर्शक मंडल के सदस्यों तथा स्थानीय लोगों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समिति का उद्देश्य नई पीढ़ी को मंगल पांडेय के जीवन, संघर्ष और बलिदान से परिचित कराना है।

लमडिंग में वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट परिसर में मिला युवक का शव

लमडिंग, 20 जुलाई (ख.सं)। लमडिंग शहर में आज सुबह एक बेहद सनसनीखेज घटना सामने आने के बाद पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। रेलवे के ऑफिसर्स कॉलोनी स्थित वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट परिसर के भीतर एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद हुआ। इस घटना ने न केवल युवक की मौत को रहस्य के घेरे में ला दिया है, बल्कि रेलवे के सुरक्षित परिसर की सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिये हैं। मृतक की पहचान कौशिक डे के रूप में हुई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार वह अपने परिवार के साथ जल शोधन संयंत्र कार्यालय परिसर की पिछली सीमा दीवार के बाहर रहता था। सोमवार सुबह नियमित ड्यूटी पर पहुंचे एक कर्मचारी ने परिसर के भीतर युवक का शव देखा, जिसके बाद तत्काल रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों और लामडिंग पुलिस को सूचना दी गयी।

कछार में जनगणना 2027 की फील्ड-लेवल ट्रेनिंग शुरू

सिलचर, 20 जुलाई (ख.सं)। जनगणना 2027 की तैयारियां कछार में तेज हो गयी। जिले के पांच रेवेन्यू सर्कल, सिलचर, लखीपुर, उदारबंद, कटिगोरा और सोनाई में एन्यूमरेटर्स और सुपरवाइजर्स के लिए ट्रेनिंग का पहला फेज शुरू हुआ। कछार डिस्ट्रिक्ट सेंसस सेल द्वारा ऑर्गेनाइज किया गया यह प्रोग्राम देश के सबसे बड़े स्टैटिस्टिकल एक्सरसाइज में से एक के लिए जिले की फील्ड-लेवल तैयारियों की शुरुआत है। सिलचर रेवेन्यू सर्कल के लिए पहला ट्रेनिंग प्रोग्राम कछार कॉलेज में हुआ, जहां इस एक्सरसाइज़ के लिए सात ट्रेनिंग हॉल अरेंज किए गए हैं। इस प्रोग्राम के दौरान सिलचर रेवेन्यू सर्कल से जुड़े कुल 1,171 एन्यूमरेटर और 187 सुपरवाइज़र ट्रेनिंग लेंगे। सभी फील्ड कर्मचारियों की सिस्टमैटिक तैयारी पक्का करने के लिए डिस्ट्रिक्ट लेवल ट्रेनिंग प्रोग्राम को चार फेज़ में प्लान किया गया है। पहला फेज 20 जुलाई से 22 जुलाई तक, दूसरा फेज़ 24 जुलाई से 27 जुलाई तक चलेगा। तीसरा फेज़ 29 जुलाई से 31 जुलाई तक चलेगा, जबकि चौथा और आखिरी फेज़ 3 अगस्त से 5 अगस्त तक चलेगा। ट्रेनिंग सेशन रोज़ सुबह 9.30 बजे से शाम 5.30 बजे तक होंगे, जिसमें क्लासरूम में पढ़ाई के साथ सेंसस शेड्यूल, डिजिटल एन्यूमरेशन प्रोसेस, हाउसहोल्ड लिस्टिंग, डेटा वेरिफिकेशन, रिपोर्टिंग फॉर्मेट और फील्ड प्रोटोकॉल पर प्रैक्टिकल डेमोंस्ट्रेशन भी होंगे। ट्रेनिंग प्रोग्राम का ऑफिशियल उद्घाटन डिस्ट्रिक्ट सेंसस ऑफिसर और एडिशनल डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर, कछार, रोक्तिम बरुआ, ने सेंसस ऑर्गनाइजेशन से जुड़े सीनियर अधिकारियों की मौजूदगी में किया। अपने कीनोट एड्रेस में, डिस्ट्रिक्ट सेंसस ऑफिसर, रोक्तिम बरुवा ने कहा कि सेंसस 2027 एक ऐतिहासिक बदलाव का प्रतीक है क्योंकि यह देश में पहली बार डिजिटल प्लेटफॉर्म के ज़रिए किया जाएगा। उन्होंने ज़ोर दिया कि सेंसस डेटा की क्वालिटी और भरोसेमंद होना, फील्ड-लेवल पर सही डेटा कलेक्शन पर निर्भर करता है और एन्यूमरेटर्स और सुपरवाइजर्स को डिजिटल एप्लीकेशन और ऑपरेशनल गाइडलाइन्स से अच्छी तरह परिचित होने की सलाह दी।